जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 296 प्रभात अजमेर, बुधवार 28 मई, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

हरीश चौधरी ने गहलोत की भारी किरकरी की बाड़मेर की जयहिंद रैली में

हरीश चौधरी ने सार्वजनिक रूप से गहलोत के मेवाराम जैन व अमीन खां को पार्टी में वापस लेने के प्रयास पर तेज आवाज़ में भारी विरोध जताया

-रेणू मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। कांग्रेस पार्टी के भीतर अशोक गहलोत द्वारा दो निलंबित नेताओं को पार्टी में वापस लाने की कोशिश करने से भीषण अंदरूनी कलह छिड़ गई है। ये दोनों नेता पूर्व मुख्यमंत्री के करीबी माने जाते हैं।

हरीश चौधरी ने गहलोत की इस कोशिश का सार्वजनिक रूप से भारी विरोध किया है और दोनों नेताओं के बीच सार्वजनिक रुप से तीखी बहस भी हुई है।

रणदीप सिंह सुरजेवाला जैसे नेता, जो पहले गहलोत की हर बात से सहमत होते थे, उन्होंने भी अब इस मामले से खुद को अलग कर लिया है और स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने इन निलंबित नेताओं को न तो बुलाया है और न ही वे उनसे मिलेंगे।

जय हिंद रैली, जो कल बाड़मेर में हुई, उसमें हरीश चौधरी ने मंच से इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कुछ लोगों को अनुशासनहीनता के लिए पार्टी से निकाला था, लेकिन कुछ लोग उन्हें समर्थन दे रहे हैं। उनका संकेत स्पष्ट रूप से अशोक गहलोत की ओर था, जिन्होंने मंच से खान की सराहना की थी।

- हरीश चौधरी ने गहलोत से कहा कि अगर ये दोनों राजनीतिज्ञ आपको बहुत प्रिय हैं, तो आप इन दोनों को अपने घर ले जाएं और अपने साथ रखें। मैं, पश्चिम राजस्थान को झालावाड़ और पाली नहीं बनने दूंगा। आपकी ओछी राजनीति के कारण पश्चिमी राजस्थान में कांग्रेस की यह स्थिति हुई है। आप इन दोनों के साथ बैठना चाहें तो बैठें, पर, मैं नहीं बैठूंगा।
- जैसा कि विदित ही है, मेवाराम जैन, उनकी सीडी सार्वजनिक होने के बाद और अमीन खां गहलोत के इशारे से कांग्रेस उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़े थे तथा कांग्रेस के उम्मीदवार चुनाव हारे थे।
- प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दोनों को पार्टी से निष्कासित कर दिया था।
- गहलोत, जयहिंद रैली के मार्फत, मेवाराम व अमीन खां को मंच पर बैठाकर पार्टी में शामिल करवाने का प्रयास कर रहे थे।
- पर, हरीश चौधरी ने सार्वजनिक रूप से गहलोत की साजिश का विरोध कर, गहलोत का प्रयास विफल किया।
- रणदीप सिंह सुरजेवाला, हेमाराम चौधरी व डोटासरा ने भी गहलोत के इस प्रयास की निंदा की।
- सुरजेवाला ने दोनों के साथ मुलाकात करने से इन्कार कर दिया, यह कहकर कि मैंने इन दोनों को तो यहाँ बुलाया ही नहीं है।
- जब मेवाराम व अमीन खां को इतना रूखा व्यवहार मिला तो क्रोधित होकर अमीन खां ने कहा, ''....... यह कांग्रेस पार्टी का अंत है।''

एयरपोर्ट पर मामला और बिगड़ गया। हरीश चौधरी ने गहलोत का सामना करते हुए कहा – ''अगर आपको इन दोनों नेताओं से इतना ही प्रेम है, तो इन्हें अपने घर ले जाकर रखें।''

इस पर गुस्साए गहलोत बोले – ''तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मुझसे ऐसे बात करने की।''

हरीश चौधरी ने जवाब दिया – ''पश्चिम में 12 में से 1 सांसद जीत गया तो आपको तकलीफ हो गई... झालावाड़ और पाली नहीं बनने दूंगा बाड़मेर को,'' जहां गहलोत की राजनीति और जोड़तोड़ की वजह से कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में एक दिन में करोना के नौ मामले सामने आये

जयपुर, 27 मई। कोरोना वायरस संक्रमण एक बार फिर रफ्तार पकड़ता नजर आ रहा है। मंगलवार को राज्य में 9 नए कोविड-19 संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई है। नए मामलों में से 2 एम्स जोधपुर, 2 एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर, 4 बी-लाल लैब जयपुर और 1 आणविक डायग्नोस्टिक सेंटर जयपुर से सामने आए हैं।

इन मरीजों में 35 वर्षीय महिला और 16 दिन का नवजात शिशु जोधपुर से संक्रमित पाए गए हैं। वहीं, जयपुर में 64 वर्षीय महिला, 34 वर्षीय महिला, 64 वर्षीय पुरुष, 53 वर्षीय पुरुष, 22 वर्षीय महिला, 41 वर्षीय पुरुष और 33 वर्षीय पुरुष की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

- अब तक जयपुर में 13, जोधपुर में 6, उदयपुर में 4, डीडवाना में 3, अजमेर में 2, बीकानेर, फलौदी, सवाई माधोपुर में एक-एक मामला सामने आया है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वर्ष 2025 में अब तक कुल 32 कोविड मरीज सामने आ चुके हैं, जिनमें से एक की मौत भी हो चुकी है। जिलेवार संक्रमण का आंकड़ा इस प्रकार है:

जयपुर 13, जोधपुर 6, उदयपुर 4, डीडवाना 3, अजमेर 2, बीकानेर 1, फलोदी 1, सवाई माधोपुर 1 सहित, एक अन्य मामला शामिल है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अपील की है कि संक्रमण भले ही सीमित संख्या में हो, लेकिन सतर्कता बेहद जरूरी है। मास्क, हाथ धोने की आदत और भीड़-भाड़ से बचाव अब भी प्रासंगिक हैं।

गंभीर राजनीतिक परिवर्तन की आशंका से भारी चिंता में है, तृणमूल सरकार बंगाल में

चर्चा है, प.बंगाल के राज्यपाल आनन्द बोस को हटाया जा रहा है तथा उनकी जगह आयेंगी सुप्रीम कोर्ट से हाल ही में रिटायर हुई न्यायाधीश बेला मधुर त्रिवेदी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। बंगाल में बदलाव की हवा महसूस की जा रही है। बंगाल के वर्तमान राज्यपाल, सी.वी. आनंद बोस, जल्द ही पद छोड़ने वाले हैं।

लेकिन बात केवल उनके जाने की नहीं है। उनके स्थान पर जो नाम उभर रहा है, वह राज्य के कई राजनेताओं में सिहरन पैदा कर रहा है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और वर्तमान राज्यपाल के बीच शुरुआती दौर में कई मुद्दों पर विवाद हुआ।

लेकिन ममता बनर्जी जैसी निपुण राजनेता ने आनंद बोस के साथ टकराव में इतनी चतुराई से काम लिया कि कुछ समय बाद राज्यपाल उनके हाथों की कठपुतली की तरह हो गए। यह स्थिति मुख्यमंत्री के लिए बहुत आरामदायक और आसान साबित हुई।

लेकिन अब खबरें हैं कि बी.एम. त्रिवेदी, जो सुप्रीम कोर्ट की हाल ही में सेवानिवृत्त हुई दबंग जज हैं, को अगला राज्यपाल बनाए जाने की संभावना है। मुख्यमंत्री के लिए एक और महिला को संभालना, वह भी बेला मधुर त्रिवेदी को, इतना आसान नहीं होगा।

त्रिवेदी ''इंडिया'' गठबंधन के लिए एक बड़ा खतरा रही हैं और उन्होंने सुप्रीम कोर्ट बार के कई बड़े नामों को नाकों चने चबवा दिये तथा उनकी कड़ी आलोचना करते हुये, उन्हें नीचा दिखाया। उनके द्वारा की गई आलोचना इतनी गहरी, तीखी एवं कठोर रही कि सुप्रीम कोर्ट के कई वरिष्ठ वकीलों ने उनकी विदाई समारोह में शामिल होने से इनकार कर दिया।

- बी.एम. त्रिवेदी, असाधारण न्यायाधीश थीं, सुप्रीम कोर्ट में, जो बड़े-बड़े दिग्गज वकीलों के खिलाफ भी टिप्पणी व कार्यवाही करने में नहीं हिचकिचायी थीं, अगर उन्होंने महसूस किया कि वे दिग्गज वकील सुप्रीम कोर्ट की गरिमा के अनुरूप व्यवहार नहीं कर रहे।
- बंगाल के वर्तमान गवर्नर आनन्द बोस पहले तो ममता बनर्जी से सख्ती से पेश आ रहे थे, पर, धीरे-धीरे ममता जी ने उन्हें होशियारी से इतना ''प्रभावित'' कर लिया कि वे ममता जी की हाँ में हाँ मिलाने लगे थे।
- अतः अगर बी.एम. त्रिवेदी, आनन्द बोस की जगह लेती हैं तो ममता जी का असामान्य होना स्वाभाविक ही है। विशेषकर, जबकि बंगाल के विधानसभा चुनाव ज्यादा दूर नहीं हैं तथा बंगाल सरकार के कई मंत्री, जैसे पार्थो चटर्जी, कई सालों से भ्रष्टाचार के मामलों के कारण जेल में हैं तथा एक जूनियर महिला डॉक्टर की अस्पताल में मृत्यु का मामला अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति रद्द कर दी गई है और नियुक्ति रद्द होने से उत्तेजित टीचर्स सड़कों पर आ गये हैं तथा उनके रैली-प्रदर्शन जारी हैं।

वरिष्ठ वकीलों का यह एक अभूतपूर्व कदम था, क्योंकि पहले कभी भी सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकीलों ने किसी वरिष्ठ न्यायाधीश के विदाई समारोह का बहिष्कार नहीं किया था। न्यायमूर्ति त्रिवेदी कभी भी सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम वकीलों के खिलाफ कदम उठाने में हिचकिचाईं नहीं, यदि उन्हें लगा कि वे उच्चतम न्यायालय की गरिमा के खिलाफ व्यवहार कर रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने गौरव गोगोई को आसाम कांग्रेस का मुखिया बनाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। कांग्रेस पार्टी ने जोरहाट से सांसद और लोकसभा में पार्टी के उप नेता गौरव गोगोई को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ए.पी.सी.सी.) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। गौरव गोगोई के पिता तरुण गोगोई सबसे लंबे समय तक असम के मुख्यमंत्री रहे थे।

उन्होंने भूपेन कुमार बोराह का स्थान लिया है, जो लगभग चार वर्षों तक असम कांग्रेस के अध्यक्ष रहे।

कांग्रेस के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने यह घोषणा करते हुए असम कांग्रेस के तीन नए कार्यकारी अध्यक्षों के नाम भी बताए, जाकिर हुसैन सिकदर, रोज़लीना तिर्की, और प्रताप सरकार।

- 2026 के चुनाव से पूर्व कांग्रेस, आसाम के मु.मंत्री हेमन्त बिस्वा शर्मा के समक्ष चुनौती देना चाहती है कि गोगोई के खिलाफ उनका प्रचार कितना मिथ्या है।
- मु.मंत्री शर्मा काफी समय से गोगोई पर आरोप लगा रहे हैं कि गोगोई के पाकिस्तान की इन्टैलिजैंस एजेन्सी आईएसआई से संबंध हैं तथा उनका प्रचार पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद और तीव्र व तीखा हो गया है।
- गोगोई का हाथ बंटाने के लिए कांग्रेस ने आसाम में तीन कार्यकारी अध्यक्ष, जाकिर हुसैन, सिकंदर, रोजलीना तिर्की व प्रदीप सरकार भी नियुक्त किये हैं।

माना जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व ने 2026 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पूर्व गौरव गोगोई को असम कांग्रेस की कमान सौंपकर, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के लिए एक स्पष्ट संदेश दिया है।

मुख्यमंत्री सरमा ने फरवरी से गोगोई पर निशाना साधना शुरू किया था, और उन पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध रखने का आरोप लगाया। ये हमले पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद और भी तेज हो गए।

जस्टिस संजीव शर्मा के राजस्थान ट्रांसफर की सिफारिश

जयपुर, 27 मई। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट से जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को उनके मूल राजस्थान हाईकोर्ट में तबादला करने की सिफारिश की है। वहीं, राजस्थान हाईकोर्ट से जस्टिस श्रीचन्द्रशेखर को बॉम्बे हाईकोर्ट व जस्टिस अरुण कुमार मोंगा को दिल्ली हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने की सिफारिश की गई है।

- जस्टिस संजीव शर्मा 2016 में राजस्थान में जज बने थे, फिर 2022 में उनका पटना हाई कोर्ट में ट्रांसफर हो गया था।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के 21 हाईकोर्ट जजों को विभिन्न हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने की सिफारिश की है। दरअसल राजस्थान हाईकोर्ट में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'तेज प्रताप के निष्कासन का ड्रामा लालू यादव ने आने वाले चुनाव की दृष्टि से रचा है'

लालू यादव की पुत्रवधु, तेज प्रताप की पत्नी ने प्रैस कॉन्फ्रैंस आयोजित कर यह आरोप लगाया, लालू यादव के परिवार पर

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस महीने के अंत में बिहार दौरे पर जा रहे हैं, जो इस साल में उनकी तीसरी यात्रा होगी। इस समय राज्य में चुनावी सरगर्मियां चरम पर हैं। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के भीतर तेज राजनीतिक उथल-पुथल मची है। पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को छह साल के लिए पार्टी से ही नहीं, बल्कि परिवार से भी निष्कासित कर दिया है।

ऐसे समय में जबकि, वर्तमान मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष नीतीश कुमार की राजनीतिक पकड़ कमजोर पड़ती दिख रही है, तथा राज्य भाजपा भी नेतृत्व संकट से जूझ रही है राजद के नेतृत्व वाला महागठबंधन इस साल के विधानसभा चुनावों में सत्ता में वापसी की उम्मीद लगाए हुए है।

- तेज प्रताप द्वारा वायरल किये गये वीडियो में तेज प्रताप ने यह स्पष्ट कहा था कि वे गत बारह साल से एक अनुष्का यादव के साथ ''लिव इन'' रिश्ते में हैं।
- लालू यादव का शायद मानना है कि बिहार चुनाव के पूर्व जब उनके परिवार पर भ्रष्टाचार के मामलों में जाँच चल रही है तो तेज प्रताप द्वारा यह वीडियो जारी करने से लालू यादव परिवार के लिये कई और दिक्कत खड़ी हो सकती हैं।

लालू यादव चिंतित हैं कि उनके बड़े पुत्र तेज प्रताप की हरकतें राजद नेतृत्व वाले महागठबंधन की संभावनाएं खराब कर सकती हैं इसलिए लालू प्रसाद ने अप्रत्याशित रूप से तेज प्रताप को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया। यह निर्णय एक ''डैमेज कंट्रोल'' के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि तेज प्रताप के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने लालू को नाराज़ कर दिया, जिसमें उन्होंने किसी अनुष्का यादव के साथ अपनी तस्वीरें शेयर की थीं और दावा किया था कि वे 12 साल से रिश्ते में हैं। यह पोस्ट अब हटा ली गई है। गौरतलब है कि तेज प्रताप की शादी पूर्व मुख्यमंत्री दरोगा प्रसाद राय की नातिन ऐश्वर्या से हुई थी, लेकिन वह शादी छह महीने भी नहीं चल सकी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आतंकवाद के खिलाफ सिंगापुर भारत के साथ'

सिंगापुर, 27 मई सिंगापुर ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति पुरजोर समर्थन व्यक्त किया है।

जनता दल यूनाइटेड के अध्यक्ष एवं सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने आज यहां सिंगापुर की विदेश एवं गृह राज्य मंत्री सिम एन से मुलाकात की।

- सिंगापुर गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात में सिंगापुर की विदेश एवं गृह राज्यमंत्री ने यह भी कहा कि सिंगापुर आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है।

सिंगापुर सरकार में वरिष्ठ राज्य मंत्री सिम एन ने कहा कि सिंगापुर आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर और भारत करीबी भागीदार हैं और द्विपक्षीय सहयोग को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विदेशी निवेशकों ने अपने 96 प्रतिशत इन्वेस्टमैंट वापस ले लिए हैं भारत से

प्रतिष्ठित इकॉनमिस्ट अरूण कुमार के अनुसार, स्थिति और बदतर होती जायेगी, समय के साथ-साथ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। भारतीय अर्थव्यवस्था एक बार फिर आलोचनाओं के घेरे में आ गई है क्योंकि फॉरेन डायरैक्ट इन्वैस्टमैंट (एफडीआई) में भारी गिरावट देखी जा रही है, जिससे निवेशकों के विश्वास और वित्तीय बाजारों की स्थिरता को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा हो गई हैं।

हालिया आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से लगभग 96 प्रतिशत निवेश निकाल लिया है, जिससे नीतिगत हलकों और आम जनता के बीच आर्थिक चिंता की लहर दौड़ गई है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रोफेसर अरुण कुमार ने इस चिंताजनक प्रवृत्ति के लिए भारत के व्याप्त वित्तीय असुरक्षा और आर्थिक माहौल में बढ़ती अनिश्चितता को जिम्मेदार ठहराया है।

उन्होंने कहा, एफडीआई की इतनी बड़ी मात्रा में निकासी नीतिगत ढांचे और बाज़ार में विश्वास से संबंधित गहरी समस्याओं को दर्शाती है।'' उन्होंने चेतावनी दी कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों, विशेषकर अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के तहत संरक्षणवादी नीतियों की वापसी के बाद से स्थिति और बिगड़ सकती है।

कांग्रेस पार्टी ने इस अवसर को लपक लिया और स्थिति को नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की ''गंभीर विफलता'' बताते हुए आर्थिक मोर्चे पर हमला तेज कर दिया हे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बढ़ती बेरोज़गारी को लेकर गहरी चिंता जताई है और दावा किया है कि इसका देश भर में युवाओं, किसानों और महिलाओं पर विनाशकारी असर पड़ रहा है।

- मौके का फायदा उठाते हुए, कांग्रेस पार्टी ने आगामी चुनाव में इसे ही मुख्य मुद्दा बनाने का फैसला किया है।
- पार्टी के नज़दीकी लोगों का कहना है कि बेरोज़गारी, महँगाई के आकड़ें, जो सच्चाई बता रहे हैं, उसकी वजह से जनता का बिगड़ता मूड ठीक करने के लिए सरकार इन मूल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए, नये-नये मुद्दों पर फोकस करना चाहती है।

रणनीतिक दृष्टिकोण से कांग्रेस पार्टी ने आगामी राज्य चुनावों, विशेषकर बिहार, में आर्थिक संकट को अपने अभियान को केन्द्रीय मुद्दा बनाने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, आर्थिक संकट के साथ-साथ जातीय जनगणना जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस, इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आर्थिक कुप्रबंधन के लिए घेरने की रणनीति अपना रही है।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ रणनीतिकार ने कहा, ''अर्थव्यवस्था की रक्षा करने में मोदी सरकार की विफलता आगामी चुनावों में प्रमुख मुद्दा होगी। यह भी जोड़ा कि बेरोज़गारी और महंगाई को लेकर जनता का गुस्सा चरम पर है। पार्टी कई रैलियों और अभियानों का आयोजन करेगी ताकि इन मुद्दों को जनचर्चा का केन्द्र बनाया जा सके।

राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि मोदी सरकार आर्थिक संकेतकों की बिगड़ती स्थिति से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। एक प्रमुख राजनीतिक टिप्पणीकार ने कहा, ''स्थिति की गंभीरता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन मुख्य मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं।''

इस स्थिति का असर छोटे और मझोले उद्यमों पर भी पड़ा है, जिन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है।

मांग और आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और नीतिगत असंगतियों के कारण इन उद्यमों की आय घट रही है और निर्यात क्षेत्र सुस्त पड़ा है।

कभी भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत माने जाने वाले निर्यात क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में काफी गिरावट आई है। उद्योग जगत के दिग्गजों ने मौजूदा शासन के तहत जटिल नियमों, बदलते व्यापार मानकों और वित्तीय प्रोत्साहनों की कमी को प्रमुख अड़चनें बताया है।

जैसे-जैसे आम चुनाव नज़दीक आ रही हैं, संभावना है कि मुद्दे राजनीतिक विचार-विमर्श में प्रमुख भूमिका निभाने लगेंगे।

एफडीआई का सूखना, बढ़ती बेरोज़गारी और छोटे व मझोले उद्योगों पर बढ़ता दबाव विपक्षी दलों के लिए मोदी सरकार को घेरने का एक बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है।

प्रथम प्र.मंत्री पं. नेहरु को श्रद्धांजलि अर्पित

नयी दिल्ली 27 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित उन्हें नमन किया और कहा कि उनके महान योगदान के बिना 21वीं सदी के भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है।

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आधुनिक भारत के निर्माण में पं. नेहरु के योगदान को याद किया।

खड़गे ने कहा नागरिकता, देश की सेवा में होती है-पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत को शून्य से शिखर तक पहुँचाने वाले, आधुनिक भारत के निर्माता, लोकतंत्र के निर्भीक प्रहरी, भारत को वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक एवं विभिन्न क्षेत्रों में विकासशील बनाने,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अपना जीवन लेने के लिए नहीं देने के लिए है। –स्वामी विवेकानंद

कोविड के मरीज एक हफ्ते में ढाई गुना बढ़े, पर खतरा नहीं

चौंकाने वाले शीर्षक से कहें तो भारत में कोविड के मामले एक सप्ताह में ढाई गुना बढ़े है। लेकिन संख्या में गिनें तो घबराने जैसा कुछ नहीं है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को कोविड-19 अपडेट में देश भर में कुल 1009 सक्रिय मामले बताये, जिनमें हाल ही में 752 नए मामलों की पुष्टि हुई। सरकारी आंकडों के अनुसार, केरल वर्तमान में सबसे अधिक 430 सक्रिय मामलों के साथ चार्ट में सबसे ऊपर है। उल्लेखनीय मामले वाले अन्य राज्यों में महाराष्ट्र (209), दिल्ली (104), गुजरात (83) और कर्नाटक (47) शामिल हैं। राजस्थान में सात मामलों का पता चला है। कोरोना काल में कोविड-19 की जिस घातक महामारी का सामना करना पड़ा उसकी स्मृतियां अब भी लोगों के मन में है। लेकिन तसल्ली की बात यह है अभी सामने आ रहे ज्यादातर मामले हल्के हैं और घर पर देखभाल से ठीक होने लायक हैं। अच्छी बात यह भी है कि सरकारों ने बीमारी के संक्रमण से निपटने के लिए एहतियाती तैयारियां शुरू कर दी हैं। इनमें बेड, ऑक्सीजन, दावा और टीकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। किन्तु हाल के सप्ताहों में इन मामलों में देखी गई वृद्धि से सभी को पुनः सजग होने की जरूर आवश्यकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोविड वायरस के नए वेरिएंट्स के उभरने से चिंता बनी हुई है। इन वेरिएंट्स की उपस्थिति विशेष रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया में देखी गई है, जहां सिंगापुर, थाईलैंड और हांगकांग में मामलों में वृद्धि सामने आई है। भारत में, मई 2025 तक सक्रिय मामलों की संख्या 1,000 से कम रही है, और रिकवरी दर 99प्रतिशत से अधिक है। कोविड के ऐसे वेरिएंट्स की पहचान की गई है, जो स्थानीय स्तर पर संक्रमण बढ़ा सकते हैं। केंद्र सरकार ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठकें आयोजित की हैं। राज्य सरकारें भी सतर्क हैं। भारत ने कोविड के टीकाकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। 2025 तक, 95प्रतिशत से अधिक वयस्कों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है, और 60प्रतिशत से अधिक प्राथमिकता समूहों को बूस्टर डोज़ दी गई है। हालांकि, नए वेरिएंट्स के उभरने के साथ, बूस्टर डोज़ और आगे सतर्कता की आवश्यकता बनी हुई है।नये अधिकृत आंकड़ों के अनुसार, भारत में नए उभरते कोविड-19 के दो वैरिएंट मिले हैं। मई 2025 तक, विश्व स्वास्थ्य संगठन इन सब-वेरिएंट को निगरानी में रखे गए वैरिएंट के रूप में वर्गीकृत करता है, न कि चिंताजनक वैरिएंट या ध्यान रखने वाले वैरिएंट के रूप में। लेकिन ये वे वैरिएंट हैं जो कथित तौर पर चीन और एशिया के कुछ हिस्सों में कोविड के मामलों में वृद्धि को बढ़ावा दे रहे हैं। भारत में, सबसे आम वैरिएंट जेएन.1 बना हुआ है,जो परीक्षण किए गए नमूनों के 53 प्रतिशत में पाया गया है। इसके बाद बीए.2 (26 प्रतिशत) और अन्य ओमिक्रॉन सबलाइनेज (20 प्रतिशत) हैं। हालांकि डब्ल्यूएचओ के प्रारंभिक जोखिम मूल्यांकन में एनबी.1.8.1 को वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य के कम जोखिम के रूप में वर्गीकृत किया गया है, लेकिन इसके स्पाइक प्रोटीन म्यूटेशन जैसे कि ए435एस, वी445एच और टी478आई अन्य वेरिएंट की तुलना में अधिक संक्रामकता और प्रतिरक्षा से बचने की जरूरत इंगित करते हैं।

देश के कई क्षेत्रों में स्थानीय वृद्धि की सूचनाएं मिलने के बीच केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में एक बैठक में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र तथा अन्य प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लिया और मौजूदा स्थिति की समीक्षा कीहै।डॉक्टरों ने लोगों को नयेमामलों से नहीं घबराने की सलाह दी है। उनका कहना है कि यह स्ट्रेन गंभीर नहीं है और अधिकांश रोगियों में केवल हल्के लक्षण सामने आये हैं। हाल ही में जारी सरकारी सलाह के बाद अनेक जगह अस्पतालों ने एहतियाती उपायों के तहत ऑक्सीजन सिलेंडर, एंटीबायोटिक्स, अन्य ज़रूरी दवाएँ, बाइलेवल पॉज़िटिव एयरवे प्रेशर मशीनें, टीके, वेंटिलेटर और अतिरिक्त आइसोलेशन बेड की व्यवस्था करके तैयारी शुरू कर दी है। हालाँकि, अभी तक कोई नया घातक मामला सामने नहीं आया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का भी कहना है कि लोगों को नये वैरिएंट से घबराने की ज़रूरत नहीं है, जो कि ओमीक्रॉन के वंशका है। यह भारत में प्रचलित कोविड-19 का सबसे प्रमुख स्ट्रेन है। यह जानलेवा नहीं है। लेकिन यह सलाह भी दी जा रही है कि लक्षणों की जांच किसी योग्य डॉक्टर से करवाना भी ज़रूरी है। हाथों की स्वच्छता बनाए रखना, अस्पताल या भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना और श्वसन स्वच्छता का पालन करना जैसी सावधानियां बरतना हमेशा बेहतर होता है। चिकित्सक कहते हैं कि घबराहट और अराजकता बीमारी में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ा सकती है। राहत कि बात यह है कि यह वैरिएंट फैल तो रहा है, लेकिन ज़्यादातर मामलों में इसने गंभीर बीमारी पैदा करने के लक्षण नहीं दिखाए हैं। महाराष्ट्र के ठाणे में जिस 21 वर्षीय मरीज़ की मौत हुई है उसके लिए बताया जाता है कि वह गंभीर मधुमेह से पीड़ित था। डॉक्टरों के अनुसार उसकी मृत्यु 'सह-रुग्णताओं' के कारण हुई।उसे गत गुरुवार को मधुमेह संबंधी जटिलताओं के कारण उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था और शुक्रवार रात को उसका कोविड-19 परीक्षण पॉज़िटिव आया। राजस्थान में जोधपुर स्थित एम्स में भर्ती चार मरीज कोरोना पॉजिटिव मिले। यह चारों मरीज यहां पहले से अन्य बीमारितों के इलाज के लिए भर्ती थे। कोविड वायरस अब इतना घातक क्यों नहीं है इसका कारण बताते हुए विशेषज्ञ कहते हैं कि पांच साल पहले, जब सार्स कोविड-2 वायरस सामने आया था, तो वह एक नया श्वसन वायरस था। उससे पहले कहीं भी इसकी रिपोर्ट नहीं थी। हर कोई उससे अतिसंवेदनशील था, कोई भी प्रतिरक्षित नहीं था और किसी को भी उसका टीका नहीं लगाया गया था। लेकिन अब, यह एक ऐसा वायरस है जो समुदाय में पहले से ही मौजूद है। वर्तमान में संक्रमण हो रहा है या नहीं यह अलग बात है, लेकिन यह सभी सेटिंग्स में मौजूद है। विशेषज्ञों का कहना है कि सभी श्वसन वायरस फ्लू जैसे मौसमी पैटर्न दिखाते हैं। उदाहरण के लिए, भारत में, फ्लू फरवरी, मार्च और जुलाई, अगस्त व सितंबर में मौसमी बीमारी के रूप से प्रकट होता है। अभी हम जो देखते हैं वह सार्स कोविड-2 जैसे श्वसन वायरस के लिए वैसा ही मौसमी पैटर्न है। सार्स कोविड-2 संक्रमण पहली बार सामने आने पर इसलिए इतना घातक था क्योंकि वह अपेक्षाकृत नया वायरस था, इसलिए उससे पूरी आबादी प्रभावित हुई। हालांकि अभी यह पूरी तरह समझना बाकी है कि सार्स कोविड-2 के लिए मौसमी पैटर्न क्या है। लेकिन यह स्पष्ट है कि सभी वायरस मौसमी और चक्रीय पैटर्न का पालन करते हैं। उदाहरण के लिए, सिंगापुर में, यह बताया गया है कि वे हर 6 से 9 महीने में सार्स कोविड-2 मामलों में वृद्धि देखते हैं।

कोविड-19 ने हमें सिखाया है कि सतर्कता और तैयारी ही सबसे प्रभावी हथियार हैं। भारत ने अब तक इस महामारी से निपटने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, लेकिन नए वेरिएंट्स के उभरने के साथ, हमें पुनः सजग होने की आवश्यकता है। सरकार, स्वास्थ्य प्रणाली, और नागरिकों को मिलकर इस चुनौती का सामना करना होगा, ताकि हम भविष्य में किसी भी संभावित संकट से सुरक्षित रह सकें।

चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अभी जो हो रहा है, वह मौसमी फ्लू की तरह है, और कोविड मामलों में भी मौसमी पैटर्न दिख रहा हैं। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि अचानक आई यह वृद्धि लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता के कम होने के कारण हो सकती है। जब रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है, तो व्यक्ति बीमारी के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता हैं। लेकिन अभी यह पता नहीं है कि कि सार्स कोविड-2 वायरस के मामले में रोग प्रतिरोधक क्षमता कितनी बार कम होती है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यह सभी जानते हैं कि वायरस मौजूद है। मगर भारत में कुछ सौ मामलों से किसी तरह घबराने जैसी कोई बात नहीं है। लोग प्रतिरक्षित और सुरक्षित हैं। लगभग 140 करोड़ की आबादी में कुछ सौ मामले की संख्या कोई मायने नहीं रखती है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत में मामलों में वर्तमान वृद्धि संभवतः इसलिए हुई है क्योंकि जब सिंगापुर, हांगकांग आदि में मामलों के बारे में पता चला तो हमारे यहां अधिक परीक्षण किए जाने लगे हैं। हालांकि वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन नए वेरिएंट्स के कारण भविष्य में संक्रमण की लहरें आने की आशंका को नकारा नहीं जा सकता है। इसलिए, सावधानी बरतना ही उचित होगा। पहली जरूरत निरंतर निगरानी की है। इसके साथ ही टीकाकरण अभियान को बनाए रखना होगा और बूस्टर डोज़ के लिए जन जागरूकता और उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। इसके अलावा स्वास्थ्य प्रणाली को भी मजबूत बनाना होगा जिसले लिए अस्पतालों में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और स्वास्थ्य कर्मियों का प्रशिक्षण की दरकार होगी। इसके अलावा वायरस के नए वेरिएंट्स की पहचान और उनके प्रभाव का अध्ययनचिकित्सा जगत में भी जारी रहना जरूरी है। सामाजिक दूरी, मास्क पहनना, और हाथ धोने जैसे उपायों के प्रति लोगों को जागरूक करते रहना होगा। हालांकि कोविड-19 अब चिंता का विषय नहीं है। लेकिन ऐसे अन्य वायरस भी हैं जो श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बनते हैं, जिनके खिलाफ भी लोगों को टीका लगवाना चाहिए और खुद को सुरक्षित रखना चाहिए। फ्लू के टीके हैं जो इन्फ्लूएंजा वायरस से बचाते हैं। लोगों को वे टीके लगवाने चाहिए। कोविड-19 ने हमें सिखाया है कि सतर्कता और तैयारी ही सबसे प्रभावी हथियार हैं। भारत ने अब तक इस महामारी से निपटने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, लेकिन नए वेरिएंट्स के उभरने के साथ, हमें पुनः सजग होने की आवश्यकता है। सरकार, स्वास्थ्य प्रणाली, और नागरिकों को मिलकर इस चुनौती का सामना करना होगा, ताकि हम भविष्य में किसी भी संभावित संकट से सुरक्षित रह सकें।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

वीर सावरकर जयंती (28, मई 2025) पर विशेष लेख

भारत की स्वतंत्रता और हिंदू राष्ट्रवाद के लिए सदैव समर्पित रहे विनायक दामोदर वीर सावरकर

वासुदेव देवनानी

विनायक दामोदर सावरकर जी एक महान क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सैनानी, विचारक, कवि, लेखक, समाज सुधारक, कार्यकर्ता और राजनेता थे। उन्होने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपना पूरा जीवन भारत की स्वतंत्रता और हिंदू राष्ट्रवाद के लिए समर्पित कर दिया। वीर सावरकर भारतीय क्रान्तिकारियों के मुकुटमणि माने जाते थे। वे भारत के पहले ऐसे क्रान्तिकारी थे जिन्हें ब्रिटिश सरकार ने राजद्रोह के आरोप में दो आजन्म कारावासों का दण्ड देकर अंडमान निकोबार द्वीप समूह की कालापानी माने जाने वाली सेल्युलर जेल में वर्षों कैद रखा तथा उन पर अमानवीय जुर्म ढाये एवं उन्हें अत्यंत अमानवीय और कठोर यातनाएँ दी गईं।

वीर सावरकर का जन्म महाराष्ट्र के नासिक शहर के पास भागूर गांव में एक मध्यम वर्ग के परिवार में 28 मई 1883 को हुआ था। उनके पिता दामोदर सावरकर एक स्कूल शिक्षक थे और उनकी माता राधाबाई एक धार्मिक महिला थीं। सावरकर ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नासिक में प्राप्त की। बाद में उन्होंने पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में अध्ययन किया। सावरकर ने अपने कॉलेज के दिनों से ही क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लेना शुरू कर दिया था। उन्होंने अपने बड़े भाई गणेश सावरकर के साथ मिलकर नासिक में मित्र मेला नामक संगठन की स्थापना की, जो बाद में अभिनव भारत सोसाइटी बनी। इस संगठन का उद्देश्य भारतीय युवाओं को ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित करना था। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के समाचार पत्र केसरी ने छात्र विनायक सावरकर को राष्ट्र-भक्ति के लिए प्रेरित किया। 22 जनवरी 1901 को जब ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया का देहान्त हुआ तो एक ओर तमाम देश-दुनिया में शोक मनाया जा रहा था किन्तु, सावरकर अपने साथियों के साथ मित्र मेला के मंच से भारत को गुलामी में जकड़े रखने वाली महारानी विक्टोरिया की मृत्यु पर खुशी मना रहे थे।

सन् 1905 में वीर सावरकर ने पुणे के चौराहे पर विदेशी वस्त्रों की होली जलाकर पूरे ब्रिटिश शासन को हिला डाला। इस समारोह की अध्यक्षता बालगंगाधर तिलक ने की थी। लोकमान्य तिलक की सिफारिश पर वीर सावरकर को छात्रवृत्ति स्वीकृत हुई और वे जून 1906 में, लंदन चले गए, जहाँ उन्होंने कानून की पढ़ाई की। यद्यपि वे कानून के अध्ययन के नाम पर लन्दन गये थे परन्तु वहाँ पहुँचते ही उन्होंने भारतीय देशभक्त युवकों को संगठित कर भारत की स्वाधीनता के लिए प्रयास शुरू कर दिये। उन्होंने लंदन में 'फ्री इंडिया सोसाइटी' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारतीयों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित करना था। मदनलाल ढींगरा नामक युवक ने उन्हीं की प्रेरणा पर 1 जुलाई 1906 को सर करजन वाइली की गोली मारकर हत्या कर भारतीयों पर किये गए अत्याचारों का बदला लिया। उन्होंने इण्डिया हाउस में रहकर तथा ब्रिटिश संग्रहालय के दस्तावेजों का अध्ययन कर 1857 का स्वातन्त्र्य समर नामक ग्रन्थ की रचना की। हालाँकि यह ऐतिहासिक ग्रन्थ प्रकाशित होने से पहले ही जब्त कर लिया गया। इसके बाद तो सावरकर ब्रिटिश साम्राज्य की आँखों का काँटा बन गये थे। उन्हें ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध विद्रोह भड़काने, अंग्रेजों की हत्या कराने तथा भारत को शस्त्र भिजवाने के आरोप लगाकर 14 मार्च 1910 को लन्दन में गिरफ्तार कर लिया गया। सावरकर को राजद्रोह एवं हत्याओं आदि के आरोप में गिरफ्तार कर जल मार्ग द्वारा जहाज से लन्दन से भारत रवाना कर दिया गया। 8 जुलाई 1910 को जब जलयान मार्सेल्स बन्दरगाह के पास पहुँचने ही वाला था कि सावरकर उसमें से समुद्र में कूद पड़े तथा तट की ओर बढ़ने लगे। ब्रिटिश सैनिकों ने उन पर गोलियाँ चलाई किन्तु वे बच गये और फ्रांस के तट पर जा पहुँचे लेकिन गोरों ने पीछा कर उन्हें पुनः पकड़ लिया तथा जहाज पर चढ़ाकर भारत ले आये। बम्बई की विशेष अदालत में उन पर मुकदमा चलाया गया। 30 जनवरी 1911 को अंग्रेज जज ने उन्हें दो आजन्म कारावासों अर्थात् 100 वर्ष की सख्त सजा सुना दी। उन्हें अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का कालापानी माने जाने वाली सेल्युलर जेल में भेज दिया गया।

वीर सावरकर को वर्ष 1911 से 1921 दस वर्षों तक अंडमान और निकोबार की कुख्यात सेलुलर जेल में कैद रखा गया और वहां उन पर अत्यंत अमानवीय और कठोर अत्याचार किये गए। अंग्रेज सरकार ने उनके साथ बेहद क्रूर व्यवहार कर उनका निंदनीय उत्पीड़न किया। वीर सावरकर को सेलुलर जेल की एक बहुत छोटी सी अकेली, अंधेरी और दमघोंटू काल कोठरी में रखा गया। उन्हें दिन-रात तेल की कोल्हू चलाने जैसे कठोर श्रम कार्यों में लगा कठोर यातनाएं दी गई। सावरकर जी को छोटी सी बात पर ही कोड़ों से पीटा जाता था, लाठियों से मारा जाता था और कई बार घंटों रस्सियों से बांधकर खड़ा रखा जाता था। उन्हें बेहद खराब भोजन दिया जाता था जिसमें बासी दाल, अधपका चावल और बदबूदार पानी शामिल होता था। इससे उनका स्वास्थ्य तेजी से गिरता गया लेकिन बीमारियों का कोई इलाज नहीं किया गया। उन्हें बार बार अपमानित किया जाता था, उनके आत्म-सम्मान को कुचला जाता था और कहा जाता था कि उनका स्वतंत्रता संग्राम व्यर्थ है। उन पर मानसिक दबाव डाल उन्हें तोड़ने का प्रयास भी होता था। उन पर अपने परिवार से संपर्क करने पर सख्त पाबंदी थी। साथ ही उन्हें पत्र लिखने की इजाज़त भी नहीं दी जाती थी और अगर मिलती भी थी तो उसे सेंसर किया जाता था। सेलुलर जेल में उन्हें कागज़ और कलम नहीं दिया गया था, इसलिए सावरकर जी ने जेल कोठरी की दीवारों पर अपने नाखूनों और कोयले या पत्थर से लिखने की कोशिश की और कई रचनाएँ मौखिक रूप से याद करवा कर बाहर पहुंचाईं। अनेकानेक यातनाओं के बावजूद सावरकर का आत्मबल दृढ़ बना रहा। उन्होंने जेल में रहते हुए कई कविताएँ और लेख लिखे, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रेरणा स्त्रोत बने। वीर सावरकर को जेल में मिले कड़वे अनुभवों और प्रताडनाओं ने एक मजबूत और दृढ़ निश्चयी व्यक्ति बना दिया। जेल में रहते हुए भी उन्होंने अपनी क्रांतिकारी गतिविधियों को जारी रखा और अन्य कैदियों को भी इसके लिए प्रेरित किया। वीर सावरकर की जेल डायरी और उनकी रचनाएँ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और उनके दृढ़ मानसिक बल की झलक है। अंडमान द्वीप समूह की ऐतिहासिक सेल्युलर जेल आज भी वीर सावरकर की यादों को संजोए हुए है।

वीर सांवरकर के पक्ष की कई याचिकाओं पर विचार के बाद ब्रिटिश सरकार ने उन्हें अंडमान और निकोबार सेल्युलर जेल से 21 जनवरी 1921 को पहले अलीपुर जेल में शिफ्ट किया। सन् 1924 में उन्हें यरवदा जेल से रिहा कर रत्नागिरि जेल भेज नजरबन्द कर दिया गया। सावरकर ने नजरबन्द रहते हुए हिंदू महासभा के साथ काम करना शुरू किया। उन्होंने हिंदू राजनीतिक और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के साथ भारत में 'हिंदुत्व' की अवधारणा को विकसित किया, जो हिंदू राष्ट्रवाद के सिद्धांत पर आधारित थी। सावरकर पर रत्नागिरि जेल से बाहर जाने पर रोक थी। वे पूरे 13 वर्षों तक रत्नागिरि जेल में नजरबन्द रहें लेकिन उन्होंने हिन्दू संगठन तथा समाजसेवा के कार्यों को नहीं छोड़ा। साथ ही साहित्य सृजन का कार्य भी करते रहे। उन्होंने हिन्दुत्व नामक अपनी महान् कृति की रचना की। उन्होंने कमला, गोमांतक तथा कालापानी जैसी प्रसिद्ध रचनाएँ भी लिखीं। कालान्तर में जब 1937 में श्री जमनादास मेहता मन्त्रिमण्डल में शामिल हुए तो 10 मई 1937 को उनके प्रयासों से सावरकर जी को जेल से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया। वे हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गये। 22 जून 1940 को नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने बम्बई स्थित उनके निवास स्थान पर गुप्तरूप से पहुंचकर उनसे भेंट की तथा सावरकर जी ने ही उन्हें विदेश जाकर भारत की स्वाधीनता के लिए आजाद हिन्द सेना बनाने की प्रेरणा दी। भारत के अंग्रेजों क्रि गुलामी से स्वतंत्र होने पर हिन्दू महासभा के अध्यक्ष के नाते सावरकर जी ने देश के विभाजन का कड़ा विरोध किया था तथा अपनी वाणी एवं लेखनी दोनों के माध्यम से वे राष्ट्रीय भावनाओं का प्रचार करते रहे। दुर्भाग्य से 1948 में, राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की हत्या के बाद, सावरकर जी पर उनकी हत्या में सह-साजिशकर्ता होने का आरोप लगाया गया। हालांकि, अदालत ने सबूतों के अभाव में उन्हें इस आरोप से बरी कर दिया। सावरकर जी अपने जीवन के अन्तिम क्षणों तक भारत को सशक्त तथा सैनिक शक्ति से सम्पन्न बनाने के बारे में अपने सुझाव देते रहे। उन्होंने राजनीति का हिन्दूकरण और हिन्दू का सैनिकीकरण किये जाने का आव्हान कर देश का मार्गदर्शन किया। 26 फरवरी 1966 को क्रान्तिकारियों के प्रेरणा स्त्रोत, महान् चिन्तक, कुशल साहित्यकार, ओजस्वी कवि तथा दूरदर्शी महापुरुष सावरकर जी अखण्ड भारत का सपना हृदय में संजोये इस संसार से विदा हो गये।

भारत में वीर सावरकर की विरासत और प्रभाव आज भी महसूस किया जाता है तथा उन्हें एक महान क्रांतिकारी और विचारक के रूप में याद किया जाता है। वीर सावरकर पहले ऐसे दूरदर्शी राजनीतिज्ञ थे जिन्होंने भारत के स्वाधीन होते ही चेतावती दे दी थी कि यदि भारत आधुनिकतम शस्त्रास्त्रों से लैस नहीं हुआ तो उसे पड़ोसी देशों चीन एवं पाकिस्तान से इमेशा खतरा बना रहेगा। 1962 में चीन द्वारा भारत पर किये गए आक्रमण से उनकी भविष्यवाणी अक्षरशः सत्य सिद्ध हुई। बाद में जब पाकिस्तान ने भारत पर हमले किये तो देश को लगा कि भारत को सैनिक दृष्टि से सशक्त बनाया जाना ही चाहिए। आज हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत पाकिस्तान के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर जैसे सफल अभियान चला कर देश दुनिया को अपनी ताकत और क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहा है।

सावरकर पहले क्रान्तिकारी थे जिन्होंने छात्र-जीवन में श्री बालगंगाधर तिलक की अध्यक्षता में पुणे में विदेशी वस्त्रों की होली जलाई। वे पहले लेखक थे जिनके 1857 का स्वातन्त्र्य समर ग्रन्थ को प्रकाशित होने से पूर्व ही जब्त कर लिया गया था। इस ऐतिहासिक ग्रन्थ को शहीदे-आजम सरदार भगतसिह तथा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने प्रकाशित कराकर क्रान्तिकारियों में वितरित कराया था। वे पहले साहसी बन्दी थे जिन्होंने इंग्लैण्ड से जलयान द्वारा भारत लाये जाते समय अंग्रेजों के चंगुल से बचकर, समुद्र में कूदने का साहस क्रिया था। वे पहले ऐसे भारतीय लेखक थे जिनके अधिकांश ग्रन्थ जब्त किये गए। उनके लेखों को भी खतरनाक एवं विद्रोह की चिनगारी भड़काने वाला बताकर जब्त किया गया।

उनकी इंग्लैण्ड में लिखी कविताओं ओ शहीदों तथा गुरु गोविन्दसिह को न केवल जब्त किया गया अपितु स्काटलैण्ड पुलिस अधिकारी ने अपनी टिप्पणी में कहा था- जिस कागज पर सावरकर लिखते हैं- वह जलकर राख क्यों नहीं हो जाता? सेलुलर जेल में लिखी गई रचनाएँ मराठी भाषा में लिखी गई आत्म कथात्मक कृति माझी जन्मग्रेप (मेरी आजीवन कारावास की सज़ा) जिसमें सावरकर ने अंडमान की सेलुलर जेल में बिताए गए समय जेल में हुई क्रूर यातनाओं, कैदियों की हालत, अंग्रेजों की नीतियों और राजनीतिक बंदियों के मानसिक संघर्ष को अत्यंत भावुकता और यथार्थ के साथ का विस्तार से वर्णन किया। वीर सावरकर एक ऐसे स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी और विचारक थे, जिन्होंने राष्ट्रहित के लिए अनेकों क्रांतिकारियों को प्रेरित किया। उनके विचार आज भी युवाओं को राष्ट्रिहत सर्वोपरि के मंत्र का पालन करना सिखाते हैं। सावरकर की हिंदुत्व की अवधारणा ने हिंदू राष्ट्रवाद को एक नई दिशा दी और इसे एक महत्वपूर्ण राजनीतिक विचारधारा के रूप में स्थापित किया। बहुत कम लोगों को पता है कि समाज सुधारक रूप में सावरकर ने छुआछूत के खिलाफ अभियान चलाया। उन्होंने मंदिरों में हरिजनों के प्रवेश को समर्थन दिया और जातिवाद के विरोध में सामूहिक भोज आयोजित किए। सावरकर ने कहा था:-धर्म को विज्ञान की कसौटी पर कसना चाहिए। अंधविश्वास राष्ट्र का सबसे बड़ा शत्रु है। वीर सावरकर को उनके जीवन काल में और उनके निधन के बाद भी कई सम्मान और पुरस्कार मिले। वीर सावरकर को एक महान क्रांतिकारी और विचारक के रूप में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। 2003 में, भारतीय संसद में वीर सावरकर के चित्र का अनावरण किया गया। भारत सरकार ने 1970 और 2008 में वीर सावरकर के सम्मान में डाक टिकट जारी किए। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में वीर सावरकर के सम्मान में एक स्मारक बनाया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय में वीर सावरकर कॉलेज का काम चल रहा है। देश वीर सावरकर को एक महापुरुष के रूप में देखता है और उनके नाम पर विभिन्न कार्यक्रम और सम्मान आयोजित किये जाते है। वीर सावरकर के जीवन और कार्यों पर आधारित विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं ताकि उनकी विरासत और योगदान को युवाओं तक पहुंचाया जा सके। राजस्थान में मेरे शिक्षा मंत्री रहते हुए स्कूल पाठ्यक्रम में वीर सावरकर को शामिल करने का निर्णय लिया गया था। जिसका उद्देश्य छात्रों को वीर सावरकर के आदर्शों और जीवन मूल्यों और स्वतन्त्रता संग्राम में उनके योगदान से परिचित कराना तथा इतिहास के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानने का अवसर प्रदान करना था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीर सावरकर पर विचारों को लेकर कई बयान और लेख प्रकाशित हुए है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वीर सावरकर का जीवन देश के लिए समर्पित था और उनकी राष्ट्रभक्ति आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा कि सावरकर जी के जीवन का हर क्षण राष्ट्र के लिए समर्पित रहा और देश को स्वतंत्र कराने की उनकी अटल आकांक्षा को कालापानी की यातनाएं भी डिगा नहीं पाईं।

वीर सावरकर का जीवन अनेक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक घटनाओं से भरा हुआ है। सावरकर जी के जीवन के कई अनछुए प्रसंग है जो हमें उनके व्यापक और गहरे व्यक्तित्व को समझने में मदद करते हैं। वीर सावरकर साहस, वीरता और देशभक्ति के पर्याय है। सावरकर जी का स्मरण करते ही एक अनुपम त्याग, अदम्य साहस, महान वीरता एवं उत्कृष्ट देश भक्ति से ओतप्रोत इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ हमारे सामने साकार होकर खुल पड़ते हैं।

-वासुदेव देवनानी,
राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष।

स्वस्थ आंत के लिए सुबह के पोषण से अपने पाचन तंत्र को बेहतर बनायें

डॉ. श्याम रामकृष्णन

आपकी सुबह की आदतें आपके लिए दिन भर की ऊर्जा और मानसिक स्थिति को निर्धारित करती हैं। आंत के स्वास्थ्य के लिए, खासतौर पर दिन का पहला भोजन बेहद महत्वपूर्ण होता है। संतुलित नाश्ता, जिसमें प्रोटीन, प्रोबायोटिक्स और फाइबर शामिल हों, न सिर्फ पाचन प्रक्रिया और चयापचय को प्रारंभ करता है, बल्कि शरीर के अंदरूनी वातावरण को पूरे दिन भर आंत के लिए अनुकूल बनाए रखता है।

प्रोटीन समग्र आंत-स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य हैं। यह आंत के ऊतकों को बनाए रखने और मरम्मत में मदद करती हैं, अच्छे बैक्टीरिया को पोषण देता है और आंत की दीवार को मजबूत करती हैं। अपने नाश्ते में दही, किण्वित सब्जियाँ या पारंपरिक भारतीय किण्वित व्यंजन के रूप में कुछ प्रोबायोटिक्स शामिल करें। ये मित्र बैक्टीरिया की आपूर्ति करते हैं, जो आंत में स्वस्थ बैक्टीरिया के कॉलोनाइजेशन को बढ़ावा देते हैं। हर सुबह इन आंत अनुकूल बैक्टीरिया को अपने आहार में शामिल करना पाचन स्वास्थ्य में सुधार ला सकता है। फाइबर स्वास्थ्यवर्धक पाचन तंत्र के लिए आवश्यक है। यह प्रीबायोटिक का कार्य करता है, जो आंत में अच्छे बैक्टीरिया के लिए पोषण का स्त्रोत होता है। फाइबर युक्त नाश्ता न सिर्फ आंत की कार्यक्षमता सुधारता है, बल्कि सुबह के घंटो के दौरान भूख नियंत्रण और ऊर्जा स्तर बनाए रखने में भी सहायक होता है। सुबह की दिनचर्या में जल का सेवन बेहद महत्वपूर्ण है। पानी में नींबू का रस मिलाना इसकी डिटॉक्सिंग क्षमता को और बढ़ाता है, जिससे आंत की सफाई होती है और दिनभर के लिए पाचन तंत्र तैयार हो जाता है। अब हम कह सकते हैं कि, आंत का स्वस्थ रहना सिर्फ इस पर निर्भर नहीं करता कि आप क्या खाते हैं, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि आप कैसे खाते हैं। इसलिए नाश्ते के लिए समय निकालें, और बिना किसी व्यवधान के धीरे-धीरे खाएँ। जब आप हर सुबह प्रोटीन, प्रोबायोटिक्स, फाइबर और हाइड्रेटिंग पेय पदार्थों से अपने शरीर को पोषण देते हैं, तो आप अपनी आंत को ऐसे आवश्यक उपकरण प्रदान करते हैं, जिससे वह अपने सर्वोत्तम स्तर पर कार्य कर सके। इन सरल लेकिन प्रभावशाली आदतों से न सिर्फ आंत के स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि इनके असर से दिन भर आपकी मनोदशा (मूड) ठीक रहती है। निरंतरता के साथ इन आदतों को अपनाना सिर्फ आंत को स्वस्थ नहीं करता, बल्कि समग्र स्वास्थ्य को भी मजबूत बनाता है। आंत का स्वास्थ्य और समग्र स्वास्थ्य इतने गहराई से जुड़े हुए हैं कि इन आदतों का प्रभाव प्रतिरक्षा (इम्युनिटी) से लेकर, मानसिक स्पष्टता पर भी पड़ता है। इन्हें अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप सिर्फ आंत को ही पोषण नहीं देते हैं, बल्कि स्वयं को खुशहाल और स्वस्थ बनाकर अपने जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में निवेश भी करते हैं। इन्हें अपनाएँ और स्वयं अनुभव करें कि कैसे ये प्रतिदिन आपके शरीर और मन का कायाकल्प कर सकती हैं।

–डॉ. श्याम रामकृष्णन,
निदेशक, अनुसंधान एवं विकास, भारत और दक्षिण पूर्व एशिया बाजार, एमवे के

राशिफल

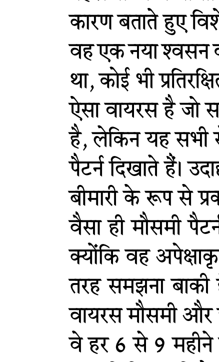

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 28 मई, 2025

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 12:29 तक, धृति योग सायं 7:08 तक, बालव करण दिन 3:29 तक, चन्द्रमा दिन 1:37 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 12:24 तक है। राज रात्रि 12:29 तक है। आज चन्द्र दर्शन, दक्षिण श्रृंगोन्नति है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ अमृत सूर्योदय से 9:01 तक, शुभ 10:42 से 12:24 तक, चर 3:47 से 5:28 तक, लाभ 5:28 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:10

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मिथुन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च होगा। पारिवारिक/व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या
व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

धनु
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण व्यावसायिक वार्ता संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों से सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

आदर्श विद्या मंदिर ने फिर लहराया परचम

ब्यावर (निसं)आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय और आदर्श विद्या मंदिर बालिका माध्यमिक विद्यालय ब्यावर का परीक्षा परिणाम श्रेष्ठ रहा। आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक ब्यावर का कक्षा अष्टमी का परीक्षा परिणाम संपूर्ण ब्यावर जिले में अव्वल रहा ।प्रधानाचार्य नवीन कुमार सैनी ने अपने संबोधन बताया कि विद्यालय की परंपरा निरंतर प्रगति की और अठासर है ।विद्यालय के अधिकतर भैया/ बहनों ने कक्षा- 8 में ए ठोड प्राप्त कर श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया है।कुल- 135 भैया/ बहिन कक्षा- 8 की बोर्ड परीक्षा में प्रविष्ट हुए और विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है।48 विद्यार्थियों ने सभी विषय में ए ठोड प्राप्त कर विद्यालय की गौरवमयी परंपरा को आगे बढ़ाया है साथ ही अपने अभिभावकों एवं ब्यावर जिले का मान बढ़ाया है। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के अनुशासन तथा उत्कृष्ट शिक्षण व्यवस्था को दिया है। इस अवसर पर हेमेंद्र दगदी(सचिव,विद्यालय प्रबंध समिति) राजेश मोयल, नवीन कुमार सैनी, कविता शर्मा ने श्रेष्ठ अंक स्थान प्राप्त करने वाले सभी भैया/ बहनों को माला पहनकर मुंह मीठा करवा कर स्वागत किया और सभी भैया /बहिन को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की ।इस अवसर पर विनोद जांगिड़, संजय सांगेला , रेखा टांक ,ममता शर्मा,राधाकिशनमिश्रा, अर्जुन सिंह ,तमन्ना सेन, मंजू रावत,कांता चौहान, रिकां चौहान, संजू गहलोत शैतान सिंह,मंजू भदोरिया तथा बड़ी संख्या में अभिभावक गण उपस्थित रहे।

नेहरू की पुण्य तिथि मनाई

ब्यावर (निसं) ब्लॉक कांठोस कमेटी द्वारा नेहरू गार्डन नगर परिषद में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्व श्री जवाहर लाल नेहरू जी की 60वीं पुण्यतिथि मनाई गई। पार्टी प्रवक्ता राजेन्द्र तुनगरिया ने बताया की नेहरू जी की प्रतिमा पर ब्लॉक कांठोस कमेटी के अध्यक्ष अशोक रांका ने माला पहनाकर नमन किया और चाचा नेहरू अमर रहे के नारे लगाते हुए याद किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का प्रण लिया। इस मौके पर कांठोस विधानसभा प्रत्याक्षी मनोज चौहान,प्रदेश नेत्री कल्पना भटनागर,सेवादल ब्यावर अध्यक्ष अरविंद माथुर ने चाचा नेहरू की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए संबोधित किया कार्यक्रम में नि0 पार्षद राजेश शर्मा,राजेन्द्र तुनगरिया,घनश्याम फुलवारी,अजय स्वामी,भरत बंदीवाल,बाबूलाल पंवार,नारायण मेहडा,हनुमान चौधरी,श्याम सुंदर शर्मा,शैलेश शर्मा, जिलाध्यक्ष राम यादव,ब्यावर अध्यक्ष मुकेश लखन,अध्यक्ष राजेश जादम,बालूराम सेन,रामलाल लखन,रामस्वरूप डागर,अशोक मूंदड़ा,धर्मेंद्र बारिया,मदन मोहन त्रिपाठी,अनिल प्रजापत,हिमांशु शर्मा,नाथूलाल छत्रावत,गोरधन सांखला,विनीत शर्मा,जगदीश प्रसाद शर्मा,सुरेंद्र सेन,चेतन भट्ट,चंद्रप्रकाश साहू,रामनिवास गहलोत,जितेंद्र नाथ,मोहन काठात,घनश्याम बारोलिया,सोनू चौहान,कमलेश बोहरा,बृजराज डुलग़च,नारायण अटवाल,मनोज खूबचंदानी,सुरेश साहू,भरत भाटी आदि कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सम्मान समारोह 7 जून को

अजमेर, (ब्यूरो): स्वामी हिरदाराम के प्रेरणा से सांई बाबा मन्दिर ट्रस्ट, शान्तात्मा व्यास एवं मेघीतुलसी किशनानी स्मृति संस्थान अजमेर व स्वामी समूह के संयुक्त तत्वाधान 20 वर्षों से आयोजित 37वां प्रतिभावान सम्मान समारोह में राजस्थान बोर्ड और सीबीएसई परीक्षा 12वीं में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। संयोजक कंवल प्रकाश ने बताया कि 12वीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को 7 जून को रसोई बैंक्वेट हॉल स्वामी कॉम्प्लेक्स अजमेर पर आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। विद्यार्थियों में टॉप टेन आने वाले छात्र-छात्राओं को अभिनन्दन पत्र, स्मृति चिन्ह, ज्ञाववर्धक पुस्तकें व 80 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया जाएगा। हरी चंदनानी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन विद्यार्थियों ने 12वीं सीबीएसई व राजस्थान बोर्ड में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए है वे सर्व समाज वर्ग के विद्यार्थी अपनी मार्कशीट की फोटो कॉपी के साथ सादे कागज पर हिन्दी में अपना नाम, पता, स्कूल का नाम और मोबाईल नम्बर लिखकर स्वामी कॉम्पलेक्स की तीसरी मंजिल रसोई रेस्टोरेंट के काउण्टर पर 4 जून से पूर्व तक जमा करा सकते है।

6 मंडल अध्यक्षों की घोषणा

ब्यावर (निसं) अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने संगठन को विस्तार देने ओर मजबूत बनाने के लिए निर्णय लेते हुए कुल 11 मंडलों के लिए नए मंडल अध्यक्ष नियुक्त किए गए। नियुक्त मंडल अध्यक्षों में ज्योतिबा फुले मंडल - राम यादव, श्री बालाजी मंडल - हिमांशु शर्मा, शहीद भगत सिंह मंडल-पृथ्वीराज गहलोत, बाबा रामदेव मंडल-महेन्द्र सामरिया, श्री परशुराम मंडल, चन्द्रशेखर शर्मा, रूपनगर सिकन्द्रा, गणेशपुरा हरिराम मेघवाल,भालिया टिकेन्द्र सिंह रावत, राजियावास दिनेश सिंह रावत, जवाजा पूरनमल शर्मा, देलवाड़ा हुसैन मोहम्मद, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक रांका व अन्य पदाधिकारियों ने नवनियुक्त कांग्रेस पार्टी के संगठनों पर राजीव गांधी पंचायती राज संगठन जिलाध्यक्ष पर राम यादव, ब्यावर शहर ब्लॉक अध्यक्ष पर एडवोकेट मुकेश लखन एवं कामगार कर्मचारी कांठोस के ब्यावर अध्यक्ष पर राजेश जादम की नियुक्ति पर उनको माला पहनकर स्वागत कर उन्हें बधाई दी इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के कई पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने इस पर हर्ष जताया है।

समझाइश के बाद समस्या का हुआ समाधान

आसीन्द । आसींद कस्बे के ब्राह्मणों के मोहल्ले में पिछले काफी समय से गंदे पानी की निकासी नहीं होने से परेशान वार्डवासियों का गुस्सा आज फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने नगरपालिका पहुंचकर जमकर नारेबाजी की और पालिका कार्यालय पर तालाबंदी कर अपना विरोध प्रदर्शन जताया। विरोध प्रदर्शन की सूचना मिलते ही आसींद थानाधिकारी हंसपाल सिंह मौके पर पहुंचे और वार्डवासियों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, कस्बेवासी गंदे पानी की निकासी की अपनी मांग पर अड़े रहे और किसी भी तरह की समझाइश मानने को तैयार नहीं थे। उनका कहना था कि कई बार शिकायत करने के बाद भी उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है, जिससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।पालिका अध्यक्ष ने सुनी समस्या, खुलवाया नाला लगभग एक घंटे तक चले हंगामे और नारेबाजी के बाद नगरपालिका अध्यक्ष देवीलाल साहू मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित वार्डवासियों से बातचीत की और उनकी समस्या को गंभीरता से सुना। वार्डवासियों ने उन्हें बताया कि गंदे पानी के जमाव से बीमारियों का खतरा बढ़ गया है और दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोगों की परेशानियों को समझते हुए पालिका अध्यक्ष देवीलाल साहू ने तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उनके हस्तक्षेप के बाद मौके पर ही नाला खुलवाया गया, जिससे गंदे पानी की निकासी शुरू हो सकी। इसके साथ ही, पालिका कार्यालय पर लगाई गई तालाबंदी भी खुलवाई गई। समस्या के समाधान के बाद वार्डवासियों ने राहत की सांस ली।

समर कैम्प का समापन

ब्यावर (निसं) दयानगर स्थित ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र द्वारा ग्रीष्म कालीन छुट्टियों में 10 से 14 वर्ष के बच्चों के के लिए निःशुल्क साप्ताहिक समर कैम्प का समापन समारोह मनाया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजकीय महाविद्यालय, बिजयनगर के प्राचार्य डॉ नरेश जी वैष्णव थे ।कार्यक्रम की शुरुआत परमात्मा को याद करके की गई । ओम ध्वनि के अभ्यास के साथ बच्चों को प्राणायाम सिखाए गए एवं संगीत पर व्यायाम करवाया गया ,बच्चों ने नृत्य प्रस्तुति दी । बच्चों ने अपने अनुभव भी सांझा किए । चेरिका कुमारी ने बताया कि उन्होंने पिछले 7 दिनों से मोबाइल को बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया । शीतल कुमारी ने बताया कि खाना खाते वक्त उन्होंने मोबाइल एवं टी वी देखना बंद कर दिया है । आरोही ने बताया कि उन्होंने मैडिटेशन सीख लिया है जिससे उन्हें सुखद अनुभव हो रहे है । ज्ञानवी ने कविता के माध्यम से अपने अनुभव बताए । मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ नरेश ने बताया कि बच्चों के अनुभव बताते है कि समर कैम्प का सफलतम संचालन किया है इसके लिए उन्होंने सभी को बधाई दी । और बच्चों को शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित भी किया ।सेवाकेंद्र संचालिका बी के रेणु दीदी द्वारा बच्चों को सभी सीखी हुई गतिविधियों को आगे भी करने के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम में बच्चों के माता पिता को भी मैडिटेशन सीखने के लिए प्रेरित किया और बच्चों के लिए प्रत्येक रविवार को प्रात 8 बजे एक विशेष सत्र के आयोजन की घोषणा की,उन्होंने मेडिटेशन की गहन अनुभूति करवाई ।

विज्ञान नगर में सीवर और गैस लाइन के काम ने बिगाड़े हालात

- खुदी सडक़ों से बढ़ा हादसों का खतरा
- कछुआ चाल से चल रहे कार्य से जनता बेहाल
- निगम प्रशासन बना मूक दर्शक

अजमेर । विज्ञान नगर की गली नंबर एक और दो के निवासी इन दिनों दोहरी परेशानी से जूझ रहे हैं। क्षेत्र में सीवर लाइन और गैस पाइपलाइन डालने का कार्य बीते कई दिनों से जारी है, लेकिन इसकी धीमी रफ्तार और अनियोजित तरीके से किए जा रहे काम ने स्थानीय लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। गली के दोनों ओर सडक़ें खुदी पड़ी हैं, जिससे न केवल पैदल चलना मुश्किल हो गया है, बल्कि वाहन चालकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि मकानों के बाहर गहरे गड्ढे और अधूरे कार्य की वजह से उन्हें अपने ही घरों से निकलने में परेशानी हो रही है। मानसून की दस्तक ने बढ़ाई चिंता : स्थानीय निवासी कुलदीप सिंह सहित कॉलोनी वासियों ने बताया कि एक ओर मानसून सक्रिय हो गया है, जिससे कभी भी बारिश शुरू हो सकती है और दूसरी ओर कार्य की रफ्तार बेहद धीमी है। यदि समय रहते काम पूरा नहीं हुआ तो बरसात में यह गड्ढे जलजमाव और हादसों का बड़ा कारण बन सकते हैं। पानी की निकासी नहीं होने से घरों के बाहर गंदा पानी जमा हो गया है। उन्होंने बताया कि बरसात के दिनों में हालात और खराब हो जाएंगे। स्थानीय निवासियों ने बताया कि खुदी सडक़ों की वजह से बच्चे, बुजुर्ग और बाइक सवार अक्सर फिसलते या गड्ढों में गिर जाते हैं। आए दिन कोई न कोई व्यक्ति चोटिल हो रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठा है। विज्ञान नगर की गली से होकर विज्ञान नगर की गली नंबर 2, 3 व 4 सहित पंचवटी कॉलोनी और सेठी कॉलोनी की ओर जाने वाला रास्ता गुजरता है। ऐसे में न केवल स्थानीय निवासी, बल्कि अन्य कॉलोनियों के लोग भी इस असुविधा का सामना कर रहे हैं। रास्ता बंद होने से लोगों को घुम कर जाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार निगम प्रशासन और ठेकेदार को स्थिति से अवगत कराया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

शिविर में 251 यूनिट रक्त संग्रह

मदनगंज-किशनगढ,(निस)। माहेश्वरी पंचायत संस्था के तत्वाधान में महेश नवमी महोत्सव के अंतर्गत माहेश्वरी पंचायत भवन में आयोजित शिविर 251 यूनिट रक्तदान किया। केंद्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी, विधायक डॉ विकास चौधरी ने शिविर का अवलोकन कर रक्तदाताओ का हौसला बढ़ाया। अध्यक्ष रामनारायण झंवर, मंत्री किशन बंग, उप मंत्री अजय काबरा, कोषाध्यक्ष सर्वेश्वर राठी, संयोजक विजय सारडा, सह संयोजक भगवान बाहेती, भवन प्रभारी अक्षय तापड़िया, राजकुमार कासट, ओम तोषनीवाल, मुकुटबिहारी मालपाणी, प्रभारी अमित सोमानी, प्रवक्ता प्रभारी अनिल लढ़ा, प्रकाश राठी, जुगल जैथलिया, देवकिंनन्दन लखोटिया, दिनेश दरक, नवयुवक मंडल अध्यक्ष दीपक मंत्री, तरुण मंडल अध्यक्ष विवेक ईनाणी सहित कई समाज बंधु उपस्थित रहे।

शिविर का समापन

अजमेर (कासं)। जैन धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन समारोह किड्स वर्ल्ड प्री स्कूल, प्रगतिनगर, कोटड़ा में मुख्य अतिथि धर्मेंद्र गहलोत, पूर्व महापौर, अजमेर नगर निगम, विशेष अतिथि सुरेश कासलीवाल, दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश जैन पाटनी स्थानीय इकाई के जिला अध्यक्ष अरुण सेठी, महासमिति महिला अध्यक्ष रूपश्री जैन आदि रहे।

समाज से सुनीता गंगवाल, महेंद्र काला, सुरेश गंगवाल, मनीष सेठी, अशोक पहाड़िया, प्रकाश गंगवाल, मनोज मोड़ासिया, अजय दोसी, टिकम पाटनी,स्नेहलता कासलीवाल, नमिता सेठी, रुचिरा दोसी, सुनीता बाकलीवाल, श्वेता जैन, सुनीता अजमेरा, सीमाजी रिच लुक, नीलू सोनी आदि उपस्थित रहे । एवं पाठशाला में गहन दोसी, आर्यमन, अथर्व, कियांस, श्रेयांश, लक्षित, धृति, लोवीश, लोवीशी, दित्या, निहित, प्रमाश, आर्या जैन ने जैन धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर में भाग लिया।

आज आचार्यश्री ज्ञान सागरजी महाराज जी के समाधी दिवस पर प्रकाश पाटनी, एवं अन्य सदस्यों ने गुनानुवाद किया। विदुषी मीना दोसी ने 18 मई से 27 मई तक बच्चों को जैन धर्म के सिद्धांतो को बहुत ही स्पष्ट और आकर्षक तरीके से मन्दिरजी में प्रैक्टिकल रूप से बताकर समझाया। प्रतिदिन बच्चों को अल्पाहार किड्स वर्ल्ड प्री स्कूल की ओर से दिया गया।

पं. नेहरू को याद कर पुष्पांजलि अर्पित की

अजमेर । आधुनिक भारत के निर्माता, देश के प्रथम प्रधानमंत्री, भारत रत्न पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि मंगलवार को कांग्रेसियों ने सद्भावना दिवस के रूप में मनाई। इस अवसर पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय जैन के नेतृत्व में जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज स्थित नेहरू सर्किल पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता के साथ उत्तर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष विजय जैन ने कहा कि पंडित नेहरू ने भारत की आजादी के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने जीवन के 13 साल से अधिक समय जेल में बिताए और स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। जब देश आत्मनिर्भरता के शुरुआती दौर में थाए तब उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान और औद्योगिक विकास जैसे क्षेत्रों में ठोस आधार रखा। कांग्रेसी नेता रलावता ने कहा कि करोड़ों युवाओं का भविष्य बनाने वाले आईआईटी, आईआईएम एआईआईएमएस, पीजीआई, इसरो भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, भेल जैसे संस्थान, लाखों हैक्टेयर भूमि की सिंचाई एवं करोड़ों लोगों को पेयजल देने वाली भाखड़ा नांगल, नागार्जुन सागर, हीराकुंड बांध जैसी सिंचाई परियोजना शुरू करने वाले, दुनिया में नए आजाद हुए देश भारत की धाक जमाने वाले, आधुनिक भारत के निर्माता, देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए गर्व होता है। इस अवसर पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान महासचिव शिव कुमार बंसल पार्षद गजेंद्र सिंह रलावता राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के जिला अध्यक्ष राजकुमार गर्ग दीनदयाल पवार अकरम कुरैशी कुश महेंद्र सिंह रलावता सहित बडी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित थे।

बंद ऑक्सीजन प्लांट शुरू करने की कवायद

अजमेर । प्रदेश में बढ़ते कोरोना संक्रमण के चलते अजमेर जिले में भी एक बार फिर कोरोना ने पांवर पसराना शुरू किया है, जिसके मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग ने जिले में सतर्कता बढ़ा दी है। जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और अस्पताल प्रशासन ने संक्रमण की संभावित स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां में जुट गया है। मंगलवार को अस्पताल परिसर में क्वारंटीन वार्ड, कोविड ओपीडी और आईसीयू बेड को फिर से सक्रिय कर दिया गया है, जबकि बंद पड़े ऑक्सीजन जनरेशन प्लांटों को चालू करने का काम भी शुरू कर दिया है।जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया, अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे और उपाधीक्षक डॉ. अमित यादव ने मंगलवार को कोरोना के बढ़ते संग्रमण के मद्देनजर अस्पताल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। प्राचार्य डॉ. सामरिया ने बताया कि अभी अस्पताल में कोई कोरोना पॉजिटिव मरीज भर्ती नहीं है, लेकिन भविष्य की स्थिति को देखते हुए सभी इंतजाम किए जा रहे है, उन्होंने कहा कि ट्रोमा वार्ड में क्वारंटीन सेंटर और कोविड ओपीडी पूरी तरह से फंक्शनल है। आठ ऑक्सीजन प्लांट में चार बंद व चार चालू- अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने बताया कि जेएलएन अस्पताल में कुल 8 ऑक्सीजन प्लांट हैं, जिनमें से चार फिलहाल बंद हैं। इनकी मरम्मत और संचालन का कार्य शुरू कर दिया गया है ताकि आपातकालीन स्थिति में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित न हो। साथ ही सभी चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को कोविड प्रोटोकॉल की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि जेएलएन अस्पताल में 1468 बेड, सैटेलाइट अस्पताल में 160 बेड, जनाना अस्पताल में 320 बेड, पंचशील व चंद्रवरदाई सीएचसी में 30-30 बेड उपलब्ध हैं।

ओम बिड़ला का किया अभिनंदन

मेड़ता सिटी,27 मई (निसं)। मेड़ता निवासी पूर्व पालिका अध्यक्ष अनिल थानवी ने नई दिल्ली में भारत के लोकसभा के स्पीकर माननीय ओम बिरला से मुलाकात कर उनका स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया । मेड़ता के ऐतिहासिक मीरा मंदिर एवं भगवान चारभुजा नाथ मंदिर का प्रसाद चारभुजा मंदिर का पवित्रा वह मीरा का स्मृति चिन्ह देखकर अभिनंदन किया गया मेड़ता सिटी के पूर्व पालिका अध्यक्ष अनिल थानवी ने बताया कि माननीय लोकसभा स्पीकर का अभिनंदन जोधपुर नगर निगम के पूर्व पार्षद विश्वजीत जोशी जोधपुर के चार्टर्ड अकाउंटेंट दीपक जोशी के द्वारा माननीय ओम जी बिरला का माल साफा दुपट्टा मीरा का स्मृति दिन देखकर अभिनंदन किया गया। थानवी ने बताया कि ओम बिरला को ऐतिहासिक मीरा मंदिर को भारत सरकार की योजना कृष्णा सर्किट में मेड़ता को भी जोड़ा जावे ताकि विश्व विख्यात मीराबाई के मंदिर का विकास हो सके थानवी ने बताया कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की धर्मपत्नी 2014 में मेड़ता में मुरारी बापू की कथा अपने परिवार सहित मेड़ता सिटी में 7 दिन का प्रवास था ऐतिहासिक मीरा मंदिर के दर्शन के साथ-साथ मीरा के प्रति उनकी आस्था अटूट थी। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की धर्मपत्नी डॉक्टर अमिता बिरला को पूर्व पालिका अध्यक्ष अनिल थानवी ने निवेदन किया कि हरिद्वार में मीरा के नाम से एक घाट का निर्माण हो ।

सामूहिक विवाह सम्मेलन आज, 46 जोड़े बनेंगे

- विवाह सम्मेलन में आने वाले दूल्हा दुल्हन की तहसील कार्यालय से बिन्दौली की शुरुआत होगी जो आसींद शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए विवाह स्थल पहुंचेगी।

आसींद, । श्री शिवशक्ति सेवा समिति खटीक समाज आसींद के तत्वाधान आयोजित द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया । विवाह सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं दिनभर पांडाल में डटे रहे । मंगलवार को मंत्रोच्चार के साथ गणपति स्थापना के बाद बड़ा विनायक स्थापना की गई । आने वाले दूल्हा दुल्हन के लिए तथा बारातियों के ठहरने के लिए मुकुल व्यवस्था की गई । गर्मी से बचने के लिए समिति की ओर से जगह जगह कूलर , ठंडे पानी सहित कई तरह की व्यवस्था पर ध्यान रखा गया । विवाह सम्मेलन में आने वाले दूल्हा दुल्हन की तहसील कार्यालय से बिन्दौली की शुरुआत होगी जो आसींद शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए विवाह स्थल पहुंचेगी । सम्मेलन में शोभायात्रा के साथ ऊंट की सवारी , घोड़े की सवारी तथा रथ के साथ शोभायात्रा निकलेगी जो सम्मेलन का आकर्षण का केंद्र रहेगा । इसके बाद तुलसी विवाह के साथ पाणिठाहण संस्कार की विधि विधान के साथ तथा मंत्रोच्चार के साथ 7 फेरों की परंपरा पूरी की जाएगी इसके लिए दूल्हा दुल्हन के लिए अलग अलग हवन कुंड बनाए गए । पाणिठाहण संस्कार के बाद आशीर्वाद समारोह होगा बाद में बारात का विदाई समारोह आयोजित होगा ।

ये रहेंगे मौजूद - समिति के अध्यक्ष छगन लाल सोलंकी ने बताया कि सम्मेलन में मुख्य सानिध्य महंत 1008 सुरेश दास जी महाराज, 1008 महेन्द्रपुरी जी महाराज आस पहाड़ दरबार, हेमराज जी पोसवाल पुजारी मालासेरी डूंगरी का मिलेगा, मुख्यअतिथि जोराराम कुमावत डेयरी व पशुपालन मंत्री, डॉ मनोज कुमार राजोरिया पूर्व सांसद धौलपुर करौली, सांसद दामोदर अठावाल, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, जब्बरसिंह सांखला विधायक आसींद, बंशीलाल खटीक पूर्व विधायक राजसमंद, विट्ठल शंकर अवस्थी पूर्व विधायक, उदय लाल भडाना विधायक, रामलाल गुर्जर पूर्व विधायक, देवीलाल साहू चेयरमैन आसींद, बाबूलाल नागर पूर्व मंत्री, धीरज गुर्जर पूर्व मंत्री, रामलाल जाट पूर्व मंत्री, अक्षय त्रिपाठी जिला अध्यक्ष कांठोस, हंगामीलाल मेवाड़ा पूर्व विधायक, लक्ष्मीलाल गुर्जर अध्यक्ष सवाईभोज ट्रस्ट व पूर्व विधायक सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल होंगे ।

बकाया राशि के भुगतान की मांग

अजमेर । अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के राशि के 300 करोड़, प्रदेश श्वेत क्रांति में 2500 रिक्त पदों में भर्ती तथा मिड डे मील योजना के 350 करोड़ रुपए बकाया राशि का भुगतान करने की मांग को लेकर मंगलवार को डेयरी व पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा।

मांग नहीं माने जाने पर 2 जून को जयपुर में धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी। डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने मंगलवार को डेयरी व पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत से उनके निवास पर शिष्टाचार मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा है। मांग पत्र में बताया कि मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के राशि के 300 करोड़, प्रदेश श्वेत क्रांति में 2500 रिक्त पदो में भर्ती करने एवं मिड डे मील योजना के लगभग 350 करोड़ रुपए बकाया राशि का भुगतान कराया जाए।

चौधरी की मांग पर मंत्री जोराराम ने तत्काल अखिल अरोड़ा एसीएस वित्त, मिड डे मील प्रभारी भार्गव तथा आरसीडीएफ जयपुर के अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर दुग्ध उत्पादकों के प्रतिनिधि दल को आश्वासन दिया की सरकार द्वारा उपरोक्त सभी बकाया राशि का भुगतान शीघ्र कराया जाएगा। वहीं चौधरी ने चेताया कि यदि उनकी मांगों का शीघ्र निस्तारण नहीं किया गया तो शहीद स्मारक जयपुर में प्रदेश के दुग्ध उत्पादको द्वारा धरना दिया जाएगा।

प्राचार्य का स्वागत

राजसमंद । राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा राजसमंद के प्रतिनिधि मंडल ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान नाथद्वारा के प्राचार्य मुकेश राही के पदस्थापन होने पर उपशाखा अध्यक्ष रामेश्वरलाल गुर्जर, पूर्व जिला अध्यक्ष नारायणसिंह चुंडावत, यशवंत जोशी, जिला कोषाध्यक्ष उदयलाल पालीवालए, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष ईश्वरसिंह कुंपावत, भगवतीलाल पालीवाल, मधु पालीवाल, महिमा, जयेश, हेमलता, रमेश सालवी आदि।

आम सूचना हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती हर्षिता सेन पुत्री स्व. विनोद कुमार जो कि भूखण्ड सं. 250-A/33, स्थित कृष्णा चौक, चुना भट्टा, टोपदड़ा, जिला अजमेर, राजस्थान- क्षेत्रफल 144 वर्ग गज श्री रामदयाल पुत्र गंगा द्वारा श्री कालूराम पुत्र खुबीराम के पक्ष में विक्रय विलेख दिनांक 19.01.1959 को निष्पादित किया गया, जो कि दिनांक 29.04.1959 को उप-पंजीयक, अजमेर के समक्ष, पुस्तिका सं. 01, खंड सं. 358, पृष्ठ सं. 230, क्रमांक 349-352 में पंजीकृत हुआ था। उक्त विक्रय विलेख से कुल 288 वर्गगज भूमि स्थानांतरित हुई थी इसके उपरांत, श्री कालूराम का देहावसान दिनांक 19.12.1966 को तथा उनके पुत्र श्री नानक राम का देहावसान दिनांक 25.05.2001 को हुआ पश्चात्, श्री अशोक कुमार पुत्र नानक राम एवं श्री विनोद कुमार पुत्र नानक राम के मध्य एक बटवारा विलेख दिनांक 29.01.2010 को निष्पादित हुआ, जो कि उप-पंजीयक, अजमेर-प्रथम के समक्ष, पुस्तिका सं. 01, खंड सं. 1692, पृष्ठ सं. 171, क्रमांक 2010000376 पर दिनांक 29.01.2010 को पंजीकृत हुआ। उक्त बटवारा विलेख में संलग्न स्थल मानचित्रानुसार कुल भूमि 288 वर्गगज थी। बाद में, श्री विनोद कुमार सेन पुत्र नानक राम का निधन हो गया। तत्पश्चात्, श्रीमती संगीता पत्नी स्व. विनोद कुमार, कुमारी तनिष्का सेन पुत्री स्व. विनोद कुमार एवं श्री अमन सेन पुत्र स्व. विनोद कुमार द्वारा, अपनी हिस्सेदारी श्रीमती हर्षिता सेन पुत्री स्व. विनोद कुमार के पक्ष में एक हक त्याग पत्र दिनांक 02.05.2025 को निष्पादित किया गया, जो कि उप-पंजीयक, अजमेर-प्रथम के समक्ष, पुस्तिका सं. 01, खंड सं. 2294, पृष्ठ सं. 197, क्रमांक 202503001103209 पर दिनांक 05.05.2025 को पंजीकृत हुआ। तथा Cholamandalam Investment Finance Company Limited (CIFCL), से ऋण प्राप्त कर रहे है। यदि उक्त सम्पत्ति, बेचान बाबत किसी भी व्यक्ति, बैंक व वित्तीय संस्था को कोई भी आपत्ति हो तो 07 दिन के अन्दर-अन्दर मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता से नीचे लिखे पते पर संपर्क करें अन्यथा बाद गुजरने याद कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी व सो सूचित रहे।

मुकुंद पंचारिया (एडवोकेट)
दिनांक : 27.05.2025 मो. 9829290229

LSG/BEAWAR/MUT/2025-26/131701
DATE :- 21.05.2025 रजि. बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26 /2711 दिनांक 26-05-25

सार्वजनिक सूचना

श्री विरेन्द्र सिंह यादव पुत्र श्री महेन्द्र सिंह यादव निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 1 आर्दश नगर वूल प्रेस कॉलोनी मकान नं. 107 व 108 का पश्चिमी भाग क्षेत्रफल 200.00 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्रीमती प्रेमलता पत्नी श्री भंवरलाल के नाम दर्ज है। तत्पश्चात रजि बेचान-नामा दिनांक 30.03.2025 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नहीं होगी।

आयुक्त
नगर परिषद ब्यावर

गुरुकुल का अवलोकन

राजसमंद, । जिले में चारभुजा के कसार पहाडियों के बीच बसा छोटा सा गांव जहां पर सनातन वैदिक शिक्षण संस्थान द्वारा चलाए जा रहे गुरुकुल में ब्राह्मण बटुक वैदिक ज्ञान संस्कार सीख रहे हैं। वहीं मंगलवार प्रात: कालीन वेला में जिला न्यायाधीश राघवेंद्र काछवाल सहित अन्य अतिथियों ने वैदिक ज्ञान संस्कार शिविर का अवलोकन किया। जहां छोटे-छोटे बटुकों द्वारा किए जा रहे संध्या वंदन देखा, जिसे देखकर गदगद हो गए। उन्होंने गुरुकुल आश्रम में सन्यासी की तरह रहकर जो वैदिक ज्ञान अर्जित कर रहे हैं, उनकी सराहना की। न्यायाधीश राघवेंद्र काछवाल ने कहा भारत की पश्चात संस्कृति दिन ब दिन लुप्त होने की कगार पर हैं। वहीं इन संस्थान द्वारा विलुप्त होने जा रही भारतीय संस्कृति को उजागर करने का जो बीडा उठाया तथा यह संस्थान निरंतर 25 वर्षों से गुरुकुल पद्धति द्वारा वैदिक शिविर लगाकर 15 हजार के लगभग ।

'पं. नेहरू ने स्वतंत्र भारत की नींव रखी'

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री आधुनिक भारत की नींव रखने वाले पं जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। नेहरू वाचनालय में आयोज्य श्रद्धांजलि सभा में नेहरू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विधायक विकास चौधरी ने कहा कि नेहरू ने समावेशी व सशक्त भारत का सपना देखा और साकार करने में अपना जीवन समर्पित कर दिय। लोकतंत्र, संविधान, शिक्षा और सामाजिक न्याय जैसे मूलभूत स्तंभों को अपने नेतृत्व से स्थापित किया। युवा पीढ़ी पंडित नेहरू जैसे महान विभूतियों के आदर्शो व सिद्धांतों पर चलते हुए देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का प्रण ले। प्रतिपक्ष नेता हमीदा बानो व ब्लॉक अध्यक्ष मोहित खंडेलवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान नगर अध्यक्ष आजम कुरैशी, पार्षद घनश्याम सिंह सोढा, महेंद्र यादव, धन्नालाल यादव, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राकेश शर्मा, राहुल चोरड़िया,तेजपाल बजाड़, राधेश्याम वैष्णव, सलीम शेख, कानाराम चोटिया, धर्मराज नोगिया, रंजीत चौधरी, मुस्ताक शेख, मदन मेघवाल, राजीव चुंडीवाल, शकील कुरेशी, गणेश गुर्जर सहित कई कांठोस कार्यकर्ताओ ने दो मिनट का मौन रखकर पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि दी।

नाबालिग बालिकाओं और महिलाओं से ब्लैकमैल की घटनाएं चिंताजनक

अजमेर । पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने महिलाओं और बालिकाओं के साथ लगातार हो रहे यौन उत्पीडन का मुद्दा उठाते हुए राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन को जमकर घेरा। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने अजमेर में नाबालिग बालिकाओंए युवतियों एवं महिलाओं को ब्लैक करके उनके साथ हो रहे यौन उत्पीड? के मामलों पर चिंता जाहिर की और राज्य सरकार के महिला सुरक्षा के दावों को आड़े हाथों लिया।

राठौड़ ने मीडिया में बयान जारी करते हुए कहा कि अजमेर में आए दिन अश्लील वीडियो बनाकर नाबालिगए स्कूली छात्राओं और महिलाओं को ब्लैक मेल करने के मामले सामने आ रहे हैए जो स्थानीय पुलिस प्रशासनए जिला प्रशासन और राज्य सरकार की कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा के दावों की पोल खोल रहे है। सरकार को महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को गंभीरता से लेते हुए सख्त कदम उठाए जाने चाहिए है। ताकी महिलाओं और बालिकाओं के बीच भय का माहौल न हो। उन्होंने कहा कि हाल ही अजमेर के गेगल थाना क्षेत्र की नाबालिग छात्रा के साथ स्कूल में पढ? वाले छात्र ने गांव के बाड़े में ही दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने का मामला सामने आया है।

पुष्कर थाने पर दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक एक नाबालिग छात्रा का स्नान करते हुए अश्लील वीडियो बनाया और फिर ब्लैकमेल की शर्मनाक घटना हुई। नसीराबाद पुलिस पुलिस थाना पर दर्ज रिपोर्ट के अनुसार नाबालिग छात्रा से दोस्ती कर अश्लील वीडियो बनाकर दुष्कर्म करने का मामला साने आया। वही पुष्कर के निकट लीला सेवड़ी की रहने वाली नाबालिग ने पुष्कर घाटी स्थित सांझी छत पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस आत्म हत्या को भी प्रेम प्रसंग से जुड़ा माना जा रह है। कुछ माह पहले बिजयनगर में स्कूली बालिकाओं के साथ ब्लैक मेल कांड उजागर हुआ था। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सरकार व प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है, जो हम सब के लिए बेहद चिंताजनक है। राज्य सरकार पीडिताओं को न्याय दिलाने के लिए त्वरित कार्रवाई करे ।

भारत विकास परिषद का महत्वपूर्ण योगदान

बांसवाड़ा । जोधपुर में आयोजित भाविप की क्षेत्रीय कार्यशाला में लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जन्म जयंती के उपलक्ष में क्षेत्रीय महासचिव संदीप बाल्दी ने महारानी प्रोजेक्ट की घोषणा की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सदस्य महिला सहभागिता डॉ आशा मेहता ने अहिल्याबाई के कुशल नेतृत्व एवं आदर्श प्रशासक के रूप में उनका परिचय देते हुए बताया कि उत्तर पश्चिम क्षेत्र की सातो प्रांतों की प्रांतीय संयोजिकाओं ने 125 महिला विकास मित्र और दो महिला विकास रत्न बनाकर कीर्तिमान स्थापित किया। राजस्थान दक्षिण प्रांत की प्रांतीय गतिविधि संयोजिका गायत्री शर्मा के नेतृत्व में 16 महिला विकास मित्र और एक महिला विकास रत्न बनीं। भारत विकास परिषद शाखा से गायत्री शर्मा, अर्चना नानावटी, रेखा कंसारा, कल्पना मेहता एवं नमिता कुलश्रेष्ठ ने 11 हजार की राशि राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित की। शाखा अध्यक्ष हरेश लखानी, शाखा सचिव गोपाल पंड्या, कोषाध्यक्ष पीयूष नीमा एवं शाखा महिला संयोजिका धर्मिष्ठा पंड्या ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मृत्यु दावे की त्वरित स्वीकृति जारी

ब्यावर (निसं)अधीक्षक डाकघर, ब्यावर मण्डल कमलेश प्रजापति द्वारा डाक जीवन बीमा के मृत्यु दावे की त्वरित स्वीकृति जारी करते हुये दावाकर्ता हरि सिंह राठौड को बतौर नोमिनी रु. 5,74,509/- रू. का चैक प्रदान किया गया। बीमाधारक सुमन शेखावत द्वारा 05 लाख रू. की डाक जीवन बीमा पॉलिसी अगस्त 2020 में ली गई थी। जिसका मासिक प्रीमियम मात्र 3375/- रू. था। दुर्भाग्यवश बीमा धारक सुमन शेखावत्त की मृत्यु हो गयी। इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुये हरि सिंह राठौड को सोमवार को रु 5,74,509/- का चैक प्रदान कर पॉलिसी धारक के परिवार को आर्थिक सम्बल प्रदान किया गया। इस प्रकार भारतीय डाक विभाग ने आम जन के सेवार्थ "डाक सेवा जन सेवा के सिद्धांत पर निरन्तर कार्य कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि डाक जीवन बीमा एवं ठाामीण डाक जीवन बीमा भारत सरकार की कम प्रीमियम पर सर्वाधिक बोनस प्रदान करने वाली आकर्षक बीमा योजना है जिसमें जमा राशि पर आयकर में छूट भी प्राप्त होती है। पूर्व में मात्र सरकारी एवं अर्धसरकारी विभागों में कार्यरत कर्मचारियों हेतु।

कार्यालय नगरपालिका मसूदा जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक :न.पा.म./नामा/2025/184-185 **आम सूचना** दिनांक-27/5/2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान व प्लॉट के आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजो में पट्टे, मृत्यु-प्रमाण पत्र, शपथ-पत्र एवं सजरा प्रमाण पत्र के आधार पर अन्तरण हेतु निम्न विरासत पत्रावली प्राप्त हुई है। अगर किसी को आपति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति प्रस्तुत कर सकते हैं, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज्र/आपति मान्य नहीं होगी।

नामान्तरण

फाईल नं.	आवेदक नाम	मूल आवंटी/नामान्तरण	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
LSG/MASUDA/ MUT/2025-26/132/ 225 DATE 26.5.2025	गजेन्द्र ललवाणी व आनन्द ललवाणी पुत्र ज्ञानचन्द ललवाणी	श्रीमति विमला देवी पत्नि ज्ञानचन्द ललवाणी निवासी ललवाणी मोहल्ला मसूदा	ललवाणी मोहल्ला मसूदा	270 वर्गगज	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका मसूदा

पशु आहार संयंत्र-अजमेर

Ref. No. : RCDF/CFP-AJM/2025-26/1533-51 Date :- 23/05/2025

निविदा सूचना

पशु आहार संयंत्र अजमेर पर अनुभवी मौलासिस परिवहनकर्ताओं/फर्मो से ई-निविदा के माध्यम से निम्नलिखित निविदा आमंत्रित की जाती है:-

S. N.	Name of Bid	Tender ID	UBN No.	Bid Value	Bid Publishing Date	Technical Bid Opening Date
01	Rajasthan State Ganganagar Sugar Mill, Kaminpura, Sri Ganganagar to Cattle Feed Plant, Ajmer (Rajasthan)	2025_RCDF_ 471123_1	CDF2526 SLLB00257	60.00 Lakhs	21.05.2025	12.06.2025

निविदा डाउनलोड एवं अपलोड किये जाने व प्राप्ति करने की तारीख, निविदा शर्तें आदि का सम्पूर्ण विवरण विभाग की वेबसाईट www.sarasmilkfed.rajasthan.gov.in SPP Portal एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर अथवा संयंत्र कार्यालय में देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/3091 प्रबन्धक

जीवन में भरे रस-हमारा प्यारा

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राज.

क्रमांक-न.प.कि / कृषि भूमि नियमन /2025/537 दिनांक- 8/5/2025

आपत्ति विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि भूमियों पर बसी कॉलोनियों में निम्न भूखण्डधारियों द्वारा आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु पट्टा चाहने वास्ते आवेदन पेश किया है, इस संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपतियां/कारण/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें, अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नहीं होगी एवं आवेदक के पक्ष में भूमि आवंटन पट्टा जारी कर दिया जावेगा।

क्र.सं.	प्रार्थी का नाम	खसरा सं. राजस्व ग्राम	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल
1.	श्रीमति लक्ष्मी देवी पत्नि श्री चोथमल श्रीमति माया,मनभर,पांची,मनिषा,सावित्री, वगेरह निवासी गुर्जर की ढाणी सावंतरसर मदनगंज किशनगढ़	381 किशनगढ़ बी	------	1433.77

आयुक्त ,नगर परिषद किशनगढ़

हरियाणा रोडवेज की बस व ट्रेलर में भिड़ंत, चार यात्रियों की मौत

दो दर्जन से अधिक यात्री घायल, मृतकों में यूपी, बिहार व जयपुर निवासी हैं

पावटा, (निसं)। नेशनल हाइवे-48 पर भाबरू थाना क्षेत्र के आंतेला पुलिया के पास मंगलवार दोपहर में हरियाणा रोडवेज की बस और ट्रेलर में भीषण टक्कर हो गई। हादसे में बालिका सहित चार यात्रियों की मौत हो गई व दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों को उपजिला अस्पताल पावटा, उपजिला अस्पताल शाहपुरा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आंतेला में भर्ती कराया गया। हरियाणा रोडवेज की बस जयपुर से दिल्ली जा रही थी।

प्रागपुरा व भाबरू थाना पुलिस के अनुसार हाइवे पर खड़े ट्रेलर को हरियाणा रोडवेज की तेज रफ्तार बस ने ओवरटेक करते हुए पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का ड्राइवर की तरफ का पूरा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई, जिस पर मौके पर मौजूद ग्रामीण, व्यापारी घटना स्थल की तरफ भागे। स्थानीय लोगों की सूचना पर घटना स्थल पर प्रागपुरा, भाबरू थाना पुलिस, एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को उपजिला अस्पताल पावटा, उपजिला अस्पताल शाहपुरा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आंतेला में भर्ती कराया गया। बस का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों की सहायता से यात्रियों को बस से बाहर निकालने में काफी समय लगा। इस दौरान घटना की सूचना पर उपजिला अस्पताल पावटा प्रभारी डॉ. रवि बंसल, डॉ. अशोक जाट अपनी टीम के साथ घायल यात्रियों को बचाव कार्य में जुट गए। वहीं हादसे की सूचना पाकर उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार उपाध्याय, विराटनगर उपखंड अधिकारी अमिता मान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा भी उपजिला अस्पताल पावटा पहुंचे जहां चिकित्सकों को घायलों के इलाज के निर्देश देते हुए पुलिस प्रशासन टीम की सहायता से मृतकों व घायलों का नाम व पता मालूम कर उनके परिजनों को अवगत करवाया।

सड़क दुर्घटना में 16 घायलों को पावटा उपजिला अस्पताल लाया गया, जहां 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया, जिनमें शकीरा पत्नी कादिर खां निवासी बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश), रजिया खातून पत्नी मोहम्मद सुलेमान निवासी बेगूसराय (बिहार) और सुनील जैन पुत्र पदम जैन निवासी जयपुर शामिल थे। इसके अलावा बाद में एक बालिका की मौत होने की जानकारी सामने आई है। हादसे में मृतकों के शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। वहीं दो गंभीर घायलों को निम्स हॉस्पिटल रेफर किया है, जबकि अन्य घायलों को आंतेला सीएचसी और शाहपुरा उपजिला अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। हरियाणा रोडवेज की बस जयपुर से दिल्ली की ओर जा रही थी। आंतेला पुलिया के पास खड़े ट्रेलर में पीछे से टकराई तो सवारियों में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान हादसे के बाद हाइवे पर लंबा जाम लग गया।

पावटा उपजिला अस्पताल में भर्ती घायल मोहम्मद सुलेमान ने बताया बस बहुत तेज रफ्तार में थी। खडे ट्रेलर के बेहद करीब से गुजरते समय हादसा हो गया। सुलेमान ने बताया कि मैं जयपुर से धारूहेडा (हरियाणा) जा रहा था। मेरे साथ बेटा, बेटी, मां और पत्नी भी थी। इस हादसे में मेरी पत्नी रजिया खातून की मौत हो गई। परिवार के तीन अन्य सदस्य घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए जयपुर भेजा गया है।

भाबरू थाना क्षेत्र के आंतेला पुलिया के पास हुये हादसे में बस और ट्रेलर क्षतिग्रस्त हो गये।

- टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का ड्राइवर की तरफ का पूरा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया
- नेशनल हाइवे-48 पर भाबरू थाना क्षेत्र के आंतेला पुलिया के पास हुआ हादसा

दस हजार की रिश्वत लेते एएसआई गिरफ्तार

झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर रिश्वत मांगी थी

उदयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर की स्पेशल टीम ने झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर परिवादी से दस हजार रूपये रिश्वत लेते प्रतापनगर पुलिस थाने के एएसआई राजेश मीणा को रंगे हाथों पकड़ा है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी चौकी स्पेशल यूनिट उदयपुर को 26 मई को शिकायत मिली। जिसमें परिवादी ने बताया कि प्रतापनगर पुलिस थाने के एएसआई द्वारा पुलिस थाना प्रतापनगर उदयपुर पर दर्ज प्रकरण में परिवादी एवं उसकी कार का नाम निकालने की एवज में 15 हजार रूपये रिश्वत की मांग की गई है एवं नहीं देने पर परिवादी को जेल में बंद करने की धमकी दी। इस पर रिश्वत राशि मांग का सत्यापन रूबरू वार्ता में करवाई गई। जिसमें आरोपी द्वारा परिवादी से रिश्वत राशि 15 हजार रूपये की मांग कर 10 हजार रूपये ग्रहण करने की सहमति देने की पुष्टि हुई, जिस पर एसीबी कोटा के शिवराज उप महानिरीक्षक पुलिस के सुपरविजन में एसीबी स्पेशल यूनिट उदयपुर के प्रभारी अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव जोशी के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक लक्ष्मणलाल डांगी मय टीम ने मंगलवार को ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी राजेश कुमार मीणा पुत्र मुकेश कुमार मीणा निवासी गांव बापाल देवल सादर डूंगरपुर हाल सहायक उप निरीक्षक पुलिस थाना प्रतापनगर जिला उदयपुर को परिवादी से 10 हजार रूपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर रिश्वत राशि बरामद की।

हादसे में गर्भवती महिला की मौत, पति व बेटा घायल

अजमेर, (कासं)। घूघरा गांव स्थित एक पेट्रोल पंप के पास मोटरसाइकिल और कार की भिड़ंत में चार माह की गर्भवती महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति और तीन वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। परिवार किशनगढ़ से रिश्तेदार के दाह संस्कार से घर लौट रहा था और सड़क हादसे का शिकार हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की सूचना पर सिविल लाइंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जेएलएन अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गौतम नगर निवासी मृतका सोनू चार माह की गर्भवती थी। उसका पति चरणदास और तीन वर्षीय पुत्र लड्डू हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। परिवार किशनगढ़ में किसी रिश्तेदार की मृत्यु पर गया था और दाह संस्कार के बाद लौटते समय यह दर्दनाक हादसा हो गया। पुलिस ने बताया कि घटना घूघरा पेट्रोल पंप के पास की है, जहां गलत दिशा में आ रही कार चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। पुलिस ने दोनों वाहनों को जप्त कर लिया है।

- घूघरा गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास बाइक और कार में भिड़ंत हो गई थी
- परिवार किशनगढ़ से रिश्तेदार के दाह संस्कार से घर लौट रहा था

सम्मन बनाम मुद्दायलाह बिनावर कायमी तनकीहात
(आर्डर 5 रूल 1 व 5 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत श्रीमान् सहायक कलेक्टर महोदय, पाली व इजलास
मुद्दई रमेश कुमार बनाम मुद्दायलाह अनिल कुमार वगैरह
दावा बाबत वाद अन्तर्गत धारा 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955
राजस्व वाद संख्या
राजस्व विविध संख्या :-
बनाम- 1. शांतिलाल पुत्र श्री हस्तीमलजी, जाति ओसवाल जैन, निवासी वीर दुर्गादास नगर, पाली, 2. इन्दु देवी पुत्री श्री माणकचंदजी, जाति ओसवाल, निवासी सरदार शहर, जिला चुरू, 3. गटटु देवी पत्नी श्री माणकचंदजी, जाति ओसवाल जैन, 4. झिणकार देवी पुत्री माणकचदजी जाति ओसवाल जैन, 5. नीलम देवी पुत्री माणकचंदजी जाति ओसवाल जैन, 6. प्रकाशचंद पुत्री माणकचंदजी जाति ओसवाल जैन, निवासीगण सरदार शहर, जिला चुरू, 7. प्रकाशचंद पुत्र श्री मिलापचंद, झामड़, साकिन गुलाबपुरा, तहसील व जिला भीलवाड़ा, 8. पारसमल पुत्र श्री माणकचंद, 9. महेन्द्र कुमार पुत्र श्री माणकचंद, 10. राजेन्द्रकुमार पुत्र श्री माहलचंद, 11. ललिता देवी पुत्री माणकचंद, 12. विध्या देवी पुत्री माणकचंद, 13. विनीता देवी पुत्री माणकचंद, 14. सुरेश कुमार पुत्र माणकचंद जातिगण ओसवाल जैन, निवासी सरदार शहर, जिला चुरू, 15. मोहनराज पुत्र श्री खीवराज, जाति ओसवाल जैन, निवासी कवास, तहसील बाडमेर जिला बाड़मेर
हरगाह रमेश कुमार पुत्र श्री हस्तीमलजी, उम्र वर्ष, जाति ओसवाल जैन, निवासी 55, आदर्श नगर, पाली (राज.) ने आपके खिलाफ एक दावा वाद अन्तर्गत धारा 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 का दायर किया है लिहाजा आपको वजरिये इतहरीर के दावे की जवाबदेही के लिए तारीख 0.9.06.25 माह सन् 2025 को 10:00 बजे दिन के अदालत हाजा में असालतन मारफत ऐसे वकील के जो कि हालात मुकदमे से वाकिफ किया गया हो व कुल अमूर अहम मुताल्लिके का जवाब दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई शख्स हो जो ऐसे सवालात का जवाब दे सके हाजीर होने के लिए तलब किया जाता है और उसको हिदायत दी जाती है कि जुमला दस्तावे जात जिन पर आप अपनी जवाबदेही की ताईद में इस्तदलाल करना चाहते हो उस दिन पेश करो।
आगाह रहो कि अगर वरीज मजकूर आप हाजिर न हुए तो दावा आपकी गेर हाजरी में सुना व फैसला किया जायेगा।
वसिक्त मेरे दस्तक्त व मुहर अदालत के आज तारीख 23 माह 05 सन् 2025 को जारी किया गया।
मोहर
सहायक कलेक्टर, पाली (राज.)

युवक की हत्या, तीन-चार दिन पुराना शव मिला

बीकानेर, (निसं)। यहां गंगाशहर थाना क्षेत्र में एक बिहारी युवक की हत्या कर दी गई है। तीन-चार दिन पुराना एक शव यहां मिला है, जिसकी शिनाख्त करने पर नंदन बिहारी के रूप में पहचान हुई है। शव को आवारा कुत्तों ने नौंच डाला है। हत्या किसने और कब की, इसका पता लगाया जा रहा है। फिलहाल शव को पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

जानकारी के अनुसार गंगाशहर थाने के सुजानदेसर गांव के पास ही चांदमल बाग है, इसी बाग के किनारे एक तरफ युवक का शव पड़ा मिला है। सुबह यहां से दुर्गंध आने के बाद आसपास लोगों ने अंदर जाकर देखा तो शव पड़ा मिला। इस बारे में गंगाशहर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और एफएसएल की टीम ने मौका मुआयना करने के बाद शव को पीबीएम अस्पताल भेजा। मृतक का शव यहां तीन-चार दिन से पड़ा है। शव को आवारा कुत्तों ने नोचना शुरू कर दिया था, जिसके बाद दुर्गंध आनी शुरू हो गई। मृतक की पहचान बिहारी युवक नंदन के रूप में हई है, जो करीब पच्चीस साल का है। ये इसी क्षेत्र में मजदूरी का काम करता था। युवक की मौत कैसे हुई, इसका पता लगाया जा रहा है। फिलहाल पुलिस इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी है कि हत्या कब हुई है। नंदन के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है, जिसके बाद ही घटनाक्रम के बारे में पता चल सकता है।

गंगाशहर थानाधिकारी परमेश्वर सुथार का कहना है कि नंदन की हत्या 25 मई को कर दी गई थी। उसके बाद शव को यहां लाकर फैंका गया। फिलहाल पुलिस को उसके कुछ साथियों पर शक है। जिनका पता लगाया जा रहा है। जल्दी ही पुलिस पूरे मामले का खुलासा कर सकती है। युवक के शरीर पर चोटों के निशान है। ऐसे में आशंका है कि लड़ाई झगड़े में मारने के बाद उसका शव यहां फैंका गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि शव लाने वालों का पता चल सके। अब तक पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लगा है।

- युवक की हत्या कर शव चांदमल बाग के पास फैंका, साथियों पर शक
- शव को आवारा कुत्तों ने नौंचा, हत्या किसने और कब की, जांच जारी

गृह क्लेश में पति-पत्नी ने जहर खाया, दोनों की मौत

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के रुदावल थाना इलाके में गृह क्लेश के चलते पति-पत्नी ने जहरीला पदार्थ खा लिया। दोनों को गंभीर हालत में भरतपुर के आरबीएम अस्पताल लाया गया, जहां दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने सुबह दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

गांव माडापुरा निवासी महेंद्र कुमार ने बताया कि मेरा छोटा भाई सुरेंद्र (36) पत्नी पत्नी रीना (33) के साथ हमारे घर के पास ही अलग रहता था। कल शाम करीब छह बजे दोनों में किसी बात के चलते झगड़ा हुआ। इस दौरान उनके बच्चे भी घर पर थे। दोनों ने झगड़े में जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे दोनों को उल्टियां होने लगी। जब बच्चों ने देखा कि दोनों को उल्टियां हो रही है तो वह शोर मचाने लगे, जिसके बाद पड़ौसी सुरेंद्र के घर पहुंचे। तब दोनों ने पड़ौसियों को बताया कि उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया है, जिसके बाद पड़ौसियों ने महेंद्र को घटना की सूचना दी। महेंद्र और पड़ौसी दोनों को लेकर रुदावल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से दोनों को भरतपुर आरबीएम अस्पताल रेफर कर दिया, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। मंगलवार सुबह दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करवाया गया है। महेंद्र ने बताया कि सुरेंद्र और रीना के पांच बच्चे हैं, जिसमें सबसे बड़ी बेटी शिवन्या (8), कीर्ति (6), गुड़िया (4) गोलू (3), मोनू (1) साल है। पांचों बच्चे घर पर हैं। उनका रो-रो कर बुरा हाल है। सुरेंद्र चिनाई का काम करता था। सुरेंद्र और रीना में आये दिन झगड़ा हुआ करता था। दोनों की शादी 18 साल पहले हुई थी।

रुदावल थाने के सहायक उप निरीक्षक मुंशीलाल ने बताया कि सूचना मिली थी कि माडापुरा के दंपती ने जहर खाकर आत्महत्या की है, जिनके शव आरबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखे हुए हैं। मृतक सुरेंद्र पुत्र सुरेंद्र सिंह और रीना कुमारी पति सुरेंद्र सिंह के शव का पोस्टमार्टम करवाया गया है।

- बच्चे रोने लगे तो पड़ौसियों को घटना का पता लगा, पांच बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल

वारदात के बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

अभियुक्त की अपील खारिज

ब्यावर, (निसं)। अतिरिक्त जिला एवं सेशन जज संख्या 2 ने चेक अनादरण के मुलजिम नौखड़ा खरवा निवासी कानसिंह सुपुत्र राजू सिंह रावत को चेक अनादरण के मामले में अपील खारिज करते हुए दोषसिद्ध बरकरार रखते हुए एक साल की सजा भुगतने जेल भेजने के आदेश प्रदान किए। परिवादी प्रवीण सिंह चौहान सुपुत्र राजपालसिंह की ओर से एडवोकेट प्रवीण जैन ने तर्क दिया। परिवादी से उधार ली गई राशि के मांगती रकम के भुगतान के लिए चेक दिया जो मुल्जिम कानसिंह के खाते में अपर्याप्त राशि होने के कारण अनादृत हो गया था। विचारण न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनकर एडवोकेट प्रवीण जैन के तर्कों से सहमत होते हुए एवं पत्रावली पर मौजूद साक्ष्य के आधार पर 3,30,000 रुपए के अर्थदंड एवं एक साल की सजा सुनाई, जिसके विरुद्ध मुलजिम कानसिंह ने अपील पेश की लेकिन एडवोकेट प्रवीण जैन के तर्क दिया कि मुलजिम ने जानबूझकर उसके खाते में राशि नहीं होने के बावजूद चेक दिया एवं चेक पर अभियुक्त के हस्ताक्षर प्रमाणित है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि., खण्ड-बून्दी
क्रमांक :- 254 दिनांक :- 13.05.2025
निविदा सूचना संख्या 04/2025-26
NIB code PWD2526A0560
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड बून्दी के अधीन वार्षिक दर अनुबंध के आधार पर आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में मरम्मत कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट Www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 22.05.2025 से 31.05.2025 को सायं 6:00 बजे तक।
UBN is: PWD2526WSOB01693, UBN is: PWD2526WSOB01694
UBN is: PWD2526WSOB01695, UBN is: PWD2526WSOB01696
(शेखर चन्द मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि., खण्ड बून्दी
DIPR/C/6466/2025

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड द्वितीय, जयपुर
सी-ब्लॉक, बेसमेन्ट, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005 (राज.)
क्रमांक:308 ई-निविदा सूचना संख्याः 06/2025-26 दिनांक:15-5-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत जयपुर खंड कार्यालय में 08 सिविल कार्य हेतु कुल राशि रू. 318.24 लाख के उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग / राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष किसी भी श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org. www.sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता हैं।
UBN No. : 1. MHS2526WSOB01085, 2. MHS2526WSOB01086, 3. MHS2526WSOB01087 4. MHS2526WSOB01088, 5. MHS2526WSOB01089, 6. MHS2526WSOB01090 7. MHS2526WSOB01091, 8. MHS2526WSOB01092
अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड द्वितीय, जयपुर
DIPR/C/6593/2025

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
क्रमांक:F.8A(08)Exam/A.O.&Ors.(Agri.Deptt.)/RPSC/EP-I/2024-25
दिनांकः 26.05.2025
-: प्रेस विज्ञिप्त :-
आयोग द्वारा कृषि विभाग के लिए विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन संख्या 17/2024-25 दिनांक 16.10.2024 को जारी किया गया था। आयोग द्वारा उक्त पदों हेतु आयोजित की जाने वाली परीक्षा की स्कीम एवं स्कीम के नीचे "उक्त पद हेतु आयोजित की जाने वाली परीक्षा के लिए ओ.एम.आर. उत्तरपत्रक में प्रश्नों के विकल्प भरने के संबंध में अंकित विशेष निर्देशों" को संशोधित किया गया है। इस हेतु अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट पर जारी शुद्धि पत्र संख्या 05/2025-26 का अवलोकन कर सकते है।
DIPR/C/6786/2025 (रामनिवास मेहता) सचिव

मांडलगढ़ न्यायालय से लूट व चोरी के दो आरोपी पुलिस कस्टडी से फरार

पुलिसकर्मियों ने बदमाशों का पीछा किया, लेकिन हाथ नहीं आए

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ में एसीजेएम कोर्ट में बीगोद थाने से लाए गए दो शातिर बदमाश पुलिस को धक्का देकर फरार हो गए। अचानक हुई इस घटना से न्यायालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। बीगोद थाने के पुलिसकर्मियों ने फरार हुए बदमाशों का पीछा किया, लेकिन बदमाश हाथ नहीं आए। इस घटना में बीगोद पुलिस की कहीं न कहीं लापरवाही सामने आई है। वहीं गंभीर अपराध के अपराधियों को पेशी के दौरान न्यायालय में बेरिक में रखने की व्यवस्था नहीं होने को भी भारी चूक माना जा रहा है।

मांडलगढ़ कोर्ट में पेश करने लाए बीगोद थाने के सहायक उप निरीक्षक प्रहलाद कुमार ने बताया कि मुल्जिमों को दो सिपाहियों के साथ कोर्ट लेकर आए। आरोपी बेगूं थाना क्षेत्र के मंडावरी गांव के निवासी दिलीप कंजर और सोनू कंजर को चोरी और नकबजनी के मामले में प्रोडक्शन वारंट के जरिए बेगूं की जेल से गिरफ्तार करके लाए थे और रिमांड के लिए मांडलगढ़ कोर्ट में हथकड़ी लगाकर पेश किया।

इस दौरान दोनों आरोपियों की हथकड़ी को खोलकर कोर्ट में मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। जहां कोर्ट आदेश की इंतजार में ऊपरी मंजिल पर स्थित न्यायालय के बाहर बैठे थे। इस दौरान दोनों बदमाश पुलिस को धक्का मारकर न्यायालय की सीढ़ियां उतरकर पीछे की ओर खेतों और जंगल की ओर फरार हो गए। वहीं न्यायालय परिसर में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मौक़े पर मौजूद एक पुलिसकर्मी मोबाईल चलाने में व्यस्त था दूसरे मुलजिम को छोड़ पानी पीने चले गए थे। इस दौरान मौका पाकर आरोपी फरार होने में सफल हो गए।

सूचना मिलने पर भीलवाड़ा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन, मांडलगढ़ पुलिस उप अधीक्षक बाबूलाल विश्नोई ने घटना स्थल का जायजा लिया और मांडलगढ़ ओर बेगूं थाना क्षेत्र सहित जिले में नाकेबंदी कराई। पुलिस की आठ अतिरिक्त टीम को तलाशी अभियान में लगाया है, जहां आसपास के जंगल, रेलवे स्टेशन और संदिग्ध ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन किया जा रहा हैं।

प्मांडलगढ़ में एसीजेएम कोर्ट से फरार शातिर बदमाश।

लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। घर में घुसकर बजुर्ग को बंधक बना लाखों के जेवरात व नकदी लूट की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 25 मई को चार पांच नकाबपोश व्यक्तियों ने धरदार हथियार सहित मानपुर गांव में बुजुर्ग भुरीलाल कलाल के घर में घुस बारिश व तुफान के समय अंधेरे का फायदा उठा बुजुर्ग को बंधक बना करीब पन्द्रह लाख रूपये सोने के व तीन लाख रूपये चांदी के जेवरात, करीब दो लाख रूपये नकदी, मोबाइल, एक व दो रूपये के करीब पांच से छह किलो सिक्के, एक, दो, पांच, दस पैसे के पुराने सिक्के लूट ले गए। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर पानरवा थानाधिकारी धनपतसिंह के नेतृतव में गठित दल ने जांच शुरू की। इस मामले में आसूचना अधिकारी कांस्टेबल दिलीप कुमार मेघवाल द्वारा किए गए अनुसंधान में मौके से मिले साक्ष्यों एवं मुखबीर से मिली सूचना पर थानाधिकारी मय टीम ने संदिग्ध विक्रम पुत्र तेजा निवासी शीलामाता पानरवा, बद्रीलाल पुत्र लाला निवासी शीलामाता पानरवा को थाने लाकर पूछताछ करने पर दोनों ने नारूलाल उर्फ नारायण व एक नाबालिग बच्चे के साथ मिलकर वारदात करना कबूल किया। इस पर विक्रम व बद्रीलाल को गिरफ्तार किया।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
(पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबन्ध शाखा) नया पावर हाऊस परिसर, हैवी इडस्ट्रीयल एरीया, जोधपुर- 342003 दूरभाष :- 0291-2742223, फैक्स :- 0291-2746539
ई-निविदा सूचना
एलटी टीवीएम स्टेटिक एनर्जी मीटर TN-2051 (UBN JVV2526GLOB00207), एचआरसी फ्यूज लिंक और बेस विभिन्न रेटिंग TN 2059 (JVV2526GLOB00205) & 11 के.वी. 3C X 120 वर्ग एम.एम. एवं 11 के.वी. 3C X 185 वर्ग एम.एम. एच.टी. पॉवर केबल TN-2052 (UBN JVV2526GLOB00206) की खरीद हेतु ई-निविदा आंमत्रित की जाती हैं। अन्य विवरण जैस निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं।
राज.संवाद/सी/25/3154 अधीक्षण अभिंयता (पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबंध)
बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

कार्यालय नगर पालिका, जैतारण (ब्यावर)
क्रमांक/नपाजै/विकास/ईनिविदा/2025-26/659 दिनांक :- 19.05.2025
:: ई -निविदा सूचना संख्या 02/2025-26 ::
(NIB NO. DLB2526A1517)
नगर पालिका जैतारण की ओर से नगर पालिका जैतारण एवं राजकीय विभाग मे नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई- प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया ऑनलाईन निविदाएं आंमत्रित की जाती है। नगर पालिका क्षेत्र के कुल 01 कार्य अनुमानित लागत 30.00 लाख रू की निविदा बेचे जानी प्रारम्भ की दिनांक 20.05.2025 एवं 05.06.2025 प्राप्त करने की दिनांक निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajashtan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/3096 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका लवाण, दौसा (राजस्थान)
क्रमांक : न.पा.लवाण /निर्माण/2025-26/248 दिनांक 26.05.2025
निविदा सूचना संख्या-01/2025
नगर पालिका लवाण द्वारा नगर लवाण कोष से निम्नलिखित कार्य करवाये जाने हेतु कार्यालय नगर पालिका लवाण एवं इस कार्यालय से सम्बन्धित विभाग (अभियान्त्रिकी, स्वायत्त शासन विभाग) में पंजीकृत संवेदकों के अलावा अन्य विभाग के संवेदकों ए व एए श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से (पंजीकरण नियम Appendix XVI Rule 334 के सेक्शन II के अनुसार) निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। निम्नलिखित निविदा वेबसाईट ://www.sppp.rajasthan.gov.in से Download कर देखी व पढी जा सकती है।

निविदा सूचना क्र.सं.	निविदा डाउनलोड करने की तिथि	निविदा क्रय/विक्रय करने की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि	UBN NO.
01	26.05.2025	03.06.2025	03.06.2025	DLB2526WSOB05940

राज.संवाद/सी/25/3104 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262,
Email:- ceoudr.lsg@rajasthan.gov.in electricalumc50@gmail.com Website :- https://udaipurmc.org/
क्रमांक : 184 दिनांक :- 26.05.2025
अल्पकालीन ई-बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 02/2025-26
नगर निगम उदयपुर में अग्निशमन शाखा में उपयोग हेतु अग्निशमन उपकरणों की सप्लाई का कार्य वार्षिक दर अनुबंध हेतु इच्छुक अधिकृत फर्म/संस्थान/व्यक्तियों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इंटरनेट साईट www.sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है। निविदा की कुल अनुमानित लागत 45.00 लाख है तथा निविदा की प्रारंभ तिथि 27.05.2025 अन्तिम तिथि 02.06.2025 एवं खोलने की दिनांक 03.06.2025 है।
UBN No. UNP2526GLRC00029
मुख्य अग्निशमन अधिकारी नगर निगम, उदयपुर आयुक्त नगर निगम, उदयपुर
राज.संवाद/सी/25/3126

OFFICE OF THE MUNICIPAL BOARD, DEOGARH
Near Bus Stand Deogarh
Tel. No. 02904-252039 E-mail Id-EODEOGARH.LSG@RAJASTHAN.GOV.IN
S.No. F ( )/MBD/Engg./E-NIB/02/2025-26/395 Date :- 26.05.2025
Notice Inviting BID
NIB No 02/2025-26
नगर पालिका देवगढ द्वारा निम्नांकित विकास कार्यो हेतु केन्द्र व राज्य सरकार के विभागो व अधिकृत संगठनो व स्वायत शासी संस्थाओ में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से इलेक्ट्रोनिक फारमेन्ट में आनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण व जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in or http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।
NIB CODE :- DLB2526A1709
UBN No.:- DLB2526WSOB05874, DLB2526WSOB05867, DLB2526WSOB05862, DLB2526WSOB05868, DLB2526WSOB05863, DLB2526WSOB05869, DLB2526WSOB05864, DLB2526WSOB05865, DLB2526WSOB05870, DLB2526WSOB05871, DLB2526WSOB05872, DLB2526WSOB05873
महत्वपूर्ण तिथिया

निविदा कार्यक्रम	तिथि व समय
कुल निविदा के कार्य	12
निविदा की अनुमानित लागत	212.67 लाख
निविदा प्रकाशन की तिथि	26.05.2025 04:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	26.05.2025 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	09.06.2025 10:00 AM तक
भौतिक रूप से डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा कराने की तिथि	10.06.2025 11:00 AM तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	11.06.2025 12:00 PM से
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in

राज.संवाद/सी/25/3098 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका देवगढ

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड बाडी
NIB No.: 18/2025-26 निविदा सूचना Date: 20.05.2025
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पी.डब्लू.एफ.एण्ड.ए.आर पार्ट-।। अपेण्डिक्स 16 दिनांक 01.07.1999 से लागू एवं समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित परिपत्रो (आज तक) के अनुरूप विभाग में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको / सप्लायर्स एवं निविदा प्रपत्र में बांछित योग्यता रखतें हो, से इस कार्यालय की निविदा सं0 18/2025-26 के लिये मौहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा संख्या 18/2025-26 के निविदा प्रपत्र https://eproc.rajasthan.gov.in/ दिनांक 29.05.2025 को 06.00 पी.एम. तक डाउनलोड किए जा कर दिनांक 29.05.2025 को 06.00 पी.एम. तक ऑनलाइन जमा किए जाकर दिनांक 30.05.2025 को 02.00 पी.एम. पर टैक्नीकल बिड (तकनीकी बोली) खोली जावेगी।

NIT No.	Name of work	Estimated Cost (Rs. in Lacs)	Earnest Money in Rs. 2%	Earnest Money in Rs. 0.05%	MD RISL (in Rs.)	Tender Fee (in Rs.)	Period for completion
NIT 18/25-26	Providing laying, Jointing & Testing of Rising HDPE Pipe line From Tube Well in UWSS Bari in Sub Division Bari of PHED Division Bari	17.84	35690	8925	500	1000.00	45 DAYS

NIB No.: PHE2526A1188
UBN: PHE2526WSOB02495
Note: 1. If Holiday is declared on submission and/or opening date of tender the scheduled activity will take place on next working day/If Procuring entity is not present on the submission and opening date of tender the scheduled activity will take place on day on which procuriing entity (HOO) is present.
नोट-निविदा से संबंधित नियम एवं शर्तें आदि कार्यालय समय में देखी जा सकती है।
(Deshraj Sing Gurjar) Executive Engineer, PHED Division
DIPR/C/6737/2025

पहले राउंड की काउंसलिंग की पात्रता को लेकर दायर याचिका खारिज

- हाईकोर्ट ने पीसीपीएनडीटी के तहत छह माह के अल्ट्रासाउंड ट्रेनिंग कोर्स में प्रवेश के लिए आयोजित पहली काउंसलिंग में स्थानीय चिकित्सक को आरक्षण देने को सही माना है
- अदालत ने कहा कि यह सरकार का नीतिगत निर्णय है और यह संविधान के प्रावधानों के भी विपरीत नहीं है

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पीसीपीएनडीटी के तहत छह माह के अल्ट्रासाउंड ट्रेनिंग कोर्स में प्रवेश के लिए आयोजित पहली काउंसलिंग में स्थानीय चिकित्सक को आरक्षण देने को सही माना है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश अनूप अग्रवाल व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि यह सरकार का नीतिगत निर्णय है और यह संविधान के प्रावधानों के भी विपरीत नहीं है।

याचिका में बताया कि पीसीपीएनडीटी के तहत छह माह का अल्ट्रासाउंड ट्रेनिंग कोर्स कराने के लिए गत 22 अप्रैल को नीट पीजी काउंसलिंग बोर्ड ने विज्ञापन जारी कर आवेदन मांगे गए है। जिसमें प्रावधान किया गया कि पहले राउंड में प्रदेश की मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस करने वाले चिकित्सकों और सेवारत डॉक्टरों को ही शामिल किया जाएगा। वहीं यदि इसके बाद सीटें रिक्त रही तो दूसरे और बाद में राउंड में प्रदेश के बाहर से एमबीबीएस करने वालों को मौका दिया जाएगा। इसके चुनौती देते हुए कहा गया कि नेशनल मेडिकल कमीशन देश में कहीं से भी एमबीबीएस करने वाले चिकित्सकों को योग्यता के आधार पर एक समान मानता है। ऐसे में इस कोर्स में प्रवेश के लिए याचिकाकर्ता के साथ स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। पीसीपीएनडीटी नियम, 2014 के तहत नीट पीजी के अंकों के आधार पर इस कोर्स में प्रवेश का प्रावधान है। पाठ्यक्रम की सीटों पर सौ फीसदी आरक्षण नहीं दिया जा सकता। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने बताया कि पहले राउंड में प्रदेश से बाहर के अभ्यर्थी भी पात्र हैं। दूसरे राज्यों के जो अभ्यर्थी प्रदेश में सेवारत हैं या यहां की कॉलेज से एमबीबीएस हैं, उन्हें पात्र माना गया है। वहीं सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने भी संस्थागत आरक्षण में पचास फीसदी व नियोजित कर्मचारियों के लिए पचास फीसदी आरक्षण को सही माना है। वहीं कोर्स में प्रदेश के लिए दूसरे राउंड के लिए अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों को भी पात्र माना गया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया है।

पूर्व मंत्री महेश जोशी की जमानत पर सुनवाई जारी

जयपुर। ईडी मामलों की विशेष अदालत में मंगलवार को जल जीवन मिशन प्रकरण में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी की जमानत अर्जी पर सुनवाई हुई। आरोपी की ओर से अपनी बहस पूरी कर ली गई है। वहीं ईडी जमानत अर्जी पर 28 मई को बहस करेगी।

महेश जोशी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक राज बाजवा ने अदालत को बताया कि एसीबी की एफआईआर और मामले में पेश आरोप पत्र में उसका नाम नहीं है। ईडी ने मार्च, 2024 में उसे पूछताछ के लिए बुलाया था। उसके बाद करीब एक साल तक मामले में कोई कार्रवाई नहीं की और गत दिनों उसे अचानक बुलाकर गिरफ्तार कर लिया। प्रकरण में अन्य आरोपियों की पूर्व में ही जमानत हो चुकी है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को मंगलवार को विधानसभा में पशुपालन एवं डेयरी, गोपालन व देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत ने शिष्टाचार मुलाकात की। कुमावत ने देवनानी का दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनन्दन किया। कुमावत ने देवनानी को विभाग की पुस्तिका भेंट की।

नौतपा में भीषण गर्मी से बचाने के लिए बड़ी चौपड़ पर पानी की फुहार फेंक कर लोगों को कुछ राहत देने का प्रयास किया गया।

पशुपालकों के खाते में 88.43 करोड़ की अनुदान राशि डीबीटी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के दुग्ध उत्पादकों को 88.43 करोड़ की अनुदान राशि का भुगतान किया है। यह राशि मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत दी गई है। राज्य सरकार की ओर से सहकारी समितियों से जुड़ी डेयरियों पर दूध देने वालों को 5 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से भुगतान किया जाता है। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश के करीब साढे चार लाख पशुपालक किसानों के बैंक खाते में यह राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की गई है।

'आवास भवन' को ऊर्जा मंत्रालय के द्वारा मिली 5 स्टार रेटिंग

भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ प्रतिष्ठित ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी द्वारा मुख्यालय भवन आवास भवन को 5 स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया है।

जयपुर। राजस्थान आवासन मण्डल ने ऊर्जा संरक्षण की दिशा में मिसाल कायम की है। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ प्रतिष्ठित ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी द्वारा मुख्यालय भवन आवास भवन को 5 स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया है।

यह उपलब्धि भवन की ऊर्जा दक्षता, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और सतत विकास के प्रति मण्डल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस उपलब्धि को राजस्थान में सरकारी भवनों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत के रूप में देखा जा सकता है। ऊर्जा प्रदर्शन सूचकांक भवन के डिजाइन और निर्माण के दौरान ऊर्जा दक्षता का मूल्यांकन करता है। यह ऊर्जा उपयोग का माप है, जो प्रति वर्ग मीटर या प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत को दर्शाता है। का उपयोग करके ऊर्जा दक्षता में सुधार के लिए बेहतर इंसुलेशन, अधिक कुशल उपकरण या नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग किया जाता है। इसका उपयोग ऊर्जा दक्षता को मापने व सुधारने में किया जाता है।

इस अवसर पर आवासन आयुक्त डॉ रश्मि शर्मा ने कहा की यह सम्मान हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है, और यह हमारी टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। हम ऊर्जा दक्षता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और प्रयासरत है कि हमारी आवासीय योजनाओं में भी हम 5 स्टार रेटिंग प्राप्त करें। राज्य सरकार की मंशानुसार राजस्थान आवासन मण्डल आगे भी ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और सतत शहरी विकास के लिए कार्य करता रहेगा।

स्वर्ण जयंती पार्क, मजार डेम एवं किशन बाग को विकसित करने के लिए उच्चस्तरीय बैठक

जयपुर। राज्य बजट घोषणा की स्वीकृति के तहत विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र स्थित स्वर्ण जयंती पार्क, मजार डेम एवं किशन बाग के धोरों को भारतीय सेना के सहयोग से मॉडल स्वरूप में विकसित किए जाने को लेकर आज एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में परियोजना के विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन पर गहन चर्चा की गई।

यह बैठक उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ साउथ वेस्टर्न कमांड लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, जयपुर विकास प्राधिकरण की आयुक्त आनंदी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में क्षेत्र के समग्र विकास, सौंदर्यीकरण, पर्यावरण संरक्षण तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सैन्य सहयोग के माध्यम से क्षेत्र को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। परियोजना का मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों को स्वच्छ, हरित एवं शैक्षिणक मनोरंजन से युक्त विकसित करना है, जिससे स्थानीय नागरिकों, युवाओं, बच्चों और पर्यटकों को एक समृद्ध एवं प्रेरणादायक वातावरण मिल सके।

इस पहल से न केवल क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी बल्कि सेना और नागरिक प्रशासन के समन्वित प्रयासों से एक आदर्श मॉडल भी प्रस्तुत होगा, जो राज्य के अन्य क्षेत्रों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा।

महाराणा प्रताप जयंती पर कार्यक्रम ''शौर्य गाथा के रंग'' आयोजित होगा

- बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित हो रहे कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे मुख्य अतिथि
- कार्यक्रम संयोजक प्रेम सिंह बनवासा ने बताया, महाराणा प्रताप के जीवन पर फिल्म भी दिखाई जाएगी

जयपुर। स्वाभिमान के प्रतीक वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की जयंती पर महाराणा प्रताप फाउंडेशन बुधवार को भव्य आयोजन शौर्य गाथा के रंग करने जा रहा है। बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे। कार्यक्रम संयोजक प्रेम सिंह बनवासा ने यह जानकारी दी।

मंगलवार को प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में संयोजक प्रेम सिंह बनवासा ने बताया कि हमें यह बात साझा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि महाराणा प्रताप फाउंडेशन विगत कई वर्षों से भारत भूमि के महानतम योद्धा, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक महाराणा प्रताप की गौरवगाथा को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए सतत प्रयासरत है। फाउंडेशन का उद्देश्य केवल इतिहास का स्मरण करना नहीं, बल्कि युवाओं में राष्ट्रभक्ति, आत्मबलिदान और सांस्कृतिक गौरव की भावना को जागृत करना भी है। बनवासा ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन न केवल वीरता का प्रतीक है, बल्कि उनके द्वारा दर्शाया गया स्वराज्य का संकल्प, कठिन परिस्थितियों में स्वाभिमान से समझौता न करने का अद्वितीय साहस और गौरवपूर्ण जीवन मूल्यों का अनुपम उदाहरण आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

संयोजक प्रेम सिंह बनवासा ने कहा कि फाउंडेशन द्वारा नियमित रूप से शौर्य-गाथा संगोष्ठियां, शैक्षिक संगठनों में व्याख्यान, बाल एवं युवा वर्ग के लिए निबंध प्रतियोगिताएं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नाटक एवं प्रदर्शनी के माध्यम से वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जीवनगाथा का प्रसार किया जाता है। उन्होंने बताया कि शौर्य गाथा के रंग कार्यक्रम के दौरान महाराणा प्रताप के जीवन पर फिल्म दिखाई जाएगी। कवि महाराणा प्रताप की वीरगाथा को अपनी कविताओं के माध्यम से बताएंगे। संयोजक बनवासा ने बताया कि राजस्थान के उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, सहकारिता मंत्री गौतम दक, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, जमवारामगढ़ विधायक महेंद्र पाल मीणा समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

शिक्षा विभाग तीन सप्ताह में बनाए रिवीजन कमेटी : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्कूल फीस से जुडे विवाद को लेकर डिवीजनल कमेटी के आदेश की रिवीजन सुनने के लिए पिछले 9 साल से रिवीजन कमेटी नहीं बनाए जाने पर नाराजगी जताई है। अदालत ने शिक्षा विभाग को तीन सप्ताह में रिवीजन कमेटी बनाकर एक जुलाई को पालना रिपोर्ट पेश करने को कहा है। अदालत ने चेतावनी दी है कि यदि आदेश की पालना नहीं हुई तो दोषी अफसरों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम की याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में स्कूल शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल वीसी के जरिए उपस्थित हुए। शिक्षा विभाग की ओर से एएजी बीएस छाबा ने कहा कि फीस एक्ट के तहत रिवीजन कमेटी बनाने में छह सप्ताह का समय लगेगा। इस पर याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने कहा कि एक ओर तो शिक्षा विभाग ने शपथ पत्र पेश कर कहा था कि कि फीस विवाद के लंबित रिवीजन प्रार्थना पत्रों पर 26 मई से सुनवाई शुरू कर देंगे। वहीं अब रिवीजन कमेटी बनाने के लिए छह सप्ताह का समय मांग रहे हैं। ऐसे में विभाग ने गलत शपथ पत्र दिया है। इस पर अदालत ने शिक्षा विभाग को कहा कि ऐसा शपथ पत्र क्यों दिया है। यह अवमानना है और क्यों ना इसके लिए दोषी अफसरों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही अदालत ने शिक्षा विभाग को आखिरी मौका देते हुए तीन सप्ताह में रिवीजन कमेटी बनाने का आदेश दिया है। दरअसल भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम की याचिका पर हाईकोर्ट ने 9 सालों से रिवीजन कमेटी नहीं बनाए जाने पर शिक्षा सचिव को वीसी या व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होने का निर्देश दिया था। वहीं गत सुनवाई पर शिक्षा विभाग ने कहा था कि कमेटी में गैर सरकारी सदस्य नियुक्त नहीं हुए हैं और लंबित रिवीजन प्रार्थना पत्रों की संख्या को देखते हुए 26 मई से कमेटी सुनवाई करेगी।

नगरीय निकायों के पुर्नगठन एवं पुर्नसीमांकन के प्रस्तावों को लेकर बैठक

जयपुर। मंत्रिमण्डल सचिवालय, राजस्थान सरकार के आदेशों की अनुपालना में मंगलवार को स्वायत्त शासन विभाग के सभागार में राज्य में नगरीय निकायों के पुर्नगठन एवं पुर्नसीमांकन के प्राप्त प्रस्तावों को लेकर परीक्षण एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्रीमण्डलीय उप समिति के सदस्य राज्यमंत्री वन विभाग संजय शर्मा, राज्यमंत्री सहकारिता विभाग गौतम कुमार तथा समिति के संयोजक राज्यमंत्री नगरीय विकास विभाग झाबर सिंह खर्रा द्वारा इस बैठक में अजमेर, कोटा, उदयपुर और बीकानेर संभाग की नगरीय निकायों के पुर्नगठन एवं पुर्नसीमांकन के प्रस्तावों पर समीक्षा एवं गहन चर्चा की गई।

करोना की आशंका : चिकित्सा मंत्री ने बुलाई आपात बैठक

- वैरियंट घातक नहीं, फिर भी सतर्क रहें : खींवसर

जयपुर। देशभर में कोविड-19 के नए मामले सामने आने के बाद राजस्थान सरकार सतर्क मोड में आ गई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक आपात बैठक आयोजित कर संक्रमण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के अनुसार वर्तमान में सामने आया कोविड वैरियंट घातक नहीं है, लेकिन खांसी, जुकाम या बुखार जैसे लक्षण दिखने पर नागरिकों को तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने संवेदनशील वर्ग जैसे बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, गंभीर रोगियों व बच्चों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी।

चिकित्सा मंत्री खींवसर ने अधिकारियों से कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों ने भले ही स्थिति को गंभीर नहीं बताया हो, फिर भी अस्पतालों में जांच, दवाएं और उपचार की व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त रखी जाए। आईएलआई के लक्षण दिखने पर किसी भी मरीज को आवश्यक जांच और चिकित्सा तुरंत उपलब्ध होनी चाहिए। बैठक के दौरान चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि राज्य के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट्स की कार्यशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जो प्लांट बंद हैं, उन्हें शीघ्र मरम्मत कर चालू कराया जाए। भारत सरकार द्वारा समय-समय पर कोविड को लेकर जारी दिशा-निर्देशों की पालना अनिवार्य रूप से की जाए।

सरकार ने आमजन से अपील की है कि घबराएं नहीं, लेकिन एहतियात जरूर बरतें। लक्षण दिखने पर खुद को आइसोलेट करें, चिकित्सक से संपर्क करें और भीड़-भाड़ वाले स्थानों से बचें।

सीतापुरा से टोडी मोड़ तक प्रस्तावित मेट्रो परियोजना को लेकर बैठक

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की अध्यक्षता में प्रस्तावित मेट्रो परियोजना को लेकर बैठक का आयोजन किया गया।

जयपुर। बजट घोषणा में शामिल सीतापुरा से टोडी मोड़ तक प्रस्तावित मेट्रो परियोजना को लेकर आज एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राज्य की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की।

इस बैठक में परियोजना की संभावनाओं, आवश्यकताओं और व्यवहार्यता पर विस्तार से चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस परियोजना को जनता के हित में शीघ्रता से आगे बढ़ाया जाए और सभी तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं पर समुचित कार्ययोजना तैयार की जाए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया, एनएचएआई के आरओ प्रदीप, जयपुर मेट्रो के डायरेक्टर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह मेट्रो परियोजना जयपुर शहर के यातायात को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिल सकेगी।

तिंरगा यात्रा का गलत फीडबैक देने पर कहा-सुनी

जयपुर। प्रदेश में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भाजपा की ओर से तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी को लेकर प्रदेश पर सभी जगह तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया गया। जयपुर देहात दक्षिण जिले की तिरंगा यात्रा को लेकर प्रदेश के पदाधिकारी को गलत फीडबैक देने के मामले में जयपुर देहात दक्षिण जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर व तिरंगा यात्रा के प्रभारी भूपेंद्र सैनी के बीच भाजपा कार्यालय में जमकर कहा सुनी हुई। दोनों नेताओं के बीच भाजपा कार्यालय में हुई। इस दौरान भाजपा पूर्व अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के बीच बचाव के बाद मामला शांत हुआ। हालांकि बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से सैनी के द्वारा जयपुर देहात दक्षिण का गलत फीडबैक भाजपा प्रदेश नेताओ को देने के मामले में ये कहा सुनी हुई।

गली-गली में भाजपा की तिरंगा यात्रा

जयपुर। भाजपा की ओर से भारतीय सेना के शौर्य को नमन करने के लिए निकाली जा रही तिरंगा यात्रा की गूंज जयपुर शहर की गलियों में भी सुनाई दी। भाजपा से वार्ड 71 से पार्षद मुकेश काका के नेतृत्व में मंगलवार को पत्रकार कॉलोनी रोड पर आनंद गार्डन गोल्यवास से विभिन्न मार्गों से होते हुए निमड़ी बालाजी तक निकाली गई। डीजे की धुन पर देशभक्ति गीतों की गूंज के बीच निकली इस तिरंगा यात्रा में वार्ड 67 से पार्षद गणेश जाट, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र खरवास, महामंत्री राजकुमार, वार्ड अध्यक्ष मानसिंह नरूका, समाजसेवी नरेंद्र हर्ष, गोपाल भींवाल, इस्पेक के प्यारेलाल शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, गिरिराज शर्मा, शंकर शर्मा, मोहन शर्मा, बनवारी शर्मा आदि शामिल थे।

लाखों के जेवर व नगदी चुराने वाली गैंग का पर्दाफाश, चार जने गिरफ्तार

चोरी का माल खरीदने वाला स्थानीय ज्वैलर्स भी पुलिस की गिरफ्त में आया

कुचामन पुलिस ने लाखों के जेवर और नकदी चुराने वाली एक गैंग का पर्दाफाश किया।

- **आरोपियों से 5500 ग्राम चांदी, चांदी के बर्तन एवं 100 ग्राम सोना बरामद किया**
- **कुचामन के एक मकान में सेंधमारी कर लाखों के जेवरात व नगदी चोरी किए थे**
- **राज्य के सात जिलों में दर्जनों गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित है गैंग के बदमाश**

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना जिले की कुचामन पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने लाखों रुपए के जेवरात और नकदी चुराने वाली एक गैंग का पर्दाफाश करते हुए चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी का माल खरीदने वाले एक ज्वैलर्स को भी पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों से 5500 ग्राम चांदी, चांदी के बर्तन और 100 ग्राम सोना भी बरामद किया है। साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई होंडा सिटी कार को भी जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार यह चोर गैंग जयपुर, अजमेर, नागौर, भीलवाड़ा, अलवर, चूरू और सीकर जिलों में सक्रिय थी। राज्य के सात जिलों में इस गैंग के बदमाशों पर दर्जनों गंभीर आपराधिक मामले दर्ज है। अब पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। पुलिस को चोरी, लूट सहित अनेक आपराधिक वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है।

कुचामन के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेमीचंद खारिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस गैंग का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि गत दोनों कुचामन शहर के एक घर के ताले तोड़कर इन चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। यह चोर इस मकान से सोने चांदी के आभूषण, चांदी के बर्तन सहित नगदी चुरा कर ले गए थे। साथ ही घर में लगे सीसीटीवी कैमरा की डीवीआर मशीन भी उठाकर ले गए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और आसपास लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे चेक किए। इस दौरान वारदात में एक कार में सवार चार-पांच व्यक्तियों द्वारा चोरी करने का इनपुट सामने आया, जिस पर पुलिस ने चोरों की सघन तलाश की। पुलिस ने पेशेवर चोरों के साथ ही संदिग्ध और स्थानीय लोगों पर भी नजर रखी। इस दौरान सुरसुरा निवासी मुन्ना नामक एक व्यक्ति से जब पूछताछ की गई तो उसने चोरी की वारदात में शामिल होने की बात स्वीकारी। साथ ही अपने अन्य साथियों के बारे में भी पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने कुचामन निवासी आसिफ उर्फ आसू को गिरफ्तार कर लिया। वहीं अजमेर की सेंट्रल जेल में बंद एक अन्य आरोपी प्रवीण कुमार को भी प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा इन चोरों से चोरी का माल खरीदने वाले ब्यावर निवासी ज्वैलर्स भरत सोनी को भी गिरफ्तार किया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी दिन में सुने और बंद मकान की रेकी करते थे और रात को अपने साथियों को बुलाकर चोरी को अंजाम देते थे। उसके बाद माल को अपने साथियों के साथ भेज कर दिन में फिर से अपने काम धंधे पर चले जाते हैं, ताकि किसी को कोई शक नहीं हो। दिन के समय रेकी करते हुए सीसीटीवी कैमरा से बचने के लिए मुंह पर गमछा लपेट लेते थे और अपनी चाल भी बदल लेते थे, ताकि सीसीटीवी फुटेज में कोई इन्हें पहचान नहीं सके। अगर घर में भी सीसीटीवी कैमरे लगे होते हैं, तो उनकी डीवीआर मशीन खोलकर साथ ले जाते और सुनसान जगह फेंक देते। वारदात के समय अपने मोबाइल फोन भी घर पर ही छोड़ देते थे, ताकि घटनास्थल पर उनकी लोकेशन का पता नहीं चल सके। घटना के बाद बदमाश मुख्य रास्तों से नहीं जाकर अलग-अलग रास्तों और टोल नाकों को छोड़ते हुए अपने ठिकाने तक पहुंचते थे।

प्रसूता की मौत के बाद चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की मांग

- **सरगरा समाज ने धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा**
- **घटना के दूसरे दिन डॉक्टर के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया गया था, अभी तक कार्रवाई नहीं हुई**

जालोर, (कासं)। जालोर के मातृ एवं स्वास्थ्य शिशु चिकित्सालय जालोर में गत दिनों प्रसूता की मौत के बाद चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर मंगलवार को सरगरा समाज ने आक्रोश जताकर कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन किया। वहीं सड़क पर जाम लगार मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर डॉ. प्रदीप के .गावंडे को ज्ञापन सौंपा।

जालोर के एमसीएच हॉस्पिटल में गत दिनों खुशबु सरगरा की प्रसव के दौरान मौत होने पर मृतक महिला के परिजनों ने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने मौत होने के बाद रेफर कर गुमराह किया। प्रसूता की मौत हॉस्पीटल में होने के बाद परिजनों को गुमराह करते हुए प्रसूता को आगे रैफर किया गया। कुछ दूरी जाने के बाद आहोर हॉस्पिटल में प्रसूता को चैकअप करने पर वह मृत घोषित होने के बाद परिजन पुन: जालोर हॉस्पीटल लेकर आये तथा हॉस्पिटल में चिकित्सक कमला भारती पर लापरवाही का आरोप लगाकर चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाइ करने को लेकर हंगामा कर दियाा जिसके बाद प्रसूता की मौत को लेकर जांच कमेटी का गठन किया गयाा, लेकिन जांच कमेटी ही चिकित्सक स्टॉफ होने से आज दिन तक कोई जांच रिपोर्ट तक प्रस्तुत नहीं करने पर सरगरा समाज का मंगलवार को आक्रोश फूटा और कलेक्ट्रेट के समक्ष एकत्रित होकर चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाइ की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे।

परिजनों ने बताया कि घटना के दूसरे दिन डॉक्टर के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया गया था और सीएमएचओ ने तीन दिन में जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सीएमएचओ के तीन दिन आश्वासन देने के बाद भी प्रसूता की मौत को लेकर गठित कमेटी द्वारा जांच रिपोर्ट नही देने से सरगरा समाज में आक्रोश फैल गया। वहीं कलेक्टर को ज्ञापन देने के लिए जाते समय सरगरा समाज ने जिला कलेक्टर को बाहर आकर ज्ञापन लेने के लिए मांग करने लगे, लेकिन जिला कलेक्टर के बाहर नहीं आने पर नाराज समाज के लोगों ने आहोर चौराहे से अस्पताल जाने वाली सड़क को करीब आधे घंटे तक जाम कर दिया और जमकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने समझाइश कर लोगों को शांत कराया, लेकिन उन्होंने कहा कि जब तक डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी, तब तक धरना जारी रखेंगे।

मृतक महिला के जेठ जेठाराम ने बताया कि सियाणा के चांदणा निवासी खुशबु पत्नी जितेन्द्र कुमार सरगरा के डिलीवरी के समय दर्द होने पर जिला मुख्यालय स्थित एमसीएस हॉस्पिटल लेकर आए थे। जहां मौजूद महिला डॉ. कमला भारती ने उसका इलाज शुरू किया। डॉक्टर ने कहा था कि शाम सात बजे तक डिलीवरी हो जाएगी और इलाज शुरू कर दिया। शाम तक डॉक्टर कहती रही कि सब कुछ नॉर्मल है। डिलीवरी भी नॉर्मल हो जाएगी। जिसके बाद शाम होते-होते डॉक्टर कमला ने कहा कि ऑपरेशन करना पडेगा। परिजनों ने इसकी सहमति दे दी।

करीब रात आठ बजे डॉ. कमला भारती खुशबू को ऑपरेशन थिएटर ले गई। इसके बाद बाहर से बेहोशी (एनेस्थीसिया) के लिए इंजेक्शन मंगवाए। एक के बाद एक दो इंजेक्शन खुशबू को लगा दिए। इंजेक्शन लगाने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिससे उसकी मौत हो गई। जिसकी डॉक्टर ने हमें कोई जानकारी नहीं दी और रात नौ बजे पाली रेफर कर दिया। खुशबू की धड़कन नहीं चल रही थी। परिजनों ने कहा कि खुशबू हिल-डुल भी नहीं रही थी। इस पर कमला भारती ने कहा कि बेहोशी के इंजेक्शन लगे हैं, इसलिए नहीं हिल रही है। इसे पाली ले जाओ। परिजन एंबुलेंस से रात 9.30 बजे पाली के लिए रवाना हुए। जालोर से 20 किलोमीटर चलने के बाद प्रसूता को आहोर के प्राइवेट हॉस्पिटल में चेक कराया, जिसमें डॉक्टर ने बताया कि उसकी एक घंटे पहले मौत हो चुकी थी। सरगरा समाज ने ज्ञापन सौपकर चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई। इस दौरान काफी संख्या में सरगरा समाज के लोग मौजूद रहे।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कॉपी चैकिंग मामले में चार टीचर सस्पेंड

- **स्वयं के बजाय इन्टर्न से कॉपी चैक करवाई, महिला लेक्चरर ने देखा तो फोटो वीडियो वायरल किए**

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की कॉपी जांच के प्रति सरकारी स्कूल के टीचर्स कितनी गंभीरता बरतते हैं, इसके कई उदाहरण पिछले दिनों सामने आया। इस पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने गंभीर कार्रवाई करते हुए चार टीचर्स को सस्पेंड कर दिया है। इनमें किसी ने स्वयं को आवंटित कॉपी अस्थायी टीचर्स को जांचने के लिए सौंप दी तो किसी ने इसी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भेज दिया। इतना ही नहीं कुछ टीचर्स तो कॉपी की जांच का कुछ काम अपने परिजनों को सौंप दिया। कॉपी के वीडियो तक सोशल मीडिया पर डाल दिए गए। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर निदेशालय ने निलंबन की कार्रवाई की है।

निदेशालय की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक बोर्ड की दसवीं क्लास की 2025 परीक्षा के गणित विषय की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के संबंध में ओमप्रकाश सैनी, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, रेलवे स्टेशन, अलवर को आवंटित की गई। परीक्षक द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन सुरक्षित एवं गोपनीय रूप से नहीं कर इन्टर्न कर रहे छात्रों के समक्ष खुली छोड़कर अन्यत्र चले जाने से इसी विद्यालय की हिन्दी साहित्य की व्याख्याता मीनाक्षी अरोड़ा ने उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो खींचकर मीडिया में दे दी। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन गोपनीय रूप से नहीं किये जाने एवं कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही पूर्वक किये गये कृत्य के कारण जांच में दोषी पाये जाने पर मीनाक्षी अरोड़ा, व्याख्याता एवं ओमप्रकाश सैनी वरिष्ठ अध्यापक को तत्काल निलम्बित कर दिया गया।

इसी प्रकार माध्यमिक परीक्षा 2025 के संस्कृत विषय की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए भवरूद्दीन, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बागोट, डीडवाना-कुचामन को आवंटित की गई। परीक्षक ने अपने साथी प्रदीप कुमार शर्मा, अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, निम्बड़ी, मकराना का सहयोग लिया। प्रदीप कुमार शर्मा ने अपने पिता से भी केजिंग करवाई गई। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन गोपनीय रूप से नहीं किये जाने एवं कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही पूर्वक किये गये कृत्य के कारण जांच में दोषी पाये जाने पर भवरूद्दीन, वरिष्ठ अध्यापक एवं श्री प्रदीप कुमार शर्मा, अध्यापक को तत्काल निलम्बित कर दिया गया।

संस्कृत की कॉपी किराना की दुकान पर चैक हो रही थी। इसका वीडियो भी बनाया गया। इसी वीडियो के आधार पर कार्रवाई की गई है। माध्यमिक परीक्षा संस्कृत विषय की 366 उत्तर पुस्तिकाऐ शाला दर्पण पर पंजीकृत शिक्षक भवरूद्दीन, वरिष्ठ अध्यापक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बागोट, डीडवाना-कुचामन को आवंटित की गई थी। मामले की शिकायत मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच की, जिसमें पता चला कि कॉपी चैक करने के बजाय भवरुदीन ने ये कॉपी प्रदीप कुमार शर्मा, राउ माध्यमिक विद्यालय, निम्बड़ी, मकराना को दे दी। कॉपी चैक के बाद उसके पिता भी कॉपी पर काम करते वीडियो में नजर आ रहे हैं। जांच में सामने आया है कि चारों टीचर्स ने गोपनीयता भंग करने का काम किया। किसी ने कॉपी रिकार्ड पर ली और बाद में चैक करने के लिए दूसरे साथी को दे दी। किसी भी कॉपी को आगे नहीं दिया जा सकता। इसी तरह कॉपी को खुला छोड़ने की शिकायत करने के बजाय महिला टीचर ने उसका फोटो और वीडियो मीडिया को दिया लेकिन अपने विभाग को सूचना नहीं दी। ऐसे में प्रकरण के संबंध में प्रमाण देने वाली टीचर पर भी कार्रवाई की गई है।

सौ मॉडल तालाबों का चयन कर गहरा कराने का कार्य कराने वाला पहला जिला बना डूंगरपुर

स्वच्छ भारत मिशन एसबीएम के प्रदेश समन्वयक के.के. गुप्ता ने डूंगरपुर जिले के दोवड़ा ब्लाक में चयनित दोवड़ा, फलौज एवं पगारा पंचायत के मॉडल तालाब का निरीक्षण किया

- **स्वच्छ भारत मिशन के प्रदेश समन्वयक के.के. गुप्ता की पहल पर कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने जल क्रान्ति की अनूठी मुहिम शुरू कराई**

डूंगरपुर। दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी बहुल डूंगरपुर जिले ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "जल है तो कल है" के मूल मंत्र को अंगीकार करते हुए जिले के 100 मॉडल तालाबों का चयन कर उन्हें गहरा कराने एवं साफ सफाई तथा सौन्दर्यकरण का कार्य हाथ में लिया है। ऐसा करने वाला डूंगरपुर राजस्थान का पहला जिला है।

स्वच्छ भारत मिशन एसबीएम के प्रदेश समन्वयक के.के. गुप्ता की पहल पर जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह द्वारा शुरू कराई जल क्रान्ति की इस अनूठी मुहिम के अन्तर्गत जिले की दस पंचायत समितियों के प्रत्येक ब्लॉक में दस-दस तालाबों का चयन कर उन्हें गहरा कराने का काम शुरू कर दिया गया है। जिले के 100 तालाबों की गहराई बढ़ने से मानसून की वर्षा में इनमें अधिक पानी का संचय हो सकेगा तथा डूंगरपुर जिले में शुरू किया गया जलक्रांति का यह शंखनाद पूरे प्रदेश के लिए एक आदर्श मॉडल बनेगा। जल संचय की इस अनूठी मुहिम को धरातल पर लाने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ ने जिले के ग्राम पंचायत क्षेत्रों में पड़ने वालों तालाबों की साफ़ सफाई और उनमें जमी मिट्टी को बाहर निकाल कर उन्हें गहरा करने के लिए मनरेगा के श्रमिकों को लगाया गया है और कार्य की निगरानी के लिए प्रभारी अधिकारी भी नियुक्त किए गए है। इस साल मानसून की मेहर रही तो डूंगरपुर जिले की यह मेहनत ऐसा रंग लाएगी कि देश विदेश में यह एक बेजोड़ उदाहरण बन जाएगी।

राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप एक बार फिर डूंगरपुर जिले में जल संचय का बीडा उठाया गया है। जिले के दस ब्लाक में चयनित सौ तालाबों की जलभराव क्षमता बढ़ाने जलआवक मार्गो से अवरोध हटाएं जा रहे है, तालाब की डिसल्टिंग की जा रही है। झांडियों की कटाई, पालों की मरम्मत और सौंदर्यकरण के कार्य किए जा रहे हैं।

एसबीएम के प्रदेश समन्वयक के.के. गुप्ता ने डूंगरपुर जिले के दोवड़ा ब्लाक में चयनित दोवड़ा, फलौज एवं पगारा पंचायत के मॉडल तालाब का निरीक्षण किया और इनमें चल रहे कार्यो और तालाबों की बदलती तस्वीर पर संतोष जताया। गुप्ता ने अधिकारियों और कार्मिकों का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि जल संचय के लिए बहाया जा रहा यह पसीना व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने वेलडन कहकर सभी की सराहना की और उन्होंने प्रशासन की कार्यशैली की सराहना की।

गुप्ता ने जन साधारण से अपील की है कि वे जिले के तालाबों की गहराई बढ़ाने और उनका सौंदर्यकरण करने की इस पवित्र मुहिम में एक दिन का श्रमदान कर अपना योगदान प्रदान करें और अपनी क्षमता अनुरूप तालाब की डिसल्टिंग (मिट्टी निकालने) कार्य में हाथ बढ़ाएं। साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जल संचय अभियान को अपना अभियान बना कर सफल बनाएं। मानसून के दौरान यह तालाब जल संचय का संगीत सुनाएंगे और जनजीवन और पशुओं के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। गुप्ता द्वारा किए निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त विकास अधिकारी गिरीश कलाल, सहायक अभियंता पुनमचंद मेघवाल, दयाशंकर परमार, जेटीए कीर्ति वैष्णव, ग्राम विकास अधिकारी प्रेमशंकर परमार सहित मेट एवं ग्रामीण मौजूद थे।

नीट छात्रा की आत्महत्या का मामला : जान देने के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज

- **परिजनों के अनुसार बालिका कुछ मानसिक रूप से भी परेशान थी और उसकी दवाइयां भी चल रही थी**
- **छात्रा ने किसी युवक से बात करते हुए ही घटना को अंजाम दिया था, मृतक छात्रा के परिजन बिना पोस्टमार्टम के शव ले जाना चाहते थे**

कोटा, (निसं)। जम्मू-कश्मीर से कोटा आकर मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम नीट यूजी की तैयारी कर रही छात्रा की आत्महत्या का मामला 25 मई को सामने आया था। इस मामले में कोटा की महावीर नगर थाना पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया है।

थानाधिकारी महावीर नगर रमेश कविया ने बताया कि घटनाक्रम के बाद छात्रा के शव को मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया था। परिजनों को भी संबंध में सूचना दी गई थी। परिजन मंगलवार सुबह कोटा पहुंचे। उन्होंने आत्महत्या के संबंध में शिकायत दी है। सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों के अनुसार इस मामले में भी भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया जाएगा। जानकारी के अनुसार छात्रा ने किसी युवक से बात करते हुए ही घटना को अंजाम दिया था। मृतक छात्रा के परिजन बिना पोस्टमार्टम के शव ले जाना चाहते थे। वह जम्मू-कश्मीर से आने के पहले भी यह बात कर चुके थे। कोटा पहुंचने के बाद भी पुलिस से उन्होंने यही बात कही थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के हाल ही में दिए दिशा-निर्देश का हवाला देते हुए पुलिस ने पोस्टमार्टम को जरूरी बताया। परिजनों से समझाइश की। इसके बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम में सहमति दी है।

महावीर नगर थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि परिजनों के अनुसार बालिका कुछ मानसिक रूप से भी परेशान थी और उसकी दवाइयां भी चल रही थी। सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देश अनुसार हमने मुकदमा दर्ज किया। उसके बाद ही पूरा क्लियर हो पाएगा।

नाबालिग से अश्लील हरकतें

- **पीड़िता के पिता की शिकायत पर पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज हुआ**

अजमेर, (कासं)। नसीराबाद रेलवे स्टेशन पर एक नाबालिग बालिका के साथ अश्लील हरकतें और जबरदस्ती का प्रयास करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की शिकायत पर नसीराबाद सिटी थाने में पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार पीड़ित पिता ने बताया कि उनकी नाबालिग पुत्री कोचिंग करती है। वह गत 21 मई को सांवरिया सेठ और चित्तौड़गढ़ से दर्शन कर लौट रही थी। नसीराबाद रेलवे स्टेशन पर सुबह जब वह उतरी तब एक परिचित युवक उसे मिला और बातचीत करते हुए बहला-फुसलाकर एकांत स्थान पर ले गया। वहां उसने अश्लील हरकतें करते हुए जबरदस्ती का प्रयास किया। जब नाबालिग ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे धमकाया कि यदि उसने किसी को बताया तो उसका जीना मुश्किल कर देगा। पीड़िता के अनुसार आरोपी युवक के साथ उसके दो अन्य साथी भी मौजूद थे। जब बालिका घर पहुंची तो उसकी गर्दन पर नाखून के निशान देखकर परिजनों को संदेह हुआ। पूछताछ करने पर पीड़िता ने आपबीती सुनाई। इसके बाद जब परिजनों ने आरोपी को फोन कर बात की तो उसने लड़की को उठा ले जाने की धमकी दी। इतना ही नहीं उसके साथियों ने भी फोन पर गाली-गलौच कर धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विधवा के घर से 5.50 लाख की नगदी और जेवर चोरी

वारदात के बाद संदूक घर से लगभग 500 मीटर दूर खेत में मिली, जिसके ताले और कुंदे टूटे हुए थे।

- **महिला की चार बेटियों की शादी अगले महीने प्रस्तावित थी, जिसके लिए उसने रकम व जेवर घर में रखे थे**
- **महिला संती देवी ने बताया कि यह रकम बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद मिले बीमा क्लेम से प्राप्त हुई थी**

नारायणपुर, (निसं)। नारायणपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नांगलहेडी में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक विधवा महिला के घर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। महिला की चार बेटियों की शादी अगले महीने प्रस्तावित थी, जिसके लिए उसने बेटे के सड़क दुर्घटना में मौत के बाद प्राप्त बीमा क्लेम से बैंक से निकाली गई रकम व जेवर घर में रखे हुए थे।

पीड़िता संती देवी पत्नी स्व. झूथाराम गुर्जर ने बताया कि वह अपनी तीन बेटियों के साथ बैठक के कमरे में कूलर चलाकर सोई हुई थी। इसी दौरान चोरों ने घर के पिछले हिस्से की दीवार में लगी सीमेंट की जाली को तोड़कर घर में प्रवेश किया। चोरों ने दो संदूकों के कुंदे तोड़कर उनमें रखे करीब 5.5 लाख रुपये नकद और 1.5 किलो चांदी के जेवर जिनमें पायजेब, हंसली, चेन, अंगूठी, पौंछी आदि चोरी कर फरार हो गए। सुबह करीब छह बजे जब संती देवी की नींद खुली तो घर के मुख्य दरवाजे की कुंडी अंदर से लगी मिली। संदेह होने पर पीछे जाकर देखा तो खिड़की की जाली टूटी हुई थी। जांच करने पर एक संदूक गायब मिली और दूसरी संदूक टूटी हुई मिली। महिला ने तत्काल आस-पास के लोगों को सूचित किया और नारायणपुर थाने में सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। खोजबीन के दौरान एक संदूक घर से लगभग 500 मीटर दूर खेत में मिली, जिसके ताले और कुंदे टूटे हुए थे। संती देवी ने बताया कि यह रकम और जेवर उनके बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद मिले बीमा क्लेम से प्राप्त हुए थे, जिन्हें उन्होंने चार बेटियों की शादी के लिए सहेजकर रखा था। अब यह पूरी पूंजी चोरी हो जाने से वे बेहद सदमे में हैं। पीड़िता एक गरीब विधवा महिला हैं और परिवार में कमाने वाला कोई नहीं है। उन्होंने प्रशासन से न्याय की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आबकारी विभाग के दो कर्मचारियों ने नाबालिग से कुकर्म किया

बताया जा रहा है कि आरोपी तीन दिन से बच्चे का शोषण कर रहे थे

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर आबकारी विभाग के दो कर्मचारियों के नाबालिग से कुकर्म का मामला सामने आया है। बच्चे ने घटना की जानकारी परिवार को दी। गुस्साए परिवार और पड़ोसियों ने एक्साइज ऑफिस में हंगामा कर दिया। भीड़ ने एक आरोपी को पीट दिया, जबकि दूसरा आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना सोमवार रात आठ बजे अनूपगढ़ के आबकारी निरोधक दल के ऑफिस की है। बताया जा रहा है कि आरोपी तीन दिन से बच्चे का शोषण कर रहे थे।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि पीडित नाबालिग अपने दोस्तों के साथ प्राचीन गढ़ क्षेत्र में क्रिकेट खेलने जाता था, जहां आबकारी निरीक्षक दल का भी ऑफिस है। इसी दौरान आबकारी निरोधक दल के सिपाही प्रताप सिंह और प्राइवेट ऑपरेटर देवीलाल बीते 3 दिनों से उसके साथ मारपीट कर कुकर्म कर रहे थे। रात को भी दोनों आरोपियों ने नाबालिग से मारपीट कर बारी-बारी से कुकर्म किया।

परिजनों ने बताया कि बच्चे को आरोपी डराया-धमका रहे थे, इसी कारण उसने किसी को कुछ नहीं बताया। दर्द से तड़पता हुआ पीड़ित रात करीब आठ बजे रोता हुआ घर पहुंचा। बार-बार पूछने पर भी वह कुछ बताने को तैयार नहीं था, लेकिन हिम्मत कर उसने घटना के बारे में बताया। इसके बाद परिजन, पड़ोसी और अन्य स्थानीय लोग आबकारी कार्यालय पहुंच गए। भीड़ को आता देख एक कार्मिक मौके से फरार हो गया।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जा चुका है और पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। इससे पहले मारपीट की सूचना पर रात 11 बजे पुलिस एक्साइज ऑफिस पहुंची थी। भीड़ से घिरे आरोपी को पुलिसकर्मियों ने बड़ी मुश्किल से छुड़ाया। रात को ही परिवार की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया। वहीं, बीकानेर आबकारी जोन के एडिशनल कमिश्नर रियाजुद्दीन उस्मानी ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

मैं अगले सीजन चेन्नई में वापसी कर कर सकता हूं। चेन्नई का आईपीएल 2025 में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा। ये टीम इस सीजन में सिर्फ चार ही मैच जीत सकी और प्लेऑफ में नहीं जा सकी। - सुरेश रैना

भारतीय बल्लेबाज, मैच के दौरान कॉमेंट्री करते हुए वापसी के संकेत दिये।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव

मुंबई इंडियंस के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सूर्यकुमार यादव के नाम है। सूर्यकुमार यादव ने जारी सीजन में 14 पारियों में 640 रन बनाए हैं। वह आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। सूर्यकुमार ने जारी सीजन में पांच अर्धशतक लगाए हैं। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने मुंबई इंडियंस के लिए 2010 में एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने 618 रन बनाए थे। मुंबई इंडियंस के पूर्व बल्लेबाज सचिन का ये रिकॉर्ड 15 साल तक कायम रहा।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल में फास्टेस्ट शतक का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 2013 बेंगलुरु में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ खेलते हुए महज 30 गेंदों में सेंचुरी ठोकी थी।

पंत ने बिखेरी चमक मगर जीत के साथ आरसीबी शीर्ष दो पर

लखनऊ, 27 मई। रिषभ पंत (118 नाबाद) के शानदार शतक पर विराट कोहली (54) और कप्तान जितेश शर्मा (85) के अर्धशतक भारी पड़ गये जिसके चलते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को आसानी से छह विकेट से हरा कर अंकतालिका में शीर्ष दो टीमों में अपनी जगह पक्की कर ली। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम पर एलएसजी ने पहले खेलते हुये तीन विकेट पर 227 रन बनाये जिसके जवाब में आरसीबी ने विजय लक्ष्य आठ गेंद शेष रहते चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।

बेंगलुरु के लिये विराट कोहली ने फिल साल्ट (30) के साथ तेज शुरुआत की और दोनो ने पहले पॉवर प्ले में दस से ऊपर के रन औसत से 61 रन बना लिये थे मगर साल्ट छठे ओवर में आकाश सिंह का शिकार बन कर पवेलियन लौट गये। उधर कोहली ने रन रफ्तार कम नहीं होने दी मगर वह भी अपना अर्धशतक पूरा होने के बाद ज्यादा समय तक क्रीज पर नहीं टिक सके और आवेश खान की गेंद पर आउट हो गये। इससे पहले विलियम ओरूर्क ने रजत पाटीदार (14) और लियम लिविंगस्टन (0) को लगातार दो गेंदो पर आउट कर एलएसजी की उम्मीदों को हवा दी मगर जितेश शर्मा ने मंयक अठावाल (41) के साथ मिल कर अपनी टीम को जीत दिला दी। जितेश ने अपनी मैच जिताऊ पारी के दौरान मात्र 33 गेंदो

पर आठ चौके और छह छक्के लगाये जबकि दूसरे छोर पर मयंक ने 23 गेंदों की पारी में पांच चौके जड़े।

इससे पहले पंत और मिचेल मार्श (67) ने 152 रनों की बेहतरीन साझीदारी कर इकाना के मैदान पर एलएसजी का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इंग्लैंड दौरे से पहले पंत का फार्म में लौटना भारतीय खेमे के लिये सुखद अहसास लेकर आया है। आईपीएल के मौजूदा सत्र के सबसे मंहगे खिलाड़ी रिषभ का बल्ला एक मैच को छोड़कर अब तक पूरे टूर्नामेंट में शांत रहा था मगर मैथ्यू ब्रीत्ज़के (14) के जल्द आउट होने के बाद क्रीज पर आये पंत के तेवर आज आक्रामक थे। उन्होने मैदान पर आते ही मैदान के चारों ओर शानदार चौकों और छक्कों की बरसात शुरु कर दी और देखते ही देखते उन्होने मौजूदा आईपीएल सत्र में अपना दूसरा अर्धशतक 29 गेंदों पर सुयश शर्मा को सीमा रेखा के पार पहुंचा कर किया।

पैरा एथलीट सुमित अंतिल और महेंद्र गुर्जर ने भाला फेंक स्पर्धा में जीते स्वर्ण पदक

नॉटविल (स्विट्जरलैंड), 27 मई। भारतीय पैरा एथलीट सुमित अंतिल और महेंद्र गुर्जर ने विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2025 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धाओं की दो श्रेणियों में स्वर्ण पदक जीते। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) से प्राप्त जानकारी के अनुसार पैरालिंपिक में दोहरा स्वर्ण पदक जीतने वाले सुमित अंतिल ने नॉटविल वर्ल्ड पैराएथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2025 में पुरुष एफ 64 श्रेणी में 72.35 मीटर भाला फेंक कर में शीर्ष स्थान हासिल किया। महेन्द्र गुर्जर ने एफ 42 वर्ग में 61.17 मीटर भाला फेंक कर विश्व रिकॉर्ड बनाने के साथ स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने शुरुआती दो प्रयास 56.11 और 55.51 मीटर भाला फेंका। उल्लेखनीय है कि स्विट्जरलैंड के नॉटविल में 23 से 26 मई तक विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2025 का आयोजन किया गया था।

नॉर्वे शतरंज के पहले दौर में मैग्नस कार्लसन ने डी. गुकेश को हराया

स्टावेंजर (नॉर्वे), 27 मई। नॉर्वे शतरंज के पहले दौर में भारतीय ग्रैंड मास्टर डी गुकेश को मैग्नस कार्लसन से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, महिला वर्ग में भारत की हम्पी कोनेरू ने वैशाली रमेशबाबू को हराकर दिन की शुरुआत की। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने सफेद मोहरों के साथ खेलते हुए नॉर्वे शतरंज के पहले दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराया और चार घंटे से अधिक समय तक चले मैच में अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन करते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। यह मुकाबला 55 चालों के बाद समाप्त हुआ, जिसमें कार्लसन ने भारतीय खिलाड़ी की एक चूक का फायदा उठाते हुए मैच अपने पक्ष में कर लिया। महिला वर्ग में भारत की हम्पी कोनेरू ने वैशाली रमेशबाबू के खिलाफ निर्णायक जीत दर्ज की। हम्पी ने शांत और सटीक खेल का प्रदर्शन करते हुए अंतिम चरण में वैशाली की गलती का फायदा उठाते हुए जीत हासिल की। अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारुआना के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। खेल के दौरान नाकामुरा ने ड्रॉ का प्रस्ताव रखा, लेकिन कारुआना ने काले मोहरों से खेलते हुए मुकबला जीत लिया। वेई यी और अर्जुन एरिगैसी के बीच हुआ मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद 'आर्मागेडन' नामक शानदार खेल में अर्जुन ने वेई यी के दबाव से निकलते हुए जीत दर्ज की।

ड्रीम यूटीटी जूनियर्स टूर्नामेंट कल अहमदाबाद में होगा शुरू

अहमदाबाद, 27 मई। ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन (डीएसएफ) और अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के सहयोग से अहमदाबाद में 29 मई से शुरु होने वाले ड्रीम यूटीटी जूनियर टूर्नामेंट में आठ टीमों के 16 खिलाड़ी खेलेंगे। अहमदाबाद के ईकेए एरिना में होने 29 मई से आठ जून तक होने वाले इस अंडर-15 टेबल टेनिस टूर्नामेंट में देश भर के 16 प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपना प्रदर्शन करेंगे। इनमें आठ-आठ लड़के और लड़कियों के वर्ग खिलाड़ी है। इन खिलाड़ियों को आठ फ्रेंचाइजी में जगह दी गई है। यह टूर्नामेंट 11 दिनों तक चलेगा। इसमें पहले ग्रुप चरण के मुकाबले खेले जायेगे। सेमीफाइनल सात जून और फाइनल आठ जून को खेला जायेगा।

क्वालीफायर-एलिमिनेटर मुकाबलों पर तेज बारिश का साया

चंडीगढ़, 27 मई। चंडीगढ़ के पास बने मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ मुकाबलों पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है। चंडीगढ्ढ में मौसम विभाग के डायरेक्टर सुरिंदर पॉल ने अनुमान जताया है कि 29 और 30 मई को यहां बारिश के साथ तेज हवा भी चलेगी। इसका असर चंडीगढ्ढ, पंजाब और हरियाणा में दिखाई देगा। समस्या यह है कि मुल्लांपुर स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ मुकाबले भी 29 और 30 मई को ही खेले जाने हैं। मौसम विभाग की इस चेतावनी पर पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन का कहना है कि उनकी ओर से दोनों मैचों की पूरी तैयारी है। दोनों दिनों में बारिश कैसी होती है, इस पर उनकी नजर रहेगी। बता दें कि 22 मार्च से चल रहा इंडियन प्रीमियर लीग टूर्नामेंट अब अपने अंतिम चरण में है, 28 मई को कोई मैच नहीं है। क्वलीफायर-1 और एलिमिनेटर मुकाबले मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में होने हैं। हालांकि, इनमें कौन सी टीमें भिड़ेंगी, इसका फैसला आज के मैच के बाद होगा।

सूर्यकुमार यादव एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

मुंबई, 27 मई। मुंबई इंडियंस के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सूर्यकुमार यादव के नाम है। सूर्यकुमार यादव ने जारी सीजन में 14 पारियों में 640 रन बनाए हैं। वह आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। सूर्यकुमार ने जारी सीजन में पांच अर्धशतक लगाए हैं। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने मुंबई इंडियंस के लिए 2010 में एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने 618 रन बनाए थे। मुंबई इंडियंस के पूर्व बल्लेबाज सचिन का ये रिकॉर्ड 15 साल तक कायम रहा। आईपीएल 2025 में भी सूर्यकुमार यादव ने एक सीजन में मुंबई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए थे।

आईपीएल 2025 फाइनल में गूंजेगा जय हिंद!

बीसीसीआई ने तीनों सेना प्रमुखों और सैनिकों को भेजा निमंत्रण

नई दिल्ली, 27 मई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि तीनों सेनाओं के प्रमुखों, शीर्ष रैंक वाले अधिकारियों और सैनिकों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल के लिए निमंत्रण भेजा गया है, जो 3 जून को अहमदाबाद में होगा। आईपीएल का खिताबी मुकाबला 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार तनाव के कारण टूर्नामेंट के चल रहे संस्करण को 9 मई को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर भी चलाया था।बीसीसीआई द्वारा यह कदम ऑपरेशन की सफलता का जश्न मनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। सैकिया ने एएनआई को बताया कि हमने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए अहमदाबाद में होने वाले आईपीएल फाइनल के लिए सभी भारतीय सशस्त्र सेना प्रमुखों (जनरल उपेंद्र द्विवेदी, थल सेना प्रमुख, एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, नौसेना प्रमुख और एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह, वायु सेना प्रमुख), शीर्ष रैंक के अधिकारियों और सैनिकों को आमंत्रित किया है। ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की निर्णायक सैन्य प्रतिक्रिया थी। 7 मई को शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े 100 से ज़्यादा आतंकवादी मारे गए। हमले के बाद, पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा और जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से गोलाबारी की और साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन हमलों का प्रयास किया, जिसके बाद भारत ने एक समन्वित हमला किया और पाकिस्तान के 11 एयरबेसों में रडार इंफ्रास्ट्रक्चर, संचार केंद्रों और हवाई क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाया।

देश-विदेश के सोलह खिलाड़ियों को सॉफ्ट हॉकी एक्सीलेंसी अवार्ड

जयपुर, 27 मई। एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया और राजस्थान सॉफ्ट हॉकी एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में देश-विदेश के 16 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 'सॉफ्ट हॉकी एक्सीलेंसी अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

समारोह जयपुर स्थित विधानसभा के कांस्टीट्यूशनल क्लब में संपन्न हुआ, जहां उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। ये खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं तथा पहली सॉफ्ट हॉकी लीग में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए चयनित किए गए थे। सम्मान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में सीनियर पुरुष वर्ग से 6, सीनियर महिला वर्ग से 5, जूनियर बालक वर्ग से 3 तथा जूनियर बालिका वर्ग से 2 खिलाड़ी शामिल हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा में मुख्य सचेतक जागेश्वर गर्ग, राजदीपक रस्तोगी कुमार लाखोटिया, डॉ. एम.एल. स्वर्णकार, प्रो. अमरीका सिंह, डॉ. अनुराग तोमर, आईजी संदीप चौहान और पूर्व ओलंपियन गोपाल सैनी, पूर्व कुलपति जे पी शर्मा, चंद्रशेखर दुबे (भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष), राजेंद्र सिंह (भाजपा प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने इस नए प्रारूप की सराहना करते हुए कहा, जयपुर से शुरू हुआ यह खेल आज 18 देशों में खेला जा रहा है, जो गौरव का विषय है।

'हर घर हॉकी' अभियान की घोषणा : कार्यक्रम के दौरान फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष पंत ने घोषणा की कि सॉफ्ट हॉकी को जन-जन तक पहुँचाने के लिए हर घर हॉकी अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत जयपुर शहर में एक लाख हॉकी स्टिक वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, महासचिव रमेश सिंह ने बताया कि दूसरी सॉफ्ट हॉकी लीग की तिथि और कार्यक्रम की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

सम्मानित खिलाड़ियों की सूची

सीनियर पुरुष वर्ग: योगेश कुमार बारघर, पुलकित केसरी, विशाल शाक्य, कार्तिक सोपान, प्रतीक पाराशर, मोहित मीणा।

सीनियर महिला वर्ग: रीना बालावत, लक्षिता महावर, बीना पांडे, कीर्ति, खुशबू कुमारी।

जूनियर बालक वर्ग: अमित सिंह, मनवीर सिंह, तनसुख।

जूनियर बालिका वर्ग: चन्द्रकला पांडे, आरती कंवर।

सिंधु और प्रणय ने सिंगापुर ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

सिंगापुर, 27 मई। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और पुरुष वर्ग में एचएस प्रणय ने सिंगापुर ओपन में मंगलवार को अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये महिला एकल वर्ग के मुकाबले में सिंधू ने कनाडा की वेन यु झांग को सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। सिंधू ने 31 मिनट तक चले मुकाबले में झांग को 21-14, 21-9 से हराया। इसी के साथ भारतीय शटलर का पहले राउंड में हार का सिलसिला समाप्त हो गया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू अगले दौर में मुकाबला टोक्यो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता चीन की यू फेई से होगा। पुरुष एकल में भारत के एचएस प्रणय ने डेनमार्क के रासमस गेम्के के खिलाफ वापसी करते हुए एक घंटे 12 मिनट में 21-19, 16-21, 14-21 से मुकाबला जीत लिया। एक घंटा 12 मिनट तक चले मुकाबले में पहला गेम हारने के बाद प्रणॉय ने शानदार वापसी करते हुए दोनों गेम में जीत हासिल करते हुए प्री-क्वार्टर में प्रवेश किया। इस बीच, हार के साथ मालविका बंसोड़ और अनमोल खरब का अभियान समाप्त हो गया। मालविका संघर्षपूर्ण मुकाबले में थाईलैंड की सुपनिदा कटेथोंग से 21-14, 18-21, 11-21 से हारी। जबकि अनमोल को चीन की चेन यूफेई से दूसरे गेम में करीबी हार मिली।

गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर में जीता स्वर्ण पदक

गुमी (दक्षिण कोरिया), 27 मई। भारतीय एथलीटों ने मंगलवार को एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीते। दक्षिण कोरिया के गुमी में आयोजित चैंपियनिशप में भारतीय धावक गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता और सर्विन सेबेस्टियन ने 20 किमी पदल चाल स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में अन्नू रानी चौथे स्थान पर रहने के बाद 26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पोडियम स्थान से चूक गईं। पुरुषों की तीन हजार मीटर, पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर में भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर ने गुमी में 10 हजार मीटर स्पर्धा 28:38.63 का समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं जापान के मेबुकी सुजुकी ने (28:43.84) समय के साथ रजत और बहरीन के अल्बर्ट किबिची रोप ने (28:46.82) समय के साथ कांस्य पदक जीता।

इंग्लैंड की गोलकीपर मैरी इयरप्स ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लिया

लंदन, 27 मई। इंग्लैंड महिला फुटबॉल टीम की गोलकीपर मैरी इयरप्स ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। इयरप्स ने स्विट्जरलैंड में लियोनेस में होने वाली यूरोपीय चैम्पियनशिप की शुरुआत से पांच सप्ताह पहले आज अपने संन्यास की घोषणा की है। इयरप्स ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि यह मेरे लिए सही समय है कि मैं हट जाऊं और युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने का मौका दूं। उन्होंने कहा कि 2022 में यूरो जीतना मेरे जीवन का सबसे अच्छा दिन था। उन्होंने कहा कि अपने देश का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। काश मैं इसे हमेशा के लिए कर पाती, सभी अच्छी चीजों का अंत होना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं चाहती हूं कि इस बार फिर हमारी टीम ऐसा करे। इयरप्स ने इंग्लैंड के लिए आठ वर्षों में 53 सीनियर मैच खेले। इयरप्स को 2023 में बीबीसी स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर चुना गया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में आयोजित 2023 विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए गोल्डन ग्लव जीता था। उन्होंने 2022 और 2023 में सर्वश्रेष्ठ फीफा गोलकीपर का पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इंग्लैंड फुटबॉल टीम की मैनेजर सरीना विगमैन ने कहा कि मुझे उम्मीद थी कि मैरी इयरप्स इस गर्मी में टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, इसलिए उनके संन्यास की घोषणा से निश्चित रूप से मैं निराश हूं।

पी एंड टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) ने अरावली क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 27 मई । जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के नॉक आउट मुकाबले में के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए पहले सेमी फाइनल मैच में पी एंड टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) ने अरावली क्रिकेट क्लब को 58 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

पी एंड टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नरेश गहलोत के 55 रन, रजत छपरवाल के 34 रन, सौरभ चौहान के 39 रन, अजीम अख्तर के 23 रन, भैरा राम के 85 रनों से 40 ओवर में 9 विकेट पर 267 रन बनाए। अरावली क्रिकेट क्लब के लिए जय गोयल ने 48 पर 2, देवेंद्र शर्मा ने 39 पर 2, शोभित मिश्रा, अमर सोनी व जुनेद अगवान ने एक - एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में अरावली क्रिकेट क्लब ने शोभित मिश्रा के 28 रन, कुणाल सिंह के 45 रन, देवेंद्र शर्मा के 50 रन, जय गोयल के 16 रन हंसराज रोलानिया के 26 रन व रिषभ मोदी के 24 रनों से 40 ओवर में 9 विकेट पर 209 रन ही बना सकी। पी टी क्रिकेट क्लब के लिए भैरा राम ने 44 पर 2, सुनील श्योराण ने 27 पर 2, चंद्र पाल सिंह ने 29 पर 2, रवि शर्मा, नरेश गहलोत व रजत छपरवाल ने एक - एक विकेट लिया। दूसरा सेमी फाइनल मैच यूनियन क्रिकेट क्लब व श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल के मध्य खेला जाएगा।

रिन्डरकनेच को हराकर सिनर ने फ्रेंच ओपन में अपने अभियान की शुरुआत की

पेरिस, 27 मई। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच पर जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत की। कोर्ट फिलिप चैटरियर में सोमवार को तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध के बाद अपना पहला ग्रैंड स्लैम मैच खेल रहे इटली के सिनर ने अपने फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी रिंडरकनेच को 6-4, 6-3, 7-5 से हराया। दूसरे दौर में सिनर का मुकाबला फ्रांस के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रिचर्ड गैस्केट से भिड़ेगे। मैच के बाद सिनर ने कहा कि पहले दौर के मैच कभी भी आसान नहीं होते। मैं विशेषकर तीसरे सेट में इस स्थिति से निपटने के तरीके से बहुत खुश हूं। उसने सर्विस के दौरान कुछ गलतियाँ कीं, जिससे मुझे कुछ मदद मिली।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

रिहान व अभय के शतक व उमेश की गेंदबाजी से एसजे एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 27 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज एस.जे. पब्लिक स्कूल क्रिकेट ग्राउण्ड, जयपुर पर खेले गये पूल-एफ के मैच में एस.जे क्रिकेट एकेडमी ने रिहान अली 105 रन व अमय शर्मा 102 रन नाबाद की शतकीय पारीयों तथा उमेश मीणा 9 रन पर 4 विकेट की शानदार गेन्दबाजी की बदोलत ईवेन्ट क्रिकेट एकेडमी को 146 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर एस.जे क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये रिहान अली 105 रन (60 गेन्द 13 चौके, 4 छक्के), अभय शर्मा 102 रन नाबाद (55 गेन्द, 14 चौके, 2 छक्के). पहले विकेट पर 18.2 ओवर में 200 रन की साझेदारी निभाकर धुँआदार बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 1 विकेट खोकर 222 रन बनाये। गेन्दबाजी में ईवेन्ट एकेडमी की ओर से अमन यादव 41 रन पर 1 विकेट लेकर 1 मात्र सफल गेन्दबाज रहे।

जवाबी पारी में इवेन्ट एकेडमी की ओर से अरमान यादव 18 रन, कन्हैया शर्मा 14 रन, को छोडकर इवेन्ट एकेडमी का कोई भी बल्लेबाज उमेश मीणा 4 ओवर 9 रन 4 विकेट रजत 17 रन पर 2 विकेट, समर खान 7 रन पर 2 विकेट तथा उवेश राजपूत 4 रन पर 1 विकेट की गेन्दबाजी के समक्ष नहीं टिक सका और निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर मात्र 76 ही बना सकी। मैंच का मैन ऑफ दा मैच रिहान अली 105 रन एस जे स्कूल क्रिकेट एकेडमी रहे।

खेल विभाग के सचिव नीरज के. पवन ने जांच प्रक्रिया पर लगाई रोक

जयपुर, 27 मई। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एड-हॉक कमेटी के कन्वीनर जयदीप बिहाणी और कमेटी के चार सदस्यों के बीच चल रहा विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है । पाली क्रिकेट संघ के सचिव धर्मवीर सिंह शेखावत की अपील पर अपीलीय अधिकारी और खेल विभाग के शासन सचिव नीरज के पवन ने पूरी जांच प्रक्रिया पर रोक लगा दी है।

पाली जिला क्रिकेट संघ के खिलाफ पाली रजिस्ट्रार ऑफिस द्वारा शुरू की गई जांच को खेल विभाग ने रोक दिया है। मंगलवार को खेल सचिव ने आदेश जारी कर पाली जिला क्रिकेट संघ के खिलाफ करवाई को स्थगित कर दिया है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी। इसे एड-हॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहानी का विरोध कर रहे धनंजय सिंह के गुट के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। वहीं खेल विभाग ने एंट्री कर अब इस पूरी कार्रवाई को फिलहाल रोक दिया है। जिसके बाद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का विवाद इस आदेश से आरसीए की एड-हॉक कमेटी में चल रहे विवादों को और परवाज़ लगने वाला हैं।

डॉ. नीरज के पवन ने बताया कि 24 अप्रेल के आदेश पर आगामी आदेशों तक रोक लगा दी है। मामले में अगली सुनवाई अब 14 जुलाई को होगी। शिकायत के आधार पर उप रजिस्ट्रार, पाली ने गत 24 अप्रेल को जो जांच के आदेश दिए थे, वो नियम विरूद्ध थे। नीरज पवन ने स्पष्ट तौर पर कहा कि 14 जुलाई को पाली क्रिकेट संघ के खिलाफ अगर दस्तावेजो में कोई भी अनियमितता पाई जाती है तो जांच पर लगी रोक हटाई भी जा सकती है।

अपीलीय अधिकारी का ये रहा आदेश

उप रजिस्ट्रार, पाली द्वारा दिनांक 24.04.2025 को पारित किया गया आदेश राजस्थान खेल नियम, 2004 के नियम 8 की अनुपालना किये बिना ही जारी किया गया है। शिकायतकर्ता रमेश चौधरी जिला क्रिकेट संघ पाली से संबंधित किसी भी क्रिकेट संघ का शिकायत के समय 17 अप्रेल 25 को सदस्य नहीं था। इसलिए उसके पास खेल अधिनियम, 2005 के तहत् शिकायत करने या कार्यवाही शुरू करने की मॉग करने के लिए अपेक्षित अधिकार नही है। रमेश चौधरी द्वारा शिकायत में लगाये गये आरोप वर्ष 2011 से संबंधित है, जिन पर इतने समय बाद विचार किया जाना उचित नहीं है।

एडहॉक कमेटी के कन्वीनर और चार सदस्यों के बीच विवाद की वजह यह रही

जयपुर, 27 मई। कुछ दिनों पहले डीसीए पाली के सचिव धर्मवीर सिंह को नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में वित्तीय अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से आय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो सूचना मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद से शिकायत भी की थी। इसमें बताया कि समिति के कन्वीनर जयदीप बिहाणी पिछले 2 महीने से नोटिस देने का ही काम कर रहे हैं। बिहाणी ने मौजूदा क्रिकेट संचालन कमेटी को भंग कर सभी सिलेक्टर्स को कार्य मुक्त कर दिया था। बिहाणी के इस फैसले को लेकर कोई मीटिंग भी नहीं हुई थी, जिसके बाद एडहॉक कमेटी के दूसरे सदस्यों ने इसका विरोध किया था।

कुछ लोगों द्वारा बेवजह मेरे खिलाफ षडयंत्र रचे जा रहे हैं। पाली जिला क्रिकेट संघ के चुनाव की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ नियमों के तहत ही की गई है। लेकिन बेवजह पाली को बदनाम करने के लिए कुछ लोग जो क्रिकेट से जुड़े हुए ही नहीं है। वह लोग भी शिकायत कर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जिस पर फिलहाल सरकार द्वारा ही रोक लगा दी गई है। **- धर्मवीर सिंह**

किसी भी भ्रष्टाचार की जांच को रोका नहीं जा सकता। नीरज के. पवन को जांच पर रोक लगाने का अधिकार किसने दिया? मैं इस आदेश को बिल्कुल नहीं मानता। यह संविधान के खिलाफ है। **- जयदीप बिहाणी**

एक्वाडक्ट से बीसलपुर व ईसरदा बाँध तक लिफ्ट से पानी लाया जा सकेगा: भजनलाल

चंबल नदी पर एक्वाडक्ट निर्माण के लिये मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक ने स्वीकृति जारी की

जयपुर, 27 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महत्वाकांक्षी संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना (राम जल सेतु लिंक परियोजना) को (कूल नदी), महलपुर (पार्वती नदी) व नवनेरा (कालीसिंध नदी) बैराज का पानी चम्बल नदी को पार करके मेज बैराज में डाला जाएगा तथा बीसलपुर और ईसरदा बांध तक लिफ्ट के माध्यम से ले जाया जा सकेगा। 2280 मीटर

- **कुल 2280 मीटर लंबाई के इस एक्वाडक्ट का एक छोर कोटा के पीपल्दासमेल गाँव तथा दूसरा छोर बूंदी के गुहारा गाँव से जुड़ेगा।**
- **कोटा की सुल्तानपुर तहसील के लोगों को बूंदी से गुज़र रहे कोटा-सवाई माधोपुर हाईवे से पक्की सड़क का एक अतिरिक्त मार्ग उपलब्ध होगा।**

धरातल पर लागू करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में परियोजना के प्रथम चरण में चम्बल नदी पर एक्वाडक्ट निर्माण के लिए राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की स्वीकृति के बाद, मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक ने अन्तिम स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस एक्वाडक्ट के माध्यम से रामगढ़ लम्बाई के इस एक्वाडक्ट का एक छोर कोटा के पीपल्दासमेल गांव और दूसरा छोर बून्दी के गुहाटा गांव से जुड़ेगा। इससे कोटा की सुल्तानपुर तहसील के लोगों को बून्दी से गुजर रहे कोटा-सवाईमाधोपुर हाईवे से पक्की सड़क द्वारा एक अतिरिक्त मार्ग उपलब्ध होगा। साथ ही, परियोजना में नवनेरा बैराज से मेज एनिकट तक फीडर निर्माण की कार्यवाही को गति मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 17 जिलों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने वाली इस परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत, 9400 करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी कर योजना की क्रियान्विति शुरू कर दी गई है। इस चरण में पैकेज-2 के अन्तर्गत, चम्बल नदी पर एक्वाडक्ट का निर्माण किया जा रहा है।

फिलिपीन्स में भूकंप के झटके

मनीला, 27 मई। फिलीपींस के क्यूज़ोन प्रांत में मंगलवार को मध्यम स्तर के भूकंप के झटके महसूस किये गये। फिलीपींस ज्वालामुखी एवं भूकंप विज्ञान संस्थान के मुताबिक स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:17 बजे आये

- **रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मानी गई। भूकंप का केन्द्र क्यूज़ोन प्रांत था।**

भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.1 मापी गयी। भूकंप का केंद्र क्यूजोन प्रांत के जनरल नाकर से लगभग 24 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में छह किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के झटके फिलीपींस की राजधानी मनीला में भी महसूस किए गये।

प्रथम प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देश को निरंतर विविधिता में एकता का संदेश देने वाले हमारे प्रेरणास्त्रोत, पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।

राहुल गांधी ने कहा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन। सशक्त और समावेशी भारत का सपना लिए नेहरू जी ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से स्वतंत्र भारत की मजबूत नींव रखी।

'रामसेतु को जल्दी ही राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया जाए'

डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में केन्द्र सरकार को निर्देश देने का आग्रह किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। राज्य सभा के पूर्व सदस्य एवं भाजपा नेता डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर केन्द्र सरकार को यह निर्देश देने की माँग की है कि रामसेतु को राष्ट्रीय महत्व का प्राचीन स्मारक घोषित करने तथा उसे राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा देने की मांग संबंधी उनके पत्र पर शीघ्र विचार किया जाए।

- **स्वामी ने जनवरी 2023 में सुप्रीम कोर्ट में इस बारे में याचिका दायर की थी, तब उन्हें कोर्ट ने सरकार से आग्रह करने का निर्देश दिया था। इसके बाद स्वामी ने सरकार को पत्र लिखा, पर जब उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई तो उन्होंने फिर से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।**

अपनी इस ताजातरीन याचिका में डॉ. स्वामी ने निवेदन किया है कि जनवरी 2023 में सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें (डॉ. स्वामी) को निर्देश दिये थे कि सम्बंधित प्रार्थना पत्र समुचित अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाये। ऐसे निर्देशों के बावजूद, केन्द्र सरकार को भेजे गये उनके प्रार्थना पत्र पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

स्वामी ने कहा है कि रामसेतु, जिसे "एडम'स ब्रिज" के नाम से भी जाना जाता है, "एनशिएंट मॉन्यूमेन्ट्स एण्ड आर्किओलॉजिकल साइट्स एण्ड रिमेन्स एक्ट, 1958 की, तथा खासतौर से उसकी धारा 3 एवं 4 की सभी आवश्यक शर्तें पूरी करता है। यह अधिनियम ऐतिहासिक, कलात्मक या पुरातात्विक महत्व की प्राचीन संरचनाओं को राष्ट्रीय महत्व के स्मारक घोषित करने के लिये सरकार को अधिकार देता है।

स्वामी अपनी याचिका में कहते हैं, "यह पुरातात्विक संरचना उन लोगों के लिये आस्था एवं श्रद्धा का विषय है, जो रामसेतु को एक तीर्थ स्थान मानते हैं।"

उन्होंने आगे कहा कि केन्द्र सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह इस स्थल को प्रदूषण, अपवित्रता या दुरुपयोग से बचाए और संरक्षित करे।

डॉ. स्वामी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को निर्देश देने की भी मांग की है कि वे इस संरचना की प्राचीनता और महत्ता की पुष्टि के लिए एक व्यापक सर्वेक्षण और वैज्ञानिक अध्ययन कराएं।

केन्द्र सरकार ने इससे पहले सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया था कि राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित करने की प्रक्रिया "संस्कृति मंत्रालय में प्रगति पर है।" यह जवाब स्वामी की इसी प्रकार की मदद चाहने वाली पिछली याचिका के जवाब में दिया गया था, जिस पर शीर्ष अदालत ने उन्हें औपचारिक अभ्यावेदन देने की सलाह दी थी।

वर्तमान याचिका में स्वामी ने केन्द्र सरकार की निष्क्रियता पर निराशा व्यक्त की है और कहा है कि यह मुद्दा पिछले आठ वर्षों से लंबित है, और 2017 में केन्द्रीय मंत्री द्वारा प्रारंभिक बैठकें किए जाने के बावजूद, इस मामले में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है।

स्वामी ने यह भी कहा कि उन्होंने पहले चरण की कानूनी लड़ाई जीत ली थी, जिसमें केन्द्र सरकार ने राम सेतु के अस्तित्व को औपचारिक रुप से स्वीकार किया था। लेकिन इस स्वीकारोक्ति के बावजूद, अब तक इसे राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा देने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

राम सेतु चूना पत्थर की एक शृंखला है, जो तमिलनाडु के दक्षिण - पूर्वी तट पर स्थित पंबन द्वीप (रामेश्वरम) को श्रीलंका के उत्तर पश्चिमी तट पर स्थित मन्नार द्वीप से जोड़ता है। यह संरचना धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, विशेषकर हिंदू समुदाय के लिए, जो मानते हैं कि इसका निर्माण भगवान राम की वानर सेना द्वारा किया गया था, जैसा कि रामायण में वर्णित है।

1995 के वक्फ एक्ट को चुनौती, सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र व राज्य सरकारों को नोटिस दिया

हालांकि, सीजेआई गवई की बैंच ने पूछा कि इतने सालों बाद इस एक्ट को चुनौती क्यों दी जा रही है

नयी दिल्ली, 27 मई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को वक्फ अधिनियम, 1995 को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और राज्य सरकारोंको नोटिस जारी किया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने दिल्ली के रहने वाले निखिल उपाध्याय की याचिका पर नोटिस जारी किया है। इसे वकील हरि शंकर जैन और एक अन्य व्यक्ति की समान याचिका के साथ संलग्न किया गया।

वक्फ अधिनियम में हाल ही में किए गए संशोधनों को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति मसीह की पीठ ने पहले पूछा था कि 1995 के अधिनियम को इतने सालों के बाद अब चुनौती क्यों दी जा रही है। याचिकाकर्ता हरि शंकर जैन की ओर से उपस्थित वकील विष्णु शंकर जैन ने यह समझाने का प्रयास किया कि याचिकाकर्ताओं ने 1995 के अधिनियम को बहुत पहले ही सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी थी। उन्हें हाई कोर्ट जाने के लिए कहा गया था, परन्तु पीठ इससे सहमत नहीं हुई।

- **याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि इस एक्ट को बहुत पहले ही सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी थी, पर, तब उन्हें हाई कोर्ट जाने के लिए कहा गया था। सुप्रीम कोर्ट इस दलील से सहमत नज़र नहीं आया।**

मंगलवार को भी सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने वकील अश्विनी उपाध्याय से पूछा कि उन्हें 1995 के अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अब क्यों विचार करना चाहिए। इस पर वकील उपाध्याय ने बताया कि पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और के वी विश्वनाथन की पीठ ने पूर्व सीजेआई खन्ना के सेवानिवृत्त होने के बाद सीजेआई गवई की अगुवाई वाली पीठ के कार्यभार संभालने से पहले वक्फ (संशोधन) 2025 मामलों की सुनवाई की थी। पहले ही 1995 के अधिनियम को चुनौती देने वाले मामलों की अलग से सुनवाई करने पर सहमत हो गई थी और 2025 के संशोधनों को चुनौती देने वालों को इस पर अपना जवाब दाखिल करने की अनुमति दी थी।

केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने मंगलवार को कहा कि कोर्ट ने 2025 के संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के साथ 1995 के अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की अनुमति नहीं दी है। हालांकि, भाटी ने कहा कि अगर उपाध्याय की याचिका को जैन द्वारा 1995 के अधिनियम को चुनौती देने वाली दूसरी याचिका के साथ जोड़ दिया जाता है तो कोई आपत्ति नहीं है।

'आतंकवाद पाकिस्तान की युद्ध नीति है उसका जवाब युद्ध से ही दिया जाएगा'

गांधीनगर, 27 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद के जरिए कोई परोक्ष युद्ध (प्रॉक्सी वार) नहीं कर रहा है, बल्कि यह उसकी युद्ध की सोची-समझी रणनीति है और इसका जवाब युद्ध की ही तरह दिया जाएगा।

मोदी ने भारत के खिलाफ सीमापार से प्रायोजित आतंकवाद की तुलना चुभते कांटे से करते हुए कहा,

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के गांधी नगर में पाकिस्तान को सीधी चेतावनी दी।**

शरीर कितना ही स्वस्थ क्यों न हो, लेकिन अगर एक कांटा चुभता है, तो पूरा शरीर परेशान रहता है। अब हमने तय कर लिया है, उस कांटे को निकाल के रहेंगे।

उन्होंने गांधीनगर में एक कार्यक्रम में कहा कि भारत पड़ोसियों के साथ सुख-शांति से रहना चाहता है, लेकिन अगर हमारे सामर्थ्य को ललकारा जायेगा, तो उसका पूरे साहस से जवाब दिया जाएगा।

'तेज प्रताप के निष्कासन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महत्वपूर्ण बात यह है कि तेज प्रताप की पूर्व पत्नी ऐश्वर्या राय ने एक प्रेस कांफ्रेंस में आरोप लगाया कि यह "निष्कासन नाटक" चुनावों को ध्यान में रखते हुए लालू प्रसाद और उनके परिवार द्वारा रचा गया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि शादी के दौरान उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया था।

- **दूसरी ओर मोदी चुनाव अभियान का डंका बजाने के लिए 29 मई को पटना जा रहे हैं, जहाँ वे जे.पी. इंटरनैशनल एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्‌घाटन करेंगे तथा उसके बाद पटना एयरपोर्ट से भाजपा मुख्यालय तक रोड शो में भाग लेंगे तथा अगले दिन रोहतास जिले के विक्रमगंज में आयोजित एक रैली में भाग लेंगे।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 मई को पटना में जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्‌घाटन कर अपनी यात्रा शुरू करेंगे। उनके लिए राजद परिवार में मचे घमासान को "वंशवादी राजनीति" पर हमला बोलने के लिए एक अनुकूल अवसर के रूप में देखा जा रहा है। इसी दिन प्रधानमंत्री पटना एयरपोर्ट से लेकर बीजेपी के प्रदेश मुख्यालय (बीर चंद पटेल पथ) तक रोड शो भी करेंगे। अगले दिन वे रोहतास जिले के बिक्रमगंज में एक जनसभा को संबोधित करेंगे, जहाँ वे करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की घोषणा करेंगे, जिनमें रेलवे परियोजनाएँ भी शामिल हैं।

जबकि लालू प्रसाद और उनके परिवार के सदस्य भ्रष्टाचार के मामलों में जांच के घेरे में हैं, ऐसे में तेज प्रताप से जुड़ा यह विवाद पार्टी के लिए और मुश्किलें खड़ी कर सकता है। दूसरी ओर, भाजपा ने इस बार विधानसभा की कुल 243 सीटों में से 225 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है।

कोलाबा जैटी परियोजना पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नयी दिल्ली, 27 मई। उच्चतम न्यायालय ने मुंबई के कोलाबा इलाके में गेटवे ऑफ इंडिया के पास यात्री जेटी परियोजना पर निर्माण कार्य जारी रखने की अनुमति देने वाले बॉम्बे उच्च न्यायालय के फैसले में हस्तक्षेप करने से मंगलवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्थानीय निवासियों की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करते हुए बुनियादी ढांचे के विकास के विरोध पर सवाल उठाया।

पीठ ने टिप्पणी की ? हर कोई सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट चाहता है, लेकिन अपने घर के पीछे नहीं।

हरीश चौधरी ने गहलोत की भारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हरीश चौधरी ने यह भी कहा कि समूचे जोधपुर डिवीजन में ऐसे लोगों की वजह से पार्टी दयनीय स्थिति में पहुंच गई है। आप उनके साथ बैठ सकते हैं, मैं नहीं।"

मेवाराम जैन, जिन्हें सीडी कांड सामने आने के बाद निलंबित किया गया था, और अमीन खान, जिन्होंने गहलोत के इशारे पर कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ा था, दोनों गहलोत के वफादार माने जाते हैं और दोनों को पार्टी से बाहर कर दिया गया था।

खबर है कि गहलोत ने उन्हें बाड़मेर बुलाया था, क्योंकि वहाँ जय हिंद रैली के लिए राजस्थान का पूरा शीर्ष नेतृत्व मौजूद था।

गहलोत ने सुरजेवाला से इनसे मिलने का आग्रह किया, लेकिन सुरजेवाला ने यह कहकर मना कर दिया कि उन्होंने इन्हें बुलाया ही नहीं है।

जब इन दोनों को कोई तवज्जो नहीं मिली, तो गुस्साए अमीन खान ने कहा, "यह कांग्रेस पार्टी का अंत है।"

पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा ने नाराजगी जताते हुए कहा - "नेताओं के स्वागत करने का यह तरीका नहीं है। हमें पता है, आप क्या करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इस तरह का दबाव नहीं चलेगा।"

हेमाराम चौधरी ने कहा - "कांग्रेस जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद भी बची रही और ऐसे नेताओं के जाने के बाद भी बची रहेगी।" उन्होंने इन दोनों नेताओं (और जाहिर है कि गहलोत के लिए भी) के लिए तीखी भाषा का प्रयोग किया।

वरिष्ठ नेताओं के बीच यह टकराव साफ दिखाता है कि सत्ता से बाहर होने के बाद गहलोत की पार्टी में पकड़ तेजी से कमज़ोर हो रही है।

उनकी राजनीति अब सबके सामने आ गई है, जो पार्टी को नुकसान पहुंचा कर खुद को बनाए रखने की कोशिश करती है।

राजस्थान कांग्रेस में परिवर्तन की बयार चल रही है, और आने वाले दिन अशोक गहलोत के लिए कठिन साबित हो सकते हैं।

गंभीर राजनीतिक परिवर्तन की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगर यह नियुक्ति होती है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे, क्योंकि अगला राज्य विधानसभा चुनाव दूर नहीं है और एक सख्त न्यायाधीश के राज्यपाल बनने से तृणमूल कांग्रेस के उस खेल को प्रभावित किया जा सकता है, जो वह सत्ता में बने रहने के लिये खेलती आ रही है।

राज्य की मुख्यमंत्री लंबे समय से भारी दबाव में हैं, कई वरिष्ठ मंत्री वित्तीय अनियमितताओं के कारण जेल में हैं। पार्थ चटर्जी, जो ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी थे, कई वर्षों से जेल में हैं। उनके एक और सहयोगी, मॉंडल, जेल में है तथा उनकी अकड़ अब खत्म हो गई है। कई अन्य नेता भी जेल में हैं

- **अतः, इस महिला गवर्नर से ममता बनर्जी का युद्ध पहले ही दिन से शुरु हो जायेगा और यह ममता जी के लिए एक दुखदायी अध्याय की शुरुआत होगी।**

सबसे बुरी बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में हजारों स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति रद्द कर दी है, जिससे राज्य प्रशासन की साख खत्म हो गई है। कोर्ट की कार्यवाही और सीबीआई की जांच में तृणमूल कांग्रेस नेताओं और नियुक्तियों में घूसखोरी का तथा सत्ता के दुरुपयोग का खुलासा हुआ है।

स्कूल शिक्षकों की नियुक्तियां अदालत के आदेशों के तहत रद्द हो चुकी हैं और तभी से ये शिक्षक लगातार सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, राज्य पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों पर लाठी चार्ज किया, जिसे सम्पूर्ण जनता ने घोर निंदनीय बताया।

एक अन्य गंभीर मामला एक सरकारी अस्पताल में एक जूनियर डॉक्टर की हत्या का है, जिसमें राज्य प्रशासन, राज्य पुलिस और स्वास्थ्य विभाग, जो दोनों विभाग ममता बनर्जी के अधीन है, क्योंकि वे स्वयं राज्य की गृह और स्वास्थ्य मंत्री हैं, की भूमिका पर सवाल उठे हैं। ऐसे में, छवि निर्माण और राजनीतिक मधुर भाषा के प्रयोग के प्रयासों के बावजूद, ममता बनर्जी की छवि धूमिल हुई है और उनकी स्थिति में कोई और होता तो लंबे समय पहले हार मान चुका होता। केवल उनकी दृढ़ता और राजनीतिक कुशलता के साथ ही, तृणमूल नेताओं द्वारा पैसे कमाने की व्यवस्था ने उन्हें जीवित रखा है। इसके अलावा, उन्होंने सावधानीपूर्वक और निरंतर राज्य के मुस्लिम वोटरों के साथ अपना संबंध बनाए रखा है, जिसे वे सत्ता में बने रहने के लिए महत्वपूर्ण मानती हैं।

लेकिन, एक साहसी महिला प्रतिद्वंद्वी उनके सामने अगले चुनाव से पहले चुनौती बन सकती है। फिलहाल इस बारे में गुपचुप चर्चा हो रही है।

जस्टिस संजीव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जज पद पर जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा की वकील कोटे से 16 नवंबर 2016 को नियुक्ति हुई थी।

इस दौरान एक जनवरी 2022 को उनका ट्रांसफर पटना हाईकोर्ट कर दिया गया था।

वहीं, झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस रहे श्रीचन्द्रशेखर का ट्रांसफर राजस्थान हाईकोर्ट में 5 जुलाई 2024 को हुआ था। इसके अलावा, जस्टिस अरुण कुमार मोंगा का ट्रांसफर भी राजस्थान हाईकोर्ट में एक नवंबर 2023 को हुआ था।

'आतंकवाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और मजबूत करने के प्रयास जारी रखेंगे।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र और एफएटीएफ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सिंगापुर के समर्थन का अनुरोध किया। करीबी दोस्तों और भागीदारों के रूप में भारत और सिंगापुर आतंकवाद के मुद्दे सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

International Year of Cooperatives
2025
Cooperatives Build a Better World

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

एकमुश्त समझौता योजना 2025-26

प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों के किसानों को सरकार ने दी राहत

अवधिपार ऋण चुकाएं, ब्याज पूरा माफ़ कराएं

- **36 प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों** के 30 हजार से अधिक पात्र ऋणी किसान एवं लघु उद्यमी होंगे लाभान्वित
- 01 जुलाई, 2024 को **अवधिपार मूल ऋण चुकाने पर मिलेगा लाभ**
- **25 प्रतिशत मूल ऋण की राशि** 30 जून, 2025 तक अवश्य जमा करानी होगी
- शेष राशि **30 सितम्बर, 2025** तक जमा करानी होगी
- मूल ऋण जमा कराने पर **ब्याज में मिलेगी 100 प्रतिशत छूट**
- **दण्डनीय ब्याज एवं वसूली खर्च** 100 प्रतिशत माफ़
- योजना पर **200 करोड़ रुपए** का व्यय प्रस्तावित
- **राज्य सरकार वहन करेगी** समस्त ब्याज राशि एवं वसूली खर्च
- **मृतक ऋणी किसानों** के वारिसान भी ले सकेंगे योजना का लाभ
- पूर्व में नीलामी के दौरान बोलीदाता के अभाव में बैंक द्वारा क्रय की गई **भूमि को किसानों को लौटाए जाने का प्रावधान**

योजना की अधिक जानकारी एवं मार्गदर्शन के लिए
भूमि विकास बैंकों के कार्यालयों /शाखाओं में संपर्क करें

राजस्थान संवाद

सहकारिता विभाग, राजस्थान

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908